



# नेपाल राष्ट्र बैंक

बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग

केन्द्रीय कार्यालय  
बालुवाटार, काठमाडौं।

फोन नं.: ४४९९८०४/५

Web Site: www.nrb.org.np

पोष्ट बक्स: ७३

पत्र संख्या : बै.वि.नि.वि./नीति/परिपत्र/कखग/४/०७८/७९

मिति: २०७८/०६/२५

इजाजतपत्रप्राप्त "क", "ख" र "ग" वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरु,

महाशय,

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त "क", "ख" र "ग" वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा यसैसाथ संलग्न तालिकाबमोजिम संशोधन/परिमार्जन/थप गरिएको हुँदा सोहीबमोजिम गर्नु गराउनु हुन नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८ को दफा ७९ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी यो निर्देशन जारी गरिएको छ।

भवदीय,



(देव कुमार ढकाल)  
कार्यकारी निर्देशक

## बोधार्थ :

- (१) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, गभर्नरको कार्यालय।
- (२) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, डेपुटी गभर्नरको कार्यालय।
- (३) श्री नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालय, वित्तीय क्षेत्र व्यवस्थापन तथा संस्थान समन्वय महाशाखा, सिंहदरबार।
- (४) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, बैंक सुपरिवेक्षण विभाग।
- (५) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, विकास बैंक सुपरिवेक्षण विभाग।
- (६) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, वित्त कम्पनी सुपरिवेक्षण विभाग।
- (७) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, विदेशी विनिमय व्यवस्थापन विभाग।
- (८) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, आर्थिक अनुसन्धान विभाग।
- (९) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, कानून महाशाखा।
- (१०) श्री नेपाल बैंकर्स संघ, सेन्ट्रल विजनेश पार्क, थापाथली।
- (११) श्री डेभलपमेण्ट बैंकर्स एसोसिएसन, अनामनगर।
- (१२) श्री नेपाल वित्तीय संस्था संघ, डिल्लीबजार।

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७

| क्र. सं.   | इ.प्रा.नि.नं.  | एकीकृत निर्देशन २०७७ मा भएको विद्यमान व्यवस्था  | एकीकृत निर्देशन २०७७ मा गरिएको संशोधन/परिमार्जन/नयाँ थप व्यवस्था  |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
|--|--|---|---|-----------------------|--------|--|--|--|------------------------------|--|--|--|--|--|--|------|------|------|------|------|-------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-----------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|--|-------|-------|-------|-------|-------|--|-------|-------|-------|-------|-------|---|--------|-------|-------|-------|-------|---|--------|--------|--------|--------|--------|--------------------------|----------------------------|--------|--------|--------|--------|----------------|----------------------------|--------------------------|--|-----------------------|--|--|------------------------------|--|--|--|--|------|------|------|----------------|-------|-------|-----------------------|--------------------------|----------------------------|--------------------|-----------------------|--------------------------|--------------------|--------------------|-----------------------|----------------------|---------------------------------|--|--|
| १.   | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा ख मा संशोधन । | (ख) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले पुँजीकोषको विवरण प्रत्येक महिनाको मसान्तको वित्तीय विवरणका आधारमा तोकिएको ढाँचामा तयार गरी आन्तरिक लेखापरीक्षकबाट प्रमाणित गराई यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टल मार्फत प्रत्येक महिना समाप्त भएको १५ दिन भित्र पठाई सक्नु पर्नेछ ।  | (ख) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले पुँजीकोषको विवरण प्रत्येक महिनाको मसान्तको वित्तीय विवरणका आधारमा तोकिएको ढाँचामा तयार गरी आन्तरिक लेखापरीक्षकबाट प्रमाणित गराई यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टल मार्फत प्रत्येक महिना समाप्त भएको ७ दिन भित्र पठाई सक्नु पर्नेछ । |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| २.   | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को बुँदा नं. ४ मा संशोधन ।               | (४) ICAAP मार्गदर्शन सम्बन्धमा इजाजतपत्रप्राप्त “क” वर्ग र राष्ट्रियस्तरका “ख” वर्गका संस्थाले यस बैंकबाट जारी गरिएको Internal Capital Adequacy Assesment Process (ICAAP) Guidelines पालना गर्नुपर्नेछ ।  | (४) ICAAP मार्गदर्शन सम्बन्धमा इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले यस बैंकबाट जारी गरिएको Internal Capital Adequacy Assesment Process (ICAAP) Guidelines पालना गर्नुपर्नेछ ।   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| ३.   | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को १.८ मा संशोधन ।    | <p>1.8 TRANSITIONAL ARRANGEMENTS</p> <p>In order to ensure smooth migration to Basel III without aggravating any near-term stress, appropriate transitional arrangements have been made. The transitional arrangements for capital ratios will begin from Mid July, 2016 (Shrawan 2073). Capital ratios and deductions from Common Equity will be fully phased-in and implemented as on mid july, 2019. The phase-in arrangements for banks are indicated in the following Table:</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th colspan="6">BASEL III in Nepal</th> </tr> <tr> <th colspan="6">Transition Period (Mid July)</th> </tr> <tr> <th></th> <th>2015</th> <th>2016</th> <th>2017</th> <th>2018</th> <th>2019</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Minimum Common Equity Capital Ratio</td> <td>4.00%</td> <td>4.50%</td> <td>4.50%</td> <td>4.50%</td> <td>4.50%</td> </tr> <tr> <td>Capital Conservation Buffer</td> <td>1.00%</td> <td>1.25%</td> <td>1.50%</td> <td>2.00%</td> <td>2.50%</td> </tr> <tr> <td>Minimum common equity plus capital conservation buffer</td> <td>5.00%</td> <td>5.75%</td> <td>6.00%</td> <td>6.50%</td> <td>7.00%</td> </tr> <tr> <td>Minimum Tier 1 Capital (Excluding conservation buffer)</td> <td>6.00%</td> <td>6.00%</td> <td>6.00%</td> <td>6.00%</td> <td>6.00%</td> </tr> <tr> <td>Minimum Total Capital (Excluding conservation buffer)</td> <td>10.00%</td> <td>9.75%</td> <td>9.50%</td> <td>9.00%</td> <td>8.50%</td> </tr> <tr> <td>Minimum Total Capital (including conservation buffer)</td> <td>11.00%</td> <td>11.00%</td> <td>11.00%</td> <td>11.00%</td> <td>11.00%</td> </tr> <tr> <td>Counter Cyclical Buffers</td> <td>Introduce minimum standard</td> <td>0-2.5%</td> <td>0-2.5%</td> <td>0-2.5%</td> <td>0-2.5%</td> </tr> <tr> <td>Leverage Ratio</td> <td>Introduce minimum standard</td> <td colspan="2">Offsite Monitoring 4.00%</td> <td colspan="2">Migration to Pillar 1</td> </tr> </tbody> </table> | BASEL III in Nepal  |                       |        |  |  |  | Transition Period (Mid July) |  |  |  |  |  |  | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | Minimum Common Equity Capital Ratio | 4.00% | 4.50% | 4.50% | 4.50% | 4.50% | Capital Conservation Buffer | 1.00% | 1.25% | 1.50% | 2.00% | 2.50% | Minimum common equity plus capital conservation buffer | 5.00% | 5.75% | 6.00% | 6.50% | 7.00% | Minimum Tier 1 Capital (Excluding conservation buffer) | 6.00% | 6.00% | 6.00% | 6.00% | 6.00% | Minimum Total Capital (Excluding conservation buffer) | 10.00% | 9.75% | 9.50% | 9.00% | 8.50% | Minimum Total Capital (including conservation buffer) | 11.00% | 11.00% | 11.00% | 11.00% | 11.00% | Counter Cyclical Buffers | Introduce minimum standard | 0-2.5% | 0-2.5% | 0-2.5% | 0-2.5% | Leverage Ratio | Introduce minimum standard | Offsite Monitoring 4.00% |  | Migration to Pillar 1 |  | <p>1.8 TRANSITIONAL ARRANGEMENTS</p> <p>In order to ensure smooth migration to Basel III without aggravating any near-term stress, appropriate transitional arrangements have been made. The phase-in arrangements are indicated in the following Table:</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th colspan="4">Transition Period (Mid July)</th> </tr> <tr> <th></th> <th>2023</th> <th>2024</th> <th>2025</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Leverage Ratio</td> <td>4.00%</td> <td>4.00%</td> <td>Migration to Pillar 1</td> </tr> <tr> <td>Liquidity coverage ratio</td> <td>Introduce minimum standard</td> <td>Offsite Monitoring</td> <td>Migration to Pillar 1</td> </tr> <tr> <td>Net stable funding ratio</td> <td>Introduce standand</td> <td>Offsite Monitoring</td> <td>Migration to Pillar 1</td> </tr> <tr> <td>SIFI &amp; DSIB Measures</td> <td colspan="3">NRB shall issue the regulation.</td> </tr> </tbody> </table> | Transition Period (Mid July) |  |  |  |  | 2023 | 2024 | 2025 | Leverage Ratio | 4.00% | 4.00% | Migration to Pillar 1 | Liquidity coverage ratio | Introduce minimum standard | Offsite Monitoring | Migration to Pillar 1 | Net stable funding ratio | Introduce standand | Offsite Monitoring | Migration to Pillar 1 | SIFI & DSIB Measures | NRB shall issue the regulation. |  |  |
| BASEL III in Nepal                                     |  |   |   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Transition Period (Mid July)                           |  |   |   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
|  | 2015   | 2016  | 2017  | 2018                  | 2019   |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Minimum Common Equity Capital Ratio                    | 4.00%  | 4.50%   | 4.50%   | 4.50%                 | 4.50%  |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Capital Conservation Buffer                            | 1.00%  | 1.25%   | 1.50%   | 2.00%                 | 2.50%  |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Minimum common equity plus capital conservation buffer | 5.00%  | 5.75%   | 6.00%   | 6.50%                 | 7.00%  |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Minimum Tier 1 Capital (Excluding conservation buffer) | 6.00%  | 6.00%   | 6.00%   | 6.00%                 | 6.00%  |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Minimum Total Capital (Excluding conservation buffer)  | 10.00%   | 9.75%   | 9.50%   | 9.00%                 | 8.50%  |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Minimum Total Capital (including conservation buffer)  | 11.00%   | 11.00%  | 11.00%  | 11.00%                | 11.00% |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Counter Cyclical Buffers                               | Introduce minimum standard   | 0-2.5%  | 0-2.5%  | 0-2.5%                | 0-2.5% |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Leverage Ratio   | Introduce minimum standard   | Offsite Monitoring 4.00%  |   | Migration to Pillar 1 |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Transition Period (Mid July)                           |  |   |   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
|  | 2023   | 2024  | 2025  |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Leverage Ratio   | 4.00%  | 4.00%   | Migration to Pillar 1   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Liquidity coverage ratio                               | Introduce minimum standard   | Offsite Monitoring  | Migration to Pillar 1   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| Net stable funding ratio                               | Introduce standand   | Offsite Monitoring  | Migration to Pillar 1   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |
| SIFI & DSIB Measures                                   | NRB shall issue the regulation.                                    |   |   |                       |        |  |  |  |                              |  |  |  |  |  |  |      |      |      |      |      |                                     |       |       |       |       |       |                             |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |  |       |       |       |       |       |   |        |       |       |       |       |   |        |        |        |        |        |                          |                            |        |        |        |        |                |                            |                          |  |                       |  |  |                              |  |  |  |  |      |      |      |                |       |       |                       |                          |                            |                    |                       |                          |                    |                    |                       |                      |                                 |  |  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२

|    |   | Liquidity coverage ratio  | Review Existing Framework       | LCR 100%                   | LCR 100%    | LCR 100%   |  |  |
|----|---|---|---------------------------------|----------------------------|-------------|--|--|--|
|    |   | Net stable funding ratio  | Observation and Parallel Run    | Introduce minimum standard | Implemented |  |  |  |
|    |   | SIFI Measures   | NRB shall issue the regulation. |                            |             |  |  |  |
| ४. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को १.९ मा संशोधन ।           | 1.9 EFFECTIVE DATE:<br>All banks within the scope of this framework should adopt the prescribed approaches from Mid July 2016 (Fiscal Year 2073/74). In order to ensure smooth transition to new approach prescribed by this framework, a parallel run from Mid January 2016 (Poush End, 2072) to Mid July 2016 (Asar End, 2073) will be conducted. The banks are required to submit their capital adequacy report to the Bank Supervision Department on a monthly basis. Based on the findings of the parallel run, further amendments and modification will be incorporated in the framework wherever deemed necessary.   |                                 |                            |             | 1.9 EFFECTIVE DATE:<br><b>All banks within the scope of this framework should adopt the prescribed approaches.</b>   |  |  |
| ५. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को २.१ II को (v) मा संशोधन । | (v) General loan loss provision limited to a maximum of 1.25% of total Credit Risk Weighted Exposures. General loan loss provision refers to provisions or loan- loss reserves held against future, presently unidentified losses are freely available to meet losses which subsequently materialize and therefore qualify for inclusion in Tier 2 Capital. However, impairment loss booked under NFRS as per Incurred Loss Model shall not be eligible to be included in Tier 2 Capital as the impairment is recognized on loss incurred and not for the future.<br>Loan loss provision created on pass loan as per regulatory requirement shall be eligible for inclusion Tier 2 Capital. |                                 |                            |             | (v) General loan loss provision limited to a maximum of 1.25% of total Credit Risk Weighted Exposures. General loan loss provision refers to provisions or loan- loss reserves held against future, presently unidentified losses are freely available to meet losses which subsequently materialize and therefore qualify for inclusion in Tier 2 Capital. However, impairment loss booked under NFRS as per Incurred Loss Model shall not be eligible to be included in Tier 2 Capital as the impairment is recognized on loss incurred and not for the future.<br>Loan loss provision created on pass loan as per regulatory requirement shall be eligible for inclusion Tier 2 Capital.<br><b>However, from fiscal year 2020/21, the limit of general loan loss provision is set to a maximum of 1.65% of total Risk Weighted Exposures.</b> |  |  |
| ६. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को २.४ को vi मा संशोधन ।     | (vi) In addition to the minimum Common Equity Tier 1 capital of 4.5% of RWAs, banks are also required to maintain a capital conservation buffer (CCB) of 2.5% of RWAs in the form of Common Equity Tier 1 capital.<br>Thus, with full implementation of capital ratios and CCB the capital requirements are summarized as follows:  |                                 |                            |             | (vi) In addition to the minimum Common Equity Tier 1 capital of 4.5% of RWAs, banks are also required to maintain a capital conservation buffer (CCB) of 2.5% of RWAs in the form of Common Equity Tier 1 capital.<br>Thus, with full implementation of capital ratios and CCB the capital requirements are summarized as follows:   |  |  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३

|  | Regulatory Capital   | As % to RWAs  |  | Regulatory Capital  | As % to RWAs               |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|--|--|---|--|---|----------------------------|---|---------------|------|-----------------|-----|-----------------|-----|----------------|-----|-------|----|--|--|--|
|  | (i) Minimum Common Equity Tier 1 Ratio   | 4.5   |  | (i) Minimum Common Equity Tier 1 Ratio  | 4.5                        |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | (ii) Capital Conservation Buffer ( Comprised of Common Equity)   | 2.5   |  | (ii) Capital Conservation Buffer (Comprised of Common Equity)   | 2.5                        |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | (iii) Minimum Common Equity Tier 1 Ratio plus Capital Conservation Buffer [(i)+(ii)]   | 7.0   |  | (iii) Minimum Common Equity Tier 1 Ratio plus Capital Conservation Buffer [(i)+(ii)]  | 7.0                        |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | (iv) Minimum Tier 1 Capital Ratio  | 6.0   |  | (iv) Minimum Tier 1 Capital Ratio ( <b>Excluding Capital Conservation Buffer</b> )  | 6.0                        |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | (v) Minimum Total Capital Ratio ( MTC)   | 8.5   |  | (v) Minimum Total Capital Ratio ( MTC) ( <b>Excluding Capital Conservation Buffer</b> )   | 8.5                        |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | (vi) Minimum Total Capital Ratio plus Capital Conservation Buffer  | 11.0  |  | (vi) Minimum Total Capital Ratio plus Capital Conservation Buffer   | 11.0                       |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| ७.   | इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को २.५ को ५ मा संशोधन ।   | 5. Banks are required to maintain a capital conservation buffer of 2.5%, comprised of Common Equity Tier 1 capital, above the regulatory minimum capital requirement of 8.50%. Banks should not distribute capital (i.e. pay dividends or bonuses in any form) in case capital level falls within this range. However, they will be able to conduct business as normal when their capital levels fall into the conservation range as they experience losses. Therefore, the constraints imposed are related to the distributions only and are not related to the operations of banks. The distribution constraints imposed on banks when their capital levels fall into the range increase as the banks' capital levels approach the minimum requirements. The Table below shows the minimum capital conservation ratios a bank must meet at various levels of the Common Equity Tier 1 capital ratios. |  | 5. Banks are required to maintain a capital conservation buffer of 2.5%, comprised of Common Equity Tier 1 capital, above the regulatory minimum <b>total</b> capital requirement of 8.50%. <b>Banks should not distribute its earnings and reserves in the form of cash or/and stock dividends in case the capital falls below this level.</b> However, they will be able to conduct business as normal when their capital levels fall into the conservation range as they experience losses. Therefore, the constraints imposed are related to the distributions only and are not related to the operations of banks. |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | <table border="1"> <thead> <tr> <th colspan="2">Minimum capital conservation standards for individual bank</th> </tr> <tr> <th>Common Equity Tier 1 Ratio</th> <th>Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as a percentage of earnings)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>4.5% - 5.125%</td> <td>100%</td> </tr> <tr> <td>&gt;5.125% - 5.75%</td> <td>80%</td> </tr> <tr> <td>&gt;5.75% - 6.375%</td> <td>60%</td> </tr> <tr> <td>&gt;6.375% - 7.0%</td> <td>40%</td> </tr> <tr> <td>&gt;7.0%</td> <td>0%</td> </tr> </tbody> </table> |   | Minimum capital conservation standards for individual bank |   | Common Equity Tier 1 Ratio | Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as a percentage of earnings) | 4.5% - 5.125% | 100% | >5.125% - 5.75% | 80% | >5.75% - 6.375% | 60% | >6.375% - 7.0% | 40% | >7.0% | 0% |  |  |  |
| Minimum capital conservation standards for individual bank |  |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| Common Equity Tier 1 Ratio                                 | Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as a percentage of earnings)  |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| 4.5% - 5.125%  | 100%   |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| >5.125% - 5.75%  | 80%  |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| >5.75% - 6.375%  | 60%  |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| >6.375% - 7.0%   | 40%  |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
| >7.0%  | 0%   |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |
|  | For example, a bank with a Common Equity Tier 1 capital ratio in the range of 5.125% to 5.75% is required to conserve 80% of its earnings in the subsequent financial year (i.e. payout no more than 20%).   |   |  |   |                            |   |               |      |                 |     |                 |     |                |     |       |    |  |  |  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४

| <p>द. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को २.५ को ६ मा संशोधन ।</p>   | <p>6. The capital conservation buffer will be phased in between mid July 2016 and becoming fully effective on mid July 2019. It will begin at 1.25% of RWEs on mid July 2016, 1.5% on mid July 2017 and increase each subsequent year by an additional 0.50 percentage points, to reach its final level of 2.5% of RWAs on mid July 2019. The minimum capital conservation standards apply with reference to the applicable minimum CET1 capital and applicable CCB. Therefore, during the transition period, banks may refer to the following Table for meeting the minimum capital conservation ratios at various levels of the Common Equity Tier 1 capital ratios:</p> <table border="1" data-bbox="338 560 1171 1015"> <thead> <tr> <th colspan="4">Minimum capital conservation standards for individual bank</th> </tr> <tr> <th colspan="3">Common Equity Tier 1 Ratio after including the current periods retained earnings</th> <th rowspan="2">Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as % of earnings)</th> </tr> <tr> <th>Mid July, 2016</th> <th>Mid July, 2017</th> <th>Mid July, 2018</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>4.50% - 4.81%</td> <td>4.5% - 4.875%</td> <td>4.5% - 5.00%</td> <td>100%</td> </tr> <tr> <td>&gt;4.81% - 5.13%</td> <td>&gt;4.875% - 5.25%</td> <td>&gt;5.00% - 5.50%</td> <td>80%</td> </tr> <tr> <td>&gt;5.13% - 5.44%</td> <td>&gt;5.25% - 5.625%</td> <td>&gt;5.50% - 6.00%</td> <td>60%</td> </tr> <tr> <td>&gt;5.44% - 5.75%</td> <td>&gt;5.625% - 6.00%</td> <td>&gt;6.00% - 6.50%</td> <td>40%</td> </tr> <tr> <td>&gt;5.75%</td> <td>&gt;6.00%</td> <td>&gt;6.50%</td> <td>0%</td> </tr> </tbody> </table> <p>Banks that already meet the minimum ratio requirement during the transition period but remain below the 7% Common Equity Tier 1 target (minimum of 4.5% plus conservation buffer of 2.5%) should maintain prudent earnings retention policies with a view to meeting the conservation buffer as soon as reasonably possible. However, NRB may consider accelerating the build-up of the capital conservation buffer and shorten the transition periods, if the situation warrants so.</p> | Minimum capital conservation standards for individual bank |  |  |  | Common Equity Tier 1 Ratio after including the current periods retained earnings |  |  | Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as % of earnings) | Mid July, 2016 | Mid July, 2017 | Mid July, 2018 | 4.50% - 4.81% | 4.5% - 4.875% | 4.5% - 5.00% | 100% | >4.81% - 5.13% | >4.875% - 5.25% | >5.00% - 5.50% | 80% | >5.13% - 5.44% | >5.25% - 5.625% | >5.50% - 6.00% | 60% | >5.44% - 5.75% | >5.625% - 6.00% | >6.00% - 6.50% | 40% | >5.75% | >6.00% | >6.50% | 0% | <p>हटाइएको ।</p> |
|--|---|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------|----------------|----------------|---------------|---------------|--------------|------|----------------|-----------------|----------------|-----|----------------|-----------------|----------------|-----|----------------|-----------------|----------------|-----|--------|--------|--------|----|------------------|
| Minimum capital conservation standards for individual bank                       |   |  |  |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| Common Equity Tier 1 Ratio after including the current periods retained earnings |   |  | Minimum Capital Conservation Ratios (expressed as % of earnings) |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| Mid July, 2016   | Mid July, 2017  | Mid July, 2018   |  |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| 4.50% - 4.81%  | 4.5% - 4.875%   | 4.5% - 5.00%   | 100%   |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| >4.81% - 5.13%   | >4.875% - 5.25%   | >5.00% - 5.50%   | 80%  |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| >5.13% - 5.44%   | >5.25% - 5.625%   | >5.50% - 6.00%   | 60%  |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| >5.44% - 5.75%   | >5.625% - 6.00%   | >6.00% - 6.50%   | 40%  |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |
| >5.75%   | >6.00%  | >6.50%   | 0%   |  |  |  |  |  |  |                |                |                |               |               |              |      |                |                 |                |     |                |                 |                |     |                |                 |                |     |        |        |        |    |                  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५

| <p>९. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ३.३ को D मा संशोधन ।</p>                        | <p>d. <u>Claims on corporate &amp; securities firms</u></p> <p>1. Domestic corporate includes all firms and companies incorporated in Nepal as per prevailing Acts and regulations. The claims on domestic corporate, including claims on insurance companies and securities firm shall be risk weighed as per the credit rating score provided by licensed credit rating agency subject to the floor of 80% as follows:</p> <table border="1" data-bbox="338 456 1171 560"> <thead> <tr> <th>Credit rating score equivalent to</th> <th>AAA</th> <th>AA+ to AA-</th> <th>A+ to A-</th> <th>BBB+ &amp; below</th> <th>Unrated</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Risk weights</td> <td>80%</td> <td>85%</td> <td>90%</td> <td>100%</td> <td>100%</td> </tr> </tbody> </table> | Credit rating score equivalent to  | AAA      | AA+ to AA-   | A+ to A- | BBB+ & below | Unrated | Risk weights | 80% | 85% | 90% | 100% | 100% | <p>d. <u>Claims on corporate &amp; securities firms</u></p> <p>1. Domestic corporate includes all firms and companies incorporated in Nepal as per prevailing Acts and regulations. The claims on domestic corporate, including claims on insurance companies and securities firm shall be risk weighed as per the credit rating score provided by licensed credit rating agency subject to the floor of 30% as follows:</p> <table border="1" data-bbox="1192 456 1980 560"> <thead> <tr> <th>Credit rating score equivalent to</th> <th>AAA</th> <th>AA+ to AA-</th> <th>A+ to A-</th> <th>BBB+ &amp; below</th> <th>Unrated</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Risk weights</td> <td>50%</td> <td>70%</td> <td>80%</td> <td>100%</td> <td>100%</td> </tr> </tbody> </table> | Credit rating score equivalent to | AAA | AA+ to AA- | A+ to A- | BBB+ & below | Unrated | Risk weights | 50% | 70% | 80% | 100% | 100% |
|---|---|--|----------|--------------|----------|--------------|---------|--------------|-----|-----|-----|------|------|--|-----------------------------------|-----|------------|----------|--------------|---------|--------------|-----|-----|-----|------|------|
| Credit rating score equivalent to   | AAA   | AA+ to AA-   | A+ to A- | BBB+ & below | Unrated  |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| Risk weights  | 80%   | 85%  | 90%      | 100%         | 100%     |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| Credit rating score equivalent to   | AAA   | AA+ to AA-   | A+ to A- | BBB+ & below | Unrated  |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| Risk weights  | 50%   | 70%  | 80%      | 100%         | 100%     |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| <p>१०. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ४.४ मा संशोधन ।</p>                            | <p>4.4 COMPUTATION OF RISK WEIGHT:<br/>Operational risk-weighted assets are determined by multiplying the operational risk capital charge by 11 and adding together with the risk weighted exposures for credit risk.</p>   | <p>4.4 COMPUTATION OF RISK WEIGHT:<br/>Operational risk-weighted assets are determined by multiplying the operational risk capital charge by 9.09 and adding together with the risk weighted exposures for credit risk.</p>    |          |              |          |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| <p>११. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ५.५ मा संशोधन ।</p>                            | <p>5.5 COMPUTATION OF RISK WEIGHT:<br/>Risk-weighted assets in respect of market risk are determined by multiplying the capital charges by 11 and adding together with the risk weighted exposures for credit risk.</p>   | <p>5.5 COMPUTATION OF RISK WEIGHT:<br/>Risk-weighted assets in respect of market risk are determined by multiplying the capital charges by 9.09 and adding together with the risk weighted exposures for credit risk.</p>      |          |              |          |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| <p>१२. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ६.१ मा संशोधन ।</p>                            | <p>नभएको ।<br/>(6 Review Process: 6.1 General को अन्त्यमा थप गर्ने ।)</p>   | <p>Nepal Rastra Bank has issued INTERNAL CAPITAL ADEQUACY ASSESSMENT PROCESS (ICAAP) GUIDELINE to provide detail guideline for ICAAP and Supervisory Review Process. This guideline will also be a part of this framework.</p> |          |              |          |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |
| <p>१३. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.२ को बुँदा नं. १.५ को पहिलो अनुच्छेदमा संशोधन ।</p> | <p>1.5 SCOPE OF APPLICATION: This framework shall be applicable to all "B" Class national level financial institutions licensed to conduct banking business in Nepal under the Bank and Financial Institution Act, 2073</p>   | <p>1.5 SCOPE OF APPLICATION: This framework shall be applicable to all "B" and "C" Class financial institutions licensed to conduct banking business in Nepal under the Bank and Financial Institution Act, 2073</p>           |          |              |          |              |         |              |     |     |     |      |      |  |                                   |     |            |          |              |         |              |     |     |     |      |      |

नेपाल राष्ट्र बैकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



|   |  |   |
|---|--|---|
| १४. इ.प्रा.निर्देशन नं. १/०७७ अनुसूची नं. १.२ को २.३ को D मा संशोधन । | D. General loan loss provision limited to a maximum of 1.25% of total Risk Weighted Exposures. General loan loss provision refers to the provisions created in respect of Performing Loans only and it does not include provisions of rescheduled/ restructured and classified loans. The additional loan loss provisions created in respect of Personal Guarantee loans, third party collateral loan and loans in excess of Single Obligor Limits are specific provisions and hence cannot be included under this category. Such provisions however can be deducted from the gross exposures while calculating risk weighted exposures for credit risk. | D. General loan loss provision limited to a maximum of 1.25% of total Risk Weighted Exposures. General loan loss provision refers to the provisions created in respect of Performing Loans only and it does not include provisions of rescheduled/ restructured and classified loans. The additional loan loss provisions created in respect of Personal Guarantee loans, third party collateral loan and loans in excess of Single Obligor Limits are specific provisions and hence cannot be included under this category. Such provisions however can be deducted from the gross exposures while calculating risk weighted exposures for credit risk.<br><b>However, from fiscal year 2020/21, the limit of general loan loss provision is set to a maximum of 1.65% of total Risk Weighted Exposures.</b> |
| १५. इ.प्रा.नि. नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ७.४ को FORM NO. 1A     |  | संलग्न तालिका बमोजिम  |
| १६. इ.प्रा.नि. नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.१ को ७.४ को FORM NO. 5      |  | संलग्न तालिका बमोजिम  |
| १७. इ.प्रा.नि. नं. १/०७७ को अनुसूची नं. १.२ को ७.४ को FORM NO. 1      |  | संलग्न तालिका बमोजिम  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७

|     |  |  |   |
|-----|--|--|---|
| १८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को शीर्षक मा संशोधन ।                                       | कर्जा/सापटको वर्गीकरण र कर्जा नोक्सानी सम्बन्धी व्यवस्था   | कर्जा प्रवाह, वर्गीकरण तथा कर्जा नोक्सानी सम्बन्धी व्यवस्था ।   |
| १९. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. बुँदा नं.१ को उप बुँदा २ को खण्ड आ मा संशोधन । | (आ) नवीकरण नभई अस्थायी रुपमा बढीमा ९० दिनसम्म भुक्तानी अवधि बढाईएका अल्पकालीन वा चालुपुँजी कर्जा ।   | (आ) एक महिना भित्र नवीकरण नभएका वा अस्थायी रुपमा बढीमा ९० दिनसम्म भुक्तानी अवधि बढाईएका अल्पकालीन वा चालुपुँजी कर्जा ।  |
| २०. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १ को उपबुँदा ग हटाइएको ।                       | (ग) उपबुँदा (क) र (ख) मा जुनसुकै कुरा उल्लेख भएको भएतापनि २०७६ पुस मसान्तमा असल वर्गमा वर्गीकरण भएका र २०७६ पुस मसान्तपश्चात प्रवाह भएका कर्जालाई बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले २०७७ असार मसान्तमा असल वर्गमा वर्गीकरण गर्न सक्नेछन् ।  | हटाइएको ।   |
| २१. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा च मा संशोधन ।                    | च) कर्जा असुल हुन नसकी लिलामी प्रक्रिया शुरु भएको १८० दिन नाघेमा वा असुली प्रक्रिया अन्तर्गत अदालतमा मुद्दा चलिरहेको अवस्थामा,   | (च) कर्जा असुल हुन नसकी लिलामी प्रक्रिया शुरु भएको वा असुली प्रक्रिया अन्तर्गत अदालतमा मुद्दा चलिरहेको अवस्थामा,  |
| २२. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३ को उपबुँदा ज मा संशोधन ।                     | (ज) सुरक्षणको बजार मूल्यले कर्जाको सुरक्षण हुन नसक्ने भएमा,  | (ज) सुरक्षणको बजार मूल्यले कर्जाको सुरक्षण हुन नसक्ने भएमा, यस प्रयोजनको लागी सुरक्षण भन्नाले अचल सम्पत्ति धितो मात्र नभई परियोजना तथा परियोजनाको चल सम्पत्ति समेतलाई जनाउने छ ।  |
| २३. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३ को टिप्पणी मा संशोधन ।                       | टिप्पणी : यो निर्देशनको खण्ड (ग) को प्रयोजनको लागि “दुरुपयोग” भन्नाले प्रयोजन खुलाई लिएको कर्जा रकम सम्बन्धित प्रयोजनमा प्रयोग नगरेको, परियोजना सञ्चालनमा नरहेको, सम्बन्धित परियोजना/व्यवसायबाट आर्जित रकम ऋण तिर्नमा नलगाई अन्य कार्यमा प्रयोग गरेको, निरीक्षण तथा सुपरिवेक्षणको क्रममा सुपरिवेक्षक, लेखा परीक्षणको क्रममा लेखापरीक्षकबाट दुरुपयोग भएको प्रमाणित भएमा कर्जा तथा सुविधाको दुरुपयोग गरेको सम्झनु पर्छ । | टिप्पणी : यो निर्देशनको खण्ड (ग) को प्रयोजनको लागि “दुरुपयोग” भन्नाले जुन प्रयोजनको लागि कर्जा लिएको हो सोही प्रयोजनमा प्रयोग नगरेको, परियोजना सञ्चालनमा नरहेको, सम्बन्धित परियोजना/व्यवसायबाट आर्जित रकम ऋण तिर्नमा नलगाई अन्य कार्यमा प्रयोग गरेको, निरीक्षण तथा सुपरिवेक्षणको क्रममा सुपरिवेक्षक, लेखा परीक्षणको क्रममा लेखापरीक्षकबाट दुरुपयोग भएको प्रमाणित भएमा कर्जा तथा सुविधाको दुरुपयोग गरेको सम्झनु पर्छ । |
| २४. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा २ मा संशोधन ।                    | (२) जलविद्युत परियोजना, विद्युत प्रसारण लाइन (Transmission Line) केवलकार निर्माण परियोजना र नवीकरणीय उर्जा परियोजनामा प्रवाह भएका कर्जाको हकमा कुनै किस्ताले ९० दिनभन्दा बढीले भाखा नाघेमा त्यस्तो किस्ता रकमलाई खराव वर्गमा वर्गीकरण गरी किस्ताको शतप्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ ।   | (२) जलविद्युत परियोजना, विद्युत प्रसारण लाइन (Transmission Line) केवलकार निर्माण परियोजना र नवीकरणीय उर्जा परियोजनामा प्रवाह भएका कर्जाको हकमा कुनै किस्ताले ९० दिनभन्दा बढीले भाखा नाघेमा त्यस्तो किस्ताको साँवा रकमलाई खराव वर्गमा वर्गीकरण गरी किस्ताको शतप्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ ।  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



८

|     |  |   |  |
|-----|--|---|--|
| २५. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं ७ को उपबुँदा क मा संशोधन ।   | (क) सामान्यतया एक वर्षभन्दा बढी ग्रेस अवधि राखी आवधिक कर्जा प्रदान गर्न पाइने छैन । तर, व्यवसाय तथा परियोजनाको प्रकृति अनुसार सो भन्दा बढी ग्रेस अवधि प्रदान गर्नुपर्ने भएमा के कति कारणले र कुन कुन आधारमा बढी ग्रेस अवधि कायम गर्नुपरेको हो सोको व्यहोरा खुलाई कर्जा स्वीकृतिको समयमानै सो कर्जा स्वीकृत गर्ने अख्तियार प्राप्त अधिकारी भन्दा एक तह माथिल्लो अधिकारीबाट स्वीकृत गराउनु पर्नेछ । यस प्रयोजनको लागि सबैभन्दा माथिल्लो स्तर सञ्चालक समिति हुनेछ ।<br>स्पष्टीकरण: ग्रेस अवधि भन्नाले कर्जा प्रवाह शुरु भएको मितिदेखि कर्जाको किस्ता भुक्तानी गर्न शुरु हुने मिति बुझ्नु पर्नेछ ।  | (क) सामान्यतया एक वर्षभन्दा बढी ग्रेस अवधि राखी आवधिक कर्जा प्रदान गर्न पाइने छैन । तर व्यवसाय तथा परियोजनाको प्रकृति अनुसार सो भन्दा बढी ग्रेस अवधि प्रदान गर्नुपर्ने भएमा के कति कारणले र कुन कुन आधारमा बढी ग्रेस अवधि कायम गर्नुपरेको हो सोको व्यहोरा खुलाई स्वीकृत गर्ने अख्तियार प्राप्त अधिकारीले ऋणीले पेश गरेको <b>Project Report</b> र सो को औचित्यको आधारमा निर्णय गर्न सक्नेछ र सो को अनुमोदन कर्जा स्वीकृत गर्न अख्तियार प्राप्त अधिकारी भन्दा एक तह माथिल्लो अधिकारी बाट गराउनु पर्नेछ । यस प्रयोजनको लागि सबभन्दा माथिल्लो स्तर सञ्चालक समिति हुनेछ । एक पटक तय गरिएको ग्रेस अवधि थप गरेमा त्यस्तो कर्जालाई पुनरसंरचना/ पुनरतालिकीकरण गरेको मानिने र सोहि बमोजिम कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ ।<br><br>स्पष्टीकरण: ग्रेस अवधि भन्नाले कर्जा प्रवाह शुरु भएको मितिदेखि कर्जाको किस्ता भुक्तानी गर्न शुरु हुने मिति बुझ्नु पर्नेछ । |
| २६. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ८. (१) मा संशोधन, उपबुँदा (२) र (३) थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | (८) कर्जाको पुनरतालिकीकरण र पुनरसंरचना सम्बन्धी व्यवस्था<br><br>(१) ऋणीले पेश गरेको लिखित कार्य योजनामा उल्लिखित देहायका आधारहरूमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्था विश्वस्त भएमा कर्जाहरूलाई पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्न सक्ने छ । कर्जा पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गरिएका स्पष्ट आधारहरू प्रत्येक कर्जा फाइलमा संलग्न हुनु पर्नेछ :-<br>(क) कर्जा सम्बन्धी कागजात तथा सुरक्षणहरू पर्याप्त भएको प्रमाण,<br>(ख) पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना भएका कर्जा असुल हुने सम्भावनावारे इजाजतपत्रप्राप्त संस्था विश्वसनीय भएको आधारहरू, र<br>(ग) कर्जालाई पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्न लिखित कार्ययोजना पेश हुनुका अतिरिक्त त्यस्तो कर्जा पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्दाको दिनसम्म असुल हुन बाँकी ब्याजको कम्तीमा पच्चीस प्रतिशत ब्याज रकम असुलउपर भएको । | (८) कर्जाको पुनरतालिकीकरण र पुनरसंरचना सम्बन्धी व्यवस्था<br><br>(१) ऋणीले पेश गरेको लिखित कार्य योजनामा उल्लिखित देहायका आधारमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्था विश्वस्त भएमा कर्जालाई पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्न सक्ने छ :-<br><br>(क) कर्जा सम्बन्धी कागजात तथा सुरक्षण पर्याप्त भएको प्रमाण,<br>(ख) कर्जा असुल हुने सम्भावनावारे इजाजतपत्रप्राप्त संस्था विश्वस्त भएको आधार, र<br>(ग) कर्जालाई पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्न लिखित कार्ययोजना पेश हुनुका अतिरिक्त त्यस्तो कर्जा पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्दाको दिनसम्म असुल हुन बाँकी ब्याजको कम्तीमा पच्चीस प्रतिशत ब्याज रकम असुल उपर भएको ।<br>(२) कर्जा पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गरिएका स्पष्ट आधारहरू प्रत्येक कर्जा फाइलमा संलग्न हुनु पर्नेछ ।<br>(३) कर्जा पुनरतालिकीकरण वा पुनरसंरचना गर्दा असुल हुन बाँकी ब्याजलाई पुँजीकरण गर्न पाइने छैन ।   |
| २७. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा १ को प्रतिबन्धात्मक वाक्यांस हटाइएको ।                 | तर,<br>(अ) यस निर्देशनको बुँदा नं.१ को उपबुँदा (ग) बमोजिम असल वर्गमा वर्गीकरण भएका तर, भाखा नाघेको अवधिको आधारमा २०७७ असार मसान्तमा तल्लो वर्गमा वर्गीकरण गर्नु पर्ने कर्जाको लागि कम्तीमा ५ प्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ ।  | हटाइएको ।  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



९

|     |   |   |   |
|-----|---|---|---|
|     |   | (आ) २०७६ पुस मसान्तमा अन्य वर्गमा वर्गीकरण गरिएका कर्जालाई यस निर्देशनको बुँदा नं.१ को उपबुँदा (क) र (ख) बमोजिम वर्गीकरण गरी सोहीबमोजिम कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ।<br>(इ) उपबुँदा (अ) अनुसार ५ प्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गरिएका कर्जाको विवरण अलगगै तयार गरी यस बैंकमा पेश गर्नु पर्नेछ।   |   |
| २८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ४ को खण्ड ग मा संशोधन।                      | (ग) बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट कर्जा प्रवाह भएका परियोजनाको व्याजमा वृद्धि, उत्पादन क्षमता (Production Capacity) विस्तार भई लगानीमा हुने वृद्धि वा अन्य लागतमा वृद्धि जस्ता कारणले शुरुमा तोकिएको कर्जा भुक्तानी गर्ने अवधि (Repayment Schedule) मा कर्जा चुक्ता गर्न सक्ने स्थिति नरहेका ऋणीमध्ये राष्ट्रिय प्राथमिकतामा रहेका हाईड्रोपावर, केवलकार, सिमेन्ट वा अन्य पूर्वाधार निर्माण सम्बन्धी परियोजनाहरुलाई देहायका शर्त पुरा गरी पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना गरेको अवस्थामा १ प्रतिशत मात्र कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्न सकिने छ। यसरी पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना गरिएका कर्जालाई असल कर्जाको रूपमा वर्गीकरण गर्न सकिने छ। | (ग) बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट कर्जा प्रवाह भएका परियोजनाको व्याजमा वृद्धि, उत्पादन क्षमता (Production Capacity) विस्तार भई लगानीमा हुने वृद्धि वा अन्य लागतमा वृद्धि जस्ता कारणले शुरुमा तोकिएको कर्जा भुक्तानी गर्ने अवधि (Repayment Schedule) मा कर्जा चुक्ता गर्न सक्ने स्थिति नरहेका ऋणीमध्ये राष्ट्रिय प्राथमिकतामा रहेका हाईड्रोपावर, केवलकार, सिमेन्ट, तारे होटल वा अन्य पूर्वाधार निर्माण सम्बन्धी परियोजनाहरुलाई देहायका शर्त पुरा गरी पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना गरेको अवस्थामा १ प्रतिशत मात्र कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्न सकिने छ। यसरी पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना गरिएका कर्जालाई असल कर्जाको रूपमा वर्गीकरण गर्न सकिने छ।<br>तर आर्थिक वर्ष २०७७/७८ देखी उपरोक्त बमोजिम पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना गरिएका कर्जाहरुमा कर्जा नोक्सानी व्यवस्था १.३ प्रतिशत कायम गर्नुपर्नेछ। |
| २९. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ६ को पहिलो अनुच्छेद मा संशोधन।              | (६) व्यक्तिगत/संस्थागत जमानीमा कर्जा प्रदान गर्दा ऋणीको व्यक्तिगत जमानी रकम बराबरको अन्य कसैको दावी नलाग्ने सम्पत्तिको विवरण अनिवार्य रूपमा लिनु पर्नेछ। व्यक्तिगत/संस्थागत जमानीमा मात्रै प्रवाहित कर्जालाई पनि उपरोक्तानुसार वर्गीकरण गरी असल, कमसल र शंकास्पद कर्जामा पर्ने भए सो वर्गमा तोकिएको प्रतिशतको अतिरिक्त २० प्रतिशत थप गरी कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ। अन्य चल, अचल सम्पत्तिको सुरक्षणले नखाम्ने भई थप सुरक्षण वापत व्यक्तिगत/संस्थागत जमानत समेत लिई कर्जा प्रवाह गरेको अवस्थामा सुरक्षणले नखामेको कर्जामा समेत अतिरिक्त २० प्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नुपर्नेछ।                          | (६) व्यक्तिगत/संस्थागत जमानीमा कर्जा प्रदान गर्दा ऋणीको व्यक्तिगत जमानी रकम बराबरको अन्य कसैको दावी नलाग्ने सम्पत्तिको विवरण अनिवार्य रूपमा लिनु पर्नेछ। व्यक्तिगत/संस्थागत जमानीमा मात्रै प्रवाहित कर्जालाई पनि उपरोक्तानुसार वर्गीकरण गरी असल, <b>सुक्ष्म निगरानी</b> , कमसल र शंकास्पद कर्जामा पर्ने भए सो वर्गमा तोकिएको प्रतिशतको अतिरिक्त २० प्रतिशत थप गरी कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ। अन्य <b>चल, अचल सम्पत्ति तथा परियोजना धितोले</b> नखाम्ने भई थप सुरक्षण वापत व्यक्तिगत/संस्थागत जमानत समेत लिई कर्जा प्रवाह गरेको अवस्थामा सुरक्षणले नखामेको कर्जामा समेत अतिरिक्त २० प्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नुपर्नेछ।  |
| ३०. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ६ को खण्ड ग मा संशोधन।                      | (ग) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले व्यक्तिगत जमानीमा प्रवाह भइरहेको शिक्षा कर्जा तथा लघु वित्तीय संस्था एवम् सहकारी संस्थालाई विपन्न वर्ग कर्जा अन्तर्गत लगानी गरेको कर्जामा उपबुँदा (५) बमोजिम तोकिएको कर्जा नोक्सानी व्यवस्थामा अतिरिक्त २० प्रतिशत थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नु पर्नेछैन।   | (ग) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले व्यक्तिगत जमानीमा प्रवाह भइरहेको शिक्षा कर्जा, <b>परियोजना धितोमा प्रवाह भएको कर्जा तथा</b> लघु वित्तीय संस्था एवम् सहकारी संस्थालाई विपन्न वर्ग कर्जा अन्तर्गत लगानी गरेको कर्जामा उपबुँदा (५) बमोजिम तोकिएको कर्जा नोक्सानी व्यवस्थामा अतिरिक्त २० प्रतिशत थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नु पर्नेछैन।   |
| ३१. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ६ मा खण्ड च थप गरि क्रमसंख्या मिलान गरिएको। | नभएको।  | (च) <b>पाँच करोडसम्मका परियोजना धितोमा प्रवाह भएका कर्जा।</b>   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१०

|   |   |   |
|---|---|---|
| <p>३२. इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ७ मा संशोधन ।</p>                | <p>(७) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले देहायको अवस्थामा बाहेक तेस्रो पक्षको धितोमा मात्रै प्रवाहित कर्जालाई यस निर्देशन बमोजिम वर्गीकरण गरी असल, कमसल र शंकास्पद कर्जामा पर्ने भए सो वर्गमा तोकिएको प्रतिशतको अतिरिक्त २० प्रतिशत थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ । ऋणीको अन्य सम्पत्तिको सुरक्षणले नखाम्ने भई थप सुरक्षण वापत तेस्रो पक्षको धितो समेत लिई कर्जा प्रवाह गरेको अवस्थामा ऋणीको अन्य सम्पत्तिको सुरक्षणले नखामेको जति कर्जामा माथि उल्लेख भए बमोजिम थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नु पर्नेछ । यस्ता कर्जाको छुट्टै विवरण तयार गर्नु पर्नेछ ।<br/>(अ) ऋणी व्यक्ति भएमा निजको एकाघर परिवारका सदस्यको नाममा भएको धितो ।<br/>(आ) ऋणी फर्म भएमा सो फर्मको प्रोप्राइटर, साभेदार वा निजको एकाघर परिवारका सदस्यको नाममा भएको धितो ।<br/>(इ) जग्गा एकीकरण वा करारमार्फत व्यावसायिक कृषि, उद्योग र अन्य व्यवसाय सञ्चालन गर्न सम्भौता अनुसारको लिज सम्पत्तिको सुरक्षणमा प्रदान गरिएको कर्जा ।<br/>(ई) एक करोडसम्मका परियोजना धितोमा प्रवाह भएका कर्जा ।<br/>तर, मिति २०६९/०३/२९ भन्दा अघि प्रवाहित आवधिक कर्जाको हकमा अन्तिम किस्ता भुक्तानी अवधिसम्म यस्तो थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्न बाध्यकारी हुने छैन ।</p> | <p>(७) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले देहायको अवस्थामा बाहेक तेस्रो पक्षको धितोमा मात्रै प्रवाहित कर्जालाई यस निर्देशन बमोजिम वर्गीकरण गरी असल, कमसल र शंकास्पद कर्जामा पर्ने भए सो वर्गमा तोकिएको प्रतिशतको अतिरिक्त २० प्रतिशत थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नु पर्नेछ । ऋणीको अन्य सम्पत्तिको सुरक्षणले नखाम्ने भई थप सुरक्षण वापत तेस्रो पक्षको धितो समेत लिई कर्जा प्रवाह गरेको अवस्थामा ऋणीको अन्य सम्पत्तिको सुरक्षणले नखामेको जति कर्जामा माथि उल्लेख भए बमोजिम थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्नु पर्नेछ । यस्ता कर्जाको छुट्टै विवरण तयार गर्नु पर्नेछ ।<br/>(अ) ऋणी व्यक्ति भएमा निजको एकाघर परिवारका सदस्यको नाममा भएको धितो ।<br/>(आ) ऋणी फर्म भएमा सो फर्मको प्रोप्राइटर, साभेदार वा निजको एकाघर परिवारका सदस्यको नाममा भएको धितो ।<br/>(इ) जग्गा एकीकरण वा करारमार्फत व्यावसायिक कृषि, उद्योग र अन्य व्यवसाय सञ्चालन गर्न सम्भौता अ नुसारको लिज सम्पत्तिको सुरक्षणमा प्रदान गरिएको कर्जा ।<br/>(ई) हटाइएको<br/><b>यस प्रयोजनको लागि अन्य सम्पत्ति भन्नाले चल अचल सम्पत्ति र परियोजनाको सुरक्षण सम्भन्धनुपर्दछ ।</b><br/>तर, मिति २०६९/०३/२९ भन्दा अघि प्रवाहित आवधिक कर्जाको हकमा अन्तिम किस्ता भुक्तानी अवधिसम्म यस्तो थप कर्जा नोक्सानी व्यवस्था गर्न बाध्यकारी हुने छैन ।</p> |
| <p>३३. इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं ११ बुँदा नं. ४ को उपबुँदा क मा संशोधन ।</p>     | <p><b>११. गैर बैंकिङ्ग सम्पत्ति सकार, नोक्सानी व्यवस्था र लिलाम बिक्री सम्बन्धमा</b><br/>(४) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले धितो सुरक्षणलाई गैर बैंकिङ्ग सम्पत्तिको रुपमा सकार गर्दा तथा सकार गरेको गैर बैंकिङ्ग सम्पत्ति लिलाम बिक्री गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम गर्नु पर्नेछ :<br/>(क) रु. २५ लाखभन्दा बढी कर्जा रकम बक्यौता रहेको ग्राहकको सुरक्षण सम्पत्तिलाई गैर बैंकिङ्ग सम्पत्तिको रुपमा सकार गर्दा सम्बन्धित पक्षलाई अनिवार्यरुपमा कालोसूचीमा समावेश गर्नु पर्नेछ । तर, रु. २५ लाख सम्मको कर्जाको हकमा सम्बन्धित बैंक वा वित्तीय संस्थाले नै निर्णय गरी कालोसूचीमा समावेश गर्न सक्नेछ ।</p>  | <p><b>११. गैर बैंकिङ्ग सम्पत्ति सकार, नोक्सानी व्यवस्था र लिलाम बिक्री सम्बन्धमा</b><br/>(४) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले धितो सुरक्षणलाई गैर बैंकिङ्ग सम्पत्तिको रुपमा सकार गर्दा तथा सकार गरेको गैर बैंकिङ्ग सम्पत्ति लिलाम बिक्री गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम गर्नु पर्नेछ :<br/>(क) रु. १० लाखभन्दा बढी कर्जा रकम बक्यौता रहेको ग्राहकको सुरक्षण सम्पत्तिलाई गैर बैंकिङ्ग सम्पत्तिको रुपमा सकार गर्दा सम्बन्धित पक्षलाई अनिवार्यरुपमा कालोसूचीमा समावेश गर्नु पर्नेछ । तर, रु. १० लाख सम्मको कर्जाको हकमा सम्बन्धित बैंक वा वित्तीय संस्थाले नै निर्णय गरी कालोसूचीमा समावेश गर्न सक्नेछ ।</p>  |
| <p>३४. इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १२ को उपबुँदा २ को खण्ड घ को इ मा संशोधन ।</p> | <p>(इ) कर्जा खरिद गरी लिने बैंक तथा वित्तीय संस्थाले सम्बन्धित ऋणीले कर्जा लिएको मिति, कर्जाको किसिम, भुक्तानी अवस्था, विगतको कर्जा कारोबारको अवस्था, जमानतकर्ताको हैसियत, कर्जा वर्गीकरणको स्थिति आदि विवरणहरु लिखित रुपमा लिनु पर्नेछ ।</p>   | <p>(इ) कर्जा खरिद गरी लिने बैंक तथा वित्तीय संस्थाले सम्बन्धित ऋणीले कर्जा लिएको मिति, कर्जाको किसिम, भुक्तानी अवस्था, विगतको कर्जा कारोबारको अवस्था, जमानतकर्ताको हैसियत, कर्जा वर्गीकरणको स्थिति, <b>बाह्य लेखापरीक्षक तथा यस बैंकको निरीक्षण प्रतिवेदनमा कुनै कैफियत रहेको भए कैफियतको विवरण</b> आदि विवरणहरु लिखित रुपमा लिएर कर्जा फाइलमा समावेश गर्नुपर्नेछ । <b>सधै, इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले अर्को संस्थाको कर्जा स्वाप गरी लिँदा समेत यो व्यवस्था लागू हुनेछ ।</b></p>   |

# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



११

|     |   |  |   |
|-----|---|--|---|
| ३५. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १५ को उप बुँदा क को खण्ड ७ मा संशोधन ।                    | (७) यस्तो मार्जिन प्रकृतिको कर्जा बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आफ्नो प्राथमिक पुँजी (Core Capital) को बढीमा ४० प्रतिशतसम्म मात्र प्रवाह गर्न सक्नेछन्। यस प्रयोजनको लागि प्राथमिक पुँजी (Core Capital) भन्नाले ठीक अधिल्लो त्रयमासको आन्तरिक लेखापरीक्षण भएको वित्तीय विवरणको आधारमा कायम हुन आएको प्राथमिक पुँजी सम्भन्धनु पर्दछ ।   | (७) यस्तो मार्जिन प्रकृतिको कर्जा बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आफ्नो प्राथमिक पुँजी (Core Capital) को बढीमा ४० प्रतिशतसम्म मात्र प्रवाह गर्न सक्नेछन् । यस प्रयोजनको लागि प्राथमिक पुँजी (Core Capital) भन्नाले ठीक अधिल्लो त्रयमासको आन्तरिक लेखापरीक्षण भएको वित्तीय विवरणको आधारमा कायम हुन आएको प्राथमिक पुँजी सम्भन्धनु पर्दछ ।<br><b>तोकिएको सीमाभन्दा बढी प्रवाह भएका कर्जा बराबरको रकम इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले प्राथमिक पुँजीकोषबाट घटाउनु पर्नेछ ।</b>   |
| ३६. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. २३ मा संशोधन ।  | (२३) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले निश्चित प्रयोजन नखुलेका अधिविकर्ष कर्जा (Overdraft), धितो कर्जा (Mortgage Loan), सम्पत्ति कर्जा (Property Loan), व्यक्तिगत आवधिक कर्जा (Personal Term Loan), सेयरको धितोमा प्रदान गरिएको कर्जा लगायत जुनसुकै शीर्षकका व्यक्तिगत कर्जाहरू प्रति ग्राहक रु. ५० लाखसम्म मात्र प्रवाह गर्न सक्नेछन् ।  | (२३) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले निश्चित प्रयोजन नखुलेका अधिविकर्ष कर्जा (Overdraft), धितो कर्जा (Mortgage Loan), सम्पत्ति कर्जा (Property Loan), व्यक्तिगत आवधिक कर्जा (Personal Term Loan), सेयरको धितोमा प्रदान गरिएको कर्जा लगायत जुनसुकै शीर्षकका व्यक्तिगत प्रयोजनका कर्जाहरू प्रति ग्राहक रु. ५० लाखसम्म मात्र प्रवाह गर्न सक्नेछन् ।<br><b>घर/जग्गा धितो राखी यस्तो कर्जा प्रवाह गर्दा कर्जा र सोको धितो सुरक्षणको Fair Market Value बीचको अनुपात (Loan to Value Ratio) काठमाडौँ उपत्यकाभित्र बढीमा ४० प्रतिशत र अन्य स्थानको हकमा बढीमा ५० प्रतिशतसम्म मात्र कायम गर्नु पर्नेछ ।</b>  |
| ३७. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. २५ को उपबुँदा २ मा संशोधन गर्ने र बुँदा नं. ३ थप गरिएको । | २५. Risk taker (सञ्चालक, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी) लाई प्रवाह हुने कर्जा सम्बन्धमा<br><br>(२) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले कुनैपनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका कार्यकारी प्रमुख वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीको अधिकांश स्वामित्व रहेको फर्म, कम्पनी वा संस्थामा कुनै पनि किसिमको कर्जा प्रवाह गर्न सक्ने छैनन् । यो निर्देशन जारी हुनुपूर्व प्रवाह भईसकेको कर्जाको हकमा भुक्तानी अवधि समाप्त भई सकेपछि नवीकरण गर्न पाइने छैन । यस प्रयोजनको लागि अधिकांश स्वामित्व भन्नाले ५० प्रतिशत भन्दा बढी स्वामित्व भएको फर्म, कम्पनी वा संस्था सम्भन्धनु पर्दछ । | २५. Risk taker (सञ्चालक, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी) लाई प्रवाह हुने कर्जा सम्बन्धमा<br><br>(२) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले कुनैपनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका कार्यकारी प्रमुख वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीको अधिकांश स्वामित्व रहेको फर्म, कम्पनी वा संस्थामा कुनै पनि किसिमको कर्जा प्रवाह गर्न सक्ने छैनन् । यस प्रयोजनको लागि अधिकांश स्वामित्व भन्नाले ५० प्रतिशत भन्दा बढी स्वामित्व भएको फर्म, कम्पनी वा संस्था सम्भन्धनु पर्दछ ।<br><b>(३) संचालक, कार्यकारी प्रमुख तथा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी हुनुपूर्व लिएको कर्जाको हकमा भुक्तानी अवधि वा एक वर्ष मध्ये जुन पहिले हुन्छ सो अवधि भित्र नियमित गरिसक्नुपर्नेछ ।</b> |
| ३८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३२ मा संशोधन ।  | ३२. क्रेडिट रेटिङ्ग<br><br>इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले रु. ५० करोड वा सो भन्दा बढीको कर्जा उपयोग गर्ने ऋणीलाई कर्जा प्रवाह वा नवीकरण गर्दा ऋणी संस्थाको क्रेडिट रेटिङ्ग एजेन्सीबाट गरिएको रेटिङ्गलाई कर्जा मूल्याङ्कनको आधारको रूपमा लिनुपर्ने छ ।  | ३२. क्रेडिट रेटिङ्ग<br><br>इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले रु. ५० करोड वा सो भन्दा बढीको कर्जा उपयोग गर्ने ऋणीलाई कर्जा प्रवाह गर्दा ऋणी संस्थाको क्रेडिट रेटिङ्ग एजेन्सीबाट गरिएको रेटिङ्गलाई कर्जा मूल्याङ्कनको आधारको रूपमा लिनुपर्ने छ र यस्तो रेटिङ्ग प्रत्येक २ वर्षमा अद्यावधिक गर्नुपर्ने छ ।  |
| ३९. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३४ को उप बुँदा ७ हटाइएको ।                                | (७) २०७७ असार महिनासम्म भुक्तानी अवधि भएका डिमाण्ड लोन, क्यास क्रेडिट लगायतका अल्पकालीन प्रकृतिका चालू पुँजी कर्जाहरूलाई ऋणीको वित्तीय अवस्था विश्लेषण गरी २०७७ पौष मसान्तसम्म भुक्तानी गर्न सकिने गरी समय थप (Time Extension) गर्न सकिनेछ ।   | हटाइएको ।   |
| ४०. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३७ मा संशोधन ।  | ३७. कफी, सुन्तला, चिया जस्ता कृषि उत्पादनमूलक व्यवसाय र पशुपालन तथा दुग्धजन्य उत्पादनमूलक व्यवसायका लागि रु. १५ लाखसम्मको कर्जा प्रवाह गर्दा सम्भाव्यताका आधारमा परियोजनाकै धितोमा कर्जा प्रवाह गर्न सकिने छ । यस  | ३७. कफी, सुन्तला, चिया जस्ता कृषि उत्पादनमूलक व्यवसाय र पशुपालन तथा दुग्धजन्य उत्पादनमूलक व्यवसायका लागि रु. ५ करोड सम्मको कर्जा प्रवाह गर्दा सम्भाव्यताका आधारमा परियोजना धितोमा कर्जा प्रवाह गर्न सकिने छ । यस सम्बन्धमा कुनै गुनासो  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१२

|     |  |  |  |
|-----|--|--|--|
|     |  | सम्बन्धमा कुनै गुनासो भएमा सम्बन्धित ग्राहकले स्पष्ट व्यहोरा खुलाई यस बैंकमा गुनासो गर्न सक्ने छन् ।   | भएमा सम्बन्धित ग्राहकले स्पष्ट व्यहोरा खुलाई यस बैंकमा गुनासो गर्न सक्ने छन् ।   |
| ४१. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३८ मा नयाँ व्यवस्था गरिएको । | नभएको  | (३८) कर्जा असुली सम्बन्धी कारवाही सम्बन्धमा :<br>एक वर्ष भन्दा बढी अबधिको लागि प्रवाह भएको कर्जा असुलीको लागि सार्वजनिक सूचना तथा धितो लिलामीको कारवाही सुरु गर्नु अघि कर्जाले भाखा नाघेको कम्तीमा ६ महिना व्यतित भई कम्तीमा संकास्पद वर्गमा वर्गीकरण भएको हुनु पर्नेछ ।   |
| ४२. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ३९ मा उप बुँदा २ थप गरिएको । | नभएको ।  | (२) ब्याज पुँजीकरणका लागि बैंक तथा वित्तीय संस्थाको सञ्चालक समितिले निर्णय गरी कर्जाको पहिलो किस्ता प्रदान गरेको ३० दिनभित्र यस बैंकमा पुँजीकरणका लागि निवेदन पेश गर्नुपर्नेछ ।  |
| ४३. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ४० मा संशोधन ।               | ४०. ऋण भुक्तानी आम्दानी अनुपात (Debt Service to Gross Income Ratio) कायम गर्ने सम्बन्धमा :<br><br>बैंक तथा वित्तीय संस्थाले व्यक्तिगत प्रकृतिका आवधिक कर्जा, घर कर्जा तथा हायर पर्चेज कर्जा लगायतका किस्ता भुक्तानीमा आधारित गैर व्यवसायिक कर्जा प्रवाह गर्दा देहाय बमोजिम हुने गरी ऋण भुक्तानी आम्दानी अनुपातको अधिकतम सीमा ५० प्रतिशत कायम गर्नुपर्ने छ ।  | ४०. ऋण भुक्तानी आम्दानी अनुपात (Debt Service to Gross Income Ratio) कायम गर्ने सम्बन्धमा :<br><br>बैंक तथा वित्तीय संस्थाले व्यक्तिगत प्रकृतिका आवधिक कर्जा, घर कर्जा तथा हायर पर्चेज कर्जा लगायतका किस्ता भुक्तानीमा आधारित गैर व्यवसायिक कर्जा तथा <b>व्यक्तिगत अधिविकर्ष कर्जा</b> प्रवाह गर्दा देहाय बमोजिम हुने गरी ऋण भुक्तानी आम्दानी अनुपातको अधिकतम सीमा ५० प्रतिशत कायम गर्नुपर्ने छ ।   |
| ४४. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ४४ मा संशोधन ।               | ४२. विश्वव्यापी रुपमा फैलिएको कोभिड-१९ को महामारीबाट अर्थतन्त्रका विभिन्न क्षेत्रमा परेको प्रभाव र त्यसबाट वित्तीय क्षेत्रमा पर्नसक्ने असर तथा उद्योग व्यवसायको पुनरुत्थानमा लाग्नसक्ने समय आदिको अध्ययनका आधारमा प्रभावित क्षेत्रहरूलाई निम्नबमोजिम वर्गीकरण गरिएको छ :<br>(अ) अति प्रभावित क्षेत्र<br>१. पर्यटन<br>(क) ट्रेकिङ्ग, ट्राभल एजेन्सी, पर्वतारोहण, ज्याफ्टिङ्ग, क्याम्पिङ्ग, टुर अपरेटर, हिलिङ्ग सेन्टर, क्यासिनो, मसाज स्पा आदि,<br>(ख) होटल, पर्यटक आवास, मोटेल, ग्रामीण पर्यटन, होम स्टे, रिसोर्ट, तथा रेष्टुराँ, पर्यावरणीय पर्यटन, बन्त्यजन्तु आरक्ष,<br>(ग) साहसिक पर्यटन : स्किङ्ग, ग्लाइडिङ्ग, वाटर ज्याफ्टिङ्ग, हट एयर ब्यालुनिङ्ग, क्यानोइड, प्यारासेलिङ्ग, घोडचढी, हात्तीचढी, बन्जी जम्पिङ्ग, हिमाल आरोहण र अवलोकन लगायत,<br>(घ) गल्फ कोर्स, पोली, पोनी ट्रेकिङ्ग, पदयात्रा, माउन्टेन फ्लाइट सञ्चालन, केवलकार<br>२. हवाई तथा पर्यटकीय यातायात;<br>३. मनोरञ्जन, मनोरञ्जन पार्क, रिक्तिएसन सम्बन्धी व्यवसाय, पार्टी प्यालेस; | ४२. विश्वव्यापी रुपमा फैलिएको कोभिड-१९ को महामारीबाट अर्थतन्त्रका विभिन्न क्षेत्रमा परेको प्रभाव र त्यसबाट वित्तीय क्षेत्रमा पर्नसक्ने असर तथा उद्योग व्यवसायको पुनरुत्थानमा लाग्नसक्ने समय आदिको अध्ययनका आधारमा प्रभावित क्षेत्रहरूलाई निम्नबमोजिम वर्गीकरण गरिएको छ :<br>(अ) अति प्रभावित क्षेत्र<br>१. पर्यटन<br>(क) ट्रेकिङ्ग, ट्राभल एजेन्सी, पर्वतारोहण, ज्याफ्टिङ्ग, क्याम्पिङ्ग, टुर अपरेटर, हिलिङ्ग सेन्टर, क्यासिनो, मसाज स्पा आदि,<br>(ख) होटल, पर्यटक आवास, मोटेल, ग्रामीण पर्यटन, होम स्टे, रिसोर्ट, तथा रेष्टुराँ, पर्यावरणीय पर्यटन, बन्त्यजन्तु आरक्ष,<br>(ग) साहसिक पर्यटन : स्किङ्ग, ग्लाइडिङ्ग, वाटर ज्याफ्टिङ्ग, हट एयर ब्यालुनिङ्ग, क्यानोइड, प्यारासेलिङ्ग, घोडचढी, हात्तीचढी, बन्जी जम्पिङ्ग, हिमाल आरोहण र अवलोकन लगायत,<br>(घ) गल्फ कोर्स, पोली, पोनी ट्रेकिङ्ग, पदयात्रा, माउन्टेन फ्लाइट सञ्चालन, केवलकार<br>२. हवाई तथा पर्यटकीय यातायात;<br>३. मनोरञ्जन, मनोरञ्जन पार्क, रिक्तिएसन सम्बन्धी व्यवसाय, पार्टी प्यालेस;<br>४. चलचित्र उत्पादन, वितरण, सिनेमा हल ; |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१३

|   |   |
|---|---|
| <p>४. चलचित्र उत्पादन, वितरण, सिनेमा हल ;<br/>                     ५. रोजगारी गुमेका वा विथया मा परेका श्रमिक, कामदार वा कर्मचारी (स्वदेशमा वा विदेशमा) ;<br/>                     ६. मूलभूत रुपमा सडेर गलेर जाने वस्तु (एभचष्कजबदभि नययमक) जस्तै: तरकारी, फलफूल, पुष्प, माछा मासु, दाना, दुध तथा दुधजन्य उत्पादन, अण्डा आदि उत्पादन तथा विक्री वितरण;<br/>                     ७. कुखुरापालन व्यवसाय ;<br/>                     ८. पशुपन्छी, मौरी तथा मत्स्यपालन व्यवसाय;<br/>                     ९. तयारी पोशाक, हस्तकला तथा सीपमुलक व्यवसाय ;<br/>                     १०. वैदेशिक रोजगार सेवा प्रदायक, शैक्षिक परामर्श सेवा प्रदायक ;<br/>                     (आ) मध्यम प्रभावित क्षेत्र<br/>                     १. खप्ने सामान जस्तै प्लास्टिक, फलाम/स्टील, टायर, छाला, धातुका उत्पादन, घरायसी उपकरण आदि उत्पादन तथा विक्री वितरण सँग सम्बन्धित उद्योग व्यवसाय ;<br/>                     २. नीजि तथा आवासीय विद्यालय, उच्च शिक्षालय तथा माध्यमिक विद्यालय, कलेज तथा विश्व विद्यालय, प्राविधिक शिक्षालय, प्रि-स्कूल, चाइल्ड केयर ;<br/>                     ३. यात्रुवाहक स्थल यातायात ;<br/>                     ४. ब्युटी पार्लर, सैलुन, कस्मेटिक सर्जरी लगायतका सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाका क्रियाकलाप ;<br/>                     ५. कानूनी, लेखा, इन्जिनियरिंग लगायतका परामर्श सेवा वा व्यवसाय ;<br/>                     ६. अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिगहोम, डायग्नोस्टिक सेन्टर ;<br/>                     ७. हेल्थ सेन्टर वा फिटनेस सेन्टर ;<br/>                     ८. भण्डारण गर्न सकिने वस्तु (खाद्यान्न बाहेक) उत्पादन, प्रशोधन तथा विक्री वितरण ;<br/>                     ९. वन तथा खनिजजन्य उद्योग ;<br/>                     १०. निर्माण व्यवसाय;<br/>                     ११. औषधि उत्पादन ;<br/>                     १२. छपाइ, प्रकाशन तथा संचार गृह ;<br/>                     १३. निर्माणाधीन जलविद्युत तथा नवीकरणीय उर्जा ;<br/>                     १४. पत्थर, माटो तथा सिसाका उत्पादन सम्बन्धी व्यवसाय ;<br/>                     (इ) न्यून प्रभावित क्षेत्र<br/>                     १. उत्पादनमा रही राष्ट्रिय प्रसारणमा जोडिएका जलविद्युत आयोजना ;<br/>                     २. अनलाईन (इकमर्स) मा संलग्न व्यवसाय ;<br/>                     ३. खाद्यान्न उत्पादन, प्रशोधन, भण्डारण तथा विक्री वितरण, पेय पदार्थ प्रशोधन तथा विक्री वितरण गर्ने उद्योग व्यवसाय ;<br/>                     ४. दैनिक उपभोग्य अत्यावश्यक वस्तुको विक्री वितरण ;<br/>                     ५. आयात जन्य व्यापार ;<br/>                     ६. पेट्रोल पम्प, ग्यास तथा पानी सम्बन्धित व्यवसाय ;</p> | <p>५. रोजगारी गुमेका वा विथया मा परेका श्रमिक, कामदार वा कर्मचारी (स्वदेशमा वा विदेशमा) ;<br/>                     ६. मूलभूत रुपमा सडेर गलेर जाने वस्तु (Perishable goods) जस्तै: तरकारी, फलफूल, पुष्प, माछा मासु, दाना, दुध तथा दुधजन्य उत्पादन, अण्डा आदि उत्पादन तथा विक्री वितरण;<br/>                     ७. कुखुरापालन व्यवसाय ;<br/>                     ८. पशुपन्छी, मौरी तथा मत्स्यपालन व्यवसाय;<br/>                     ९. तयारी पोशाक, हस्तकला तथा सीपमुलक व्यवसाय ;<br/>                     १०. वैदेशिक रोजगार सेवा प्रदायक, शैक्षिक परामर्श सेवा प्रदायक ;<br/>                     ११. नीजि तथा आवासीय विद्यालय, उच्च शिक्षालय तथा माध्यमिक विद्यालय, कलेज तथा विश्व विद्यालय, प्राविधिक शिक्षालय, प्रि-स्कूल, चाइल्ड केयर ;<br/>                     १२. यात्रुवाहक स्थल यातायात ;<br/>                     १३. ब्युटी पार्लर, सैलुन, कस्मेटिक सर्जरी लगायतका सामाजिक तथा व्यक्तिगत सेवाका क्रियाकलाप ;<br/>                     १४. कानूनी, लेखा, इन्जिनियरिंग लगायतका परामर्श सेवा वा व्यवसाय ;<br/>                     १५. हेल्थ सेन्टर वा फिटनेस सेन्टर ;<br/>                     (आ) मध्यम प्रभावित क्षेत्र<br/>                     १. खप्ने सामान जस्तै प्लास्टिक, फलाम/स्टील, टायर, छाला, धातुका उत्पादन, घरायसी उपकरण आदि उत्पादन तथा विक्री वितरण सँग सम्बन्धित उद्योग व्यवसाय ;<br/>                     २. अस्पताल, क्लिनिक, नर्सिगहोम, डायग्नोस्टिक सेन्टर ;<br/>                     ३. भण्डारण गर्न सकिने वस्तु (खाद्यान्न बाहेक) उत्पादन, प्रशोधन तथा विक्री वितरण ;<br/>                     ४. वन तथा खनिजजन्य उद्योग ;<br/>                     ५. निर्माण व्यवसाय;<br/>                     ६. औषधि उत्पादन ;<br/>                     ७. छपाइ, प्रकाशन तथा संचार गृह ;<br/>                     ८. निर्माणाधीन जलविद्युत तथा नवीकरणीय उर्जा ;<br/>                     ९. ढुंगा, माटो तथा सिसाका उत्पादन सम्बन्धी व्यवसाय ;<br/>                     (इ) न्यून प्रभावित क्षेत्र<br/>                     १. उत्पादनमा रही राष्ट्रिय प्रसारणमा जोडिएका जलविद्युत आयोजना ;<br/>                     २. अनलाईन (इकमर्स) मा संलग्न व्यवसाय ;<br/>                     ३. खाद्यान्न उत्पादन, प्रशोधन, भण्डारण तथा विक्री वितरण, पेय पदार्थ प्रशोधन तथा विक्री वितरण गर्ने उद्योग व्यवसाय ;<br/>                     ४. दैनिक उपभोग्य अत्यावश्यक वस्तुको विक्री वितरण ;<br/>                     ५. आयात जन्य व्यापार ;</p> |
|---|---|

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१४

|     |   |   |
|-----|---|---|
|     | <p>७. औषधि विक्री वितरण ;<br/>             ८. विज्ञापन सेवा ;<br/>             ९. इन्टरनेट, दुरसंचार सेवा प्रदायक कम्पनी ;<br/>             १०. मदिरा तथा सूतिजन्य उद्योग व्यापार, व्यवसाय ;<br/>             ११. ट्रक, ढुवानी व्यवसाय<br/>             १२. सुन, चाँदीका गहना तथा बहुमुल्य पत्थर सम्बन्धी व्यवसाय</p> <p>(ई) उपबुँदा (अ), (आ) र (इ) मा उल्लेख नभएका क्षेत्रका उद्योग, व्यवसायको हकमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले वित्तीय अवस्था तथा नगद प्रवाहको विस्तृत विश्लेषण गरी उद्योग, व्यवसायलाई कोभिड-१९ को कारण परेको असर, पुनः सञ्चालनमा आई पूर्ववत् अवस्थामा फर्कन लाग्ने समय तथा सोको लागि चाल्नु पर्ने कदम समेतको अध्ययन गरी स्पष्ट आधार सहित तीन मध्ये कुनै एक वर्गमा वर्गीकरण गर्न सक्नेछन् ।</p> | <p>६. पेट्रोल पम्प, ग्यास तथा पानी सम्बन्धित व्यवसाय ;<br/>             ७. औषधि विक्री वितरण ;<br/>             ८. विज्ञापन सेवा ;<br/>             ९. इन्टरनेट, दुरसंचार सेवा प्रदायक कम्पनी ;<br/>             १०. मदिरा तथा सूतिजन्य उद्योग व्यापार, व्यवसाय ;<br/>             ११. ट्रक, ढुवानी व्यवसाय<br/>             १२. सुन, चाँदीका गहना तथा बहुमुल्य पत्थर सम्बन्धी व्यवसाय,</p> <p>(ई) उपबुँदा (अ), (आ) र (इ) मा उल्लेख नभएका क्षेत्रका उद्योग, व्यवसायको हकमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले वित्तीय अवस्था तथा नगद प्रवाहको विस्तृत विश्लेषण गरी उद्योग, व्यवसायलाई कोभिड-१९ को कारण परेको असर, पुनः सञ्चालनमा आई पूर्ववत् अवस्थामा फर्कन लाग्ने समय तथा सोको लागि चाल्नु पर्ने कदम समेतको अध्ययन गरी स्पष्ट आधार सहित तीन मध्ये कुनै एक वर्गमा वर्गीकरण गर्न सक्नेछन् ।</p> |
| ४५. | <p>इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. ४५ मा संशोधन ।</p> <p>(४५) कर्जा सापटको वर्गीकरण विवरण पठाउने सम्बन्धमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले आर्थिक वर्षको असोज, पुस, चैत र असार मसान्तमा कर्जा वर्गीकरण गरी संलग्न निर्देशन फा.नं. २.१, २.२ र २.३ अनुसारका विवरणहरू त्रयमास समाप्त भएको १५ दिनभित्र यस बैंकमा पठाउनु पर्नेछ ।</p>   | <p>(४५)कर्जा सापटको वर्गीकरण विवरण पठाउने सम्बन्धमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले आर्थिक वर्षको असोज, पुस, चैत र असार मसान्तमा कर्जा वर्गीकरण गरी संलग्न निर्देशन फा.नं. २.१, २.२ र २.३ अनुसारका विवरणहरू त्रयमास समाप्त भएको ७ दिनभित्र यस बैंकमा पठाउनु पर्नेछ ।</p>  |
| ४६. | <p>“सहूलियतपूर्ण कर्जाका लागि व्याज अनुदान सम्बन्धी एकीकृत कार्यविधि, २०७५” बमोजिम प्रदान गरेको कर्जाको बैंक तथा वित्तीय संस्थाले पेश गर्ने त्रैमासिक विवरणको ढाँचाको नोटमा संशोधन ।</p> <p>नोट: यस्तो विवरण त्रयमास समाप्त भएको १५ दिन भित्र यस बैंकमा पेश गर्नुपर्नेछ ।</p>   | <p>नोट: यस्तो विवरण त्रयमास समाप्त भएको ७ दिन भित्र यस बैंकमा पेश गर्नुपर्नेछ ।</p>   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१५

इ.प्रा.निर्देशन नं. ३/०७७

|  |   |  |
|--|---|--|
| <p>४७. इ.प्रा. निर्देशन नं. ३/०७७ को बुँदा नं. १ को दोस्रो हरफ मा संशोधन ।</p>           | <p>देशको उत्पादन, रोजगारी लगायतका पक्षलाई दृष्टिगत गरी निर्यात क्षेत्र, साना तथा मझौला उद्योग, औषधी उत्पादन उद्योग, कृषि क्षेत्र, पर्यटन उद्योग, सिमेन्ट उद्योग, फलाम उद्योग तथा अन्य उत्पादनमूलक उद्योगहरूमा प्रवाह हुने कर्जाको एकल ग्राहक कर्जा सीमा अधिकतम ३० प्रतिशत कायम गरिएको छ । यसरी कर्जा सापट तथा सुविधाको सीमा स्वीकृत गर्दा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको लागि आन्तरिक लेखापरीक्षकले प्रमाणित गरेको ठीक अधिल्लो त्रयमासको वासलातमा देखिने प्राथमिक पुँजीको आधारमा प्रतिग्राहक कर्जा सापट तथा सुविधाको सीमा निर्धारण गर्नु पर्नेछ ।</p>                                | <p>देशको उत्पादन, रोजगारी लगायतका पक्षलाई दृष्टिगत गरी निर्यात क्षेत्र, साना तथा मझौला उद्योग, यातायात पुर्वाधार परियोजना, औषधी उत्पादन उद्योग, कृषि क्षेत्र, पर्यटन उद्योग, सिमेन्ट उद्योग, फलाम उद्योग तथा अन्य उत्पादनमूलक उद्योगहरूमा प्रवाह हुने कर्जाको एकल ग्राहक कर्जा सीमा अधिकतम ३० प्रतिशत कायम गरिएको छ । यसरी कर्जा सापट तथा सुविधाको सीमा स्वीकृत गर्दा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको लागि आन्तरिक लेखापरीक्षकले प्रमाणित गरेको ठीक अधिल्लो त्रयमासको वासलातमा देखिने प्राथमिक पुँजीको आधारमा प्रतिग्राहक कर्जा सापट तथा सुविधाको सीमा निर्धारण गर्नु पर्नेछ ।</p>   |
| <p>४८. इ.प्रा. निर्देशन नं. ३/०७७ को बुँदा नं. १० मा संशोधन ।</p>                        | <p>(१०) ठूला ऋणीहरूको कर्जा विवरण पेश गर्नु पर्ने:<br/>यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थामा रहेका ठूला ऋणी (“क” वर्गका लागि रु. ५ करोड तथा “ख” र “ग” वर्गका लागि रु. २ करोड भन्दा बढी कर्जा उपयोग गर्ने) को कर्जा सम्बन्धी विवरण तोकिएको ढाँचामा समष्टिगत रूपमा तयार गरी त्रैमासिक रूपमा त्रयमास समाप्त भएको मितिले १५ दिनभित्र यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टलमा ग्राहकको विवरण, ठूला ऋणीको समूहको विवरण, कोषमा आधारित कर्जा र गैरकोषमा आधारित कर्जा सम्बन्धी विवरण पेश गर्नुपर्नेछ । यस्तो विवरण पेश गर्दा हरेक ग्राहकलाई सम्बन्धित समूहमा नै राख्नु पर्नेछ ।</p> | <p>(१०) ठूला ऋणीहरूको कर्जा विवरण पेश गर्नु पर्ने:<br/>यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थामा रहेका ठूला ऋणी (“क” वर्गका लागि रु. ५ करोड तथा “ख” र “ग” वर्गका लागि रु. २ करोड भन्दा बढी कर्जा उपयोग गर्ने) को कर्जा सम्बन्धी विवरण तोकिएको ढाँचामा समष्टिगत रूपमा तयार गरी त्रैमासिक रूपमा त्रयमास समाप्त भएको मितिले ७ दिनभित्र यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टलमा ग्राहकको विवरण, ठूला ऋणीको समूहको विवरण, कोषमा आधारित कर्जा र गैरकोषमा आधारित कर्जा सम्बन्धी विवरण पेश गर्नुपर्नेछ । यस्तो विवरण पेश गर्दा हरेक ग्राहकलाई सम्बन्धित समूहमा नै राख्नु पर्नेछ ।</p> |
| <p>४९. इ.प्रा. निर्देशन नं. ३/०७७ को बुँदा नं. ११ को उप बुँदा ३ मा संशोधन ।</p>          | <p>(३) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्था (कुनै एक आर्थिक क्षेत्रमा मात्र कर्जा प्रवाह गर्न स्वीकृत पाएका वित्तीय संस्था बाहेक) ले कुनै एक क्षेत्रमा आफ्नो कुल बाँकी कर्जा सापटको बढीमा ४० प्रतिशतसम्म कर्जा प्रवाह गर्न पाइने व्यवस्था गरिएको छ । यसपूर्व ४० प्रतिशतभन्दा कम सीमा तोकिएका क्षेत्रहरूमा भने सोही बमोजिम हुनेछ ।</p>   | <p>(३) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्था (कुनै एक आर्थिक क्षेत्रमा मात्र कर्जा प्रवाह गर्न स्वीकृत पाएका वित्तीय संस्था बाहेक) ले कुनै एक क्षेत्रमा आफ्नो कुल बाँकी कर्जा सापटको बढीमा ४० प्रतिशतसम्म कर्जा प्रवाह गर्न पाइने व्यवस्था गरिएको छ । यसपूर्व ४० प्रतिशतभन्दा कम सीमा तोकिएका क्षेत्रहरूमा भने सोही बमोजिम हुनेछ । यस्तो क्षेत्रगत कर्जा सीमा नाघेमा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले प्राथमिक पुँजीबाट घटाउनु पर्नेछ ।</p>  |
| <p>५०. इ.प्रा. निर्देशन नं. ३/०७७ को बुँदा नं.११ को उप बुँदा ४ को खण्ड ख मा संशोधन ।</p> | <p>(ख) पहिलो पटक घर खरिद गर्ने व्यक्ति (First Home Buyer) लाई देहायको शर्तहरूको अधीनमा रही प्रदान गरिने रु. १ करोड ५० लाखसम्मको आवासीय घर कर्जामा loan to value ratio बढीमा ७० प्रतिशतसम्म कायम गर्न सकिनेछ ।</p>   | <p>(ख) पहिलो पटक घर खरिद वा निर्माण गर्ने व्यक्ति (First Home Buyer) लाई देहायको शर्तहरूको अधीनमा रही प्रदान गरिने रु. १ करोड ५० लाखसम्मको आवासीय घर कर्जामा loan to value ratio बढीमा ७० प्रतिशतसम्म कायम गर्न सकिनेछ ।</p>   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१६

इ.प्रा.निर्देशन नं. ४/०७७

|     |   |  |  |
|-----|---|--|--|
| ५१. | इ.प्रा. निर्देशन नं. ४/०७७ को बुँदा नं.१ को उप बुँदा ड को खण्ड ४ मा संशोधन ।        | (४) अन्तरिम वित्तीय प्रतिवेदन प्रकाशित गर्दा उक्त अवधिको कर्मचारी बोनस, कर्मचारीसँग सम्बन्धित खर्चहरू तथा आयकर लगायतका सम्पूर्ण खर्चहरू एवम् नियमनकारी समायोजन समेतलाई समावेशगरेर मात्र प्रकाशित गर्नु पर्नेछ ।  | (४) अन्तरिम वित्तीय प्रतिवेदन प्रकाशित गर्दा उक्त अवधिको कर्मचारी बोनस, कर्मचारीसँग सम्बन्धित खर्चहरू तथा आयकर लगायतका सम्पूर्ण खर्चहरू एवम् नियमनकारी समायोजन समेतलाई समावेश गरेर मात्र प्रकाशित गर्नु पर्नेछ । साथै, प्रति शेयर आम्दानी (Earning Per Share) गणना गर्दा Annualized EPS प्रकाशन गर्नुपर्नेछ ।  |
| ५२. | इ.प्रा. निर्देशन नं. ४/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा ड थप गरिएको ।                 | नभएको ।  | (ड) Statement of Other Comprehensive Income मा लेखांकन भएको आयलाई वितरण गर्दा वितरण हुने रकमको २० प्रतिशत General Reserve मा जम्मा गरी बाँकी ८० प्रतिशत रकम मात्र वितरण गर्नुपर्नेछ ।  |
| ५३. | इ.प्रा. निर्देशन नं. ४ को वित्तीय विवरणको ढाँचा अन्तरगत को ढाँचा नं. ४.२७ मा संशोधन |  | संलग्न तालिका बमोजिम   |
| ५४. | SODPL Format  | Statement of distributable profit or loss For the year ended .....Asar 20.....<br>(As per NRB Regulation)<br>Net profit or (loss) as per statement of profit or loss Appropriations:<br>a. General reserve<br>b. Foreign exchange fluctuation fund<br>.....(Table) | Statement of distributable profit or loss For the year ended .....Asar 20.....<br>(As per NRB Regulation)<br><b>Opening Retained Earning....</b><br>Add:<br>Net profit or (loss) as per statement of profit or loss Appropriations:<br>a. General reserve<br>b. Foreign exchange fluctuation fund<br>.....(Table)<br><b>Total Distributable Profit as on year end date</b> |
| ५५. | Addition in Notes to interim financial statements                                   | नभएको  | संलग्न तालिका बमोजिम   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१७

इ.प्रा.निर्देशन नं. ५/०७७

|     |   |  |   |
|-----|---|--|---|
| ५६. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ५/०७७ को ५ को ग मा संशोधन ।       | (ग) सूचना प्रविधिबाट हुन सक्ने सञ्चालन जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्ने व्यवस्थालाई बढी प्रभावकारी बनाई सोको निरीक्षण तथा सुपरिवेक्षणलाई व्यवस्थित गर्न सूचना प्रविधि सम्बन्धी मार्गदर्शन (Information Technology Guidelines) जारी गरिएको छ । सो मार्गदर्शन बमोजिम वार्षिकरूपमा सूचना प्रणालीको लेखापरीक्षण गर्नुपर्ने व्यवस्था भएबमोजिम नियमित रूपमा त्यस्तो लेखापरीक्षण गराउनु पर्नेछ, र सोको प्रतिवेदन यस बैंकको सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ । | (ग) सूचना प्रविधिबाट हुन सक्ने सञ्चालन जोखिमलाई न्यूनीकरण गर्ने व्यवस्थालाई बढी प्रभावकारी बनाई सोको निरीक्षण तथा सुपरिवेक्षणलाई व्यवस्थित गर्न सूचना प्रविधि सम्बन्धी मार्गदर्शन (Information Technology Guidelines)जारी गरिएको छ । सो मार्गदर्शन बमोजिम सूचना प्रणालीको लेखापरीक्षण गराउनु पर्नेछ र सोको प्रतिवेदन यस बैंकको सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ ।   |
| ५७. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ५/०७७ को बुँदा नं. १० मा संशोधन । | १०. अन्य जोखिम व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धी व्यवस्था<br>माथि उल्लेख गरिए बाहेकका अन्य जोखिम जस्तै Reputation Risk, रणनीतिक जोखिम (Strategic Risk), सम्पति शुद्धीकरण/आतंककारी क्रियाकलापमा वित्तीय लगानी सम्बन्धी जोखिम (AML/CFT Risk) जस्ता जोखिमहरूको समेत पहिचान गर्नु पर्नेछ । संस्थाले यस्ता सबै किसिमका जोखिमहरूको व्यवस्थापन गर्न पर्याप्त नीति, कार्यविधि तर्जुमा गर्नु पर्नेछ ।   | १०. अन्य जोखिम व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धी व्यवस्था<br>माथि उल्लेख गरिए बाहेकका अन्य जोखिम जस्तै Reputation Risk, रणनीतिक जोखिम (Strategic Risk), सम्पति शुद्धीकरण/आतंककारी क्रियाकलापमा वित्तीय लगानी सम्बन्धी जोखिम (AML/CFT Risk), <b>Legal Risk, वातावरण, सामाजिक तथा मौसम परिवर्तन जोखिम (Environment, Social and Climate change Risk)</b> जस्ता जोखिमहरूको समेत पहिचान गर्नु पर्नेछ । संस्थाले यस्ता सबै किसिमका जोखिमहरूको व्यवस्थापन गर्न पर्याप्त नीति, कार्यविधि तर्जुमा गर्नु पर्नेछ । |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१८

इ.प्रा.निर्देशन नं. ६/०७७

|     |  |  |  |
|-----|--|--|--|
| ५८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं १ मा बुँदा नं. १९ थप गरिएको । | नभएको  | <p>(१९) सभामा भाग लिन र मतदान गर्न पाउने अवस्था</p> <p>(क) आफु र यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाको बीचमा भएको वा हुने कुनै शर्त बन्देजको सम्बन्धमा हुने छलफलमा कुनै व्यक्तिले शेयरधनीको हैसियतबाट आफै वा आफ्नो प्रतिनिधिद्वारा साधारण सभामा भाग लिन र मतदान गर्न पाउने छैन ।</p> <p>(ख) आफूले गरेको वा गर्न छुटाएको वा गलत ढङ्गले गरेको कामको जवाफदेही वा आफ्नो स्वार्थ निहित रहेको कुनै पनि विषयका सम्बन्धमा साधारण सभामा हुने छलफलमा सञ्चालक वा निजको हिस्सेदार वा प्रतिनिधिले मतदान गर्न पाउनेछैन ।</p> <p>(ग) कुनै शेयर धनीले सम्बन्धित संस्थाको सञ्चालकलाई प्रतिनिधि नियुक्त गरेको अवस्थामा त्यस्तो सञ्चालकले आफ्नो निजी स्वार्थ वा सरोकार भएको विषयमा वा आफुलाई नियुक्त गर्ने विषयमा कसैको प्रतिनिधिको हैसियतले साधारण सभामा मतदान गर्न पाउने छैन ।</p> <p>(घ) यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थामा आफुले लिएको शेयर धितो वा बन्धक राखी ऋण लिने शेयरधनीले त्यस्तो ऋण भुक्तान नगरेको कारणबाट निजउपर कानूनी कारवाही चलाई शेयर बापत मतदान गर्नबाट रोक लगाउन सम्बन्धित बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट लेखिई आएमा सम्बन्धित बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट त्यस्तो शेयरधनीलाई निजले लिएको शेयर बापत ऋण चुक्ता नभएको अवधिभर मतदान गर्नबाट रोक लगाउनु पर्नेछ ।</p> <p>(ङ) नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन २०५८ को दफा १०० को उपदफा २ को खण्ड ख,ग,घ तथा ड बमोजिमको कारवाहीमा परेका सञ्चालक/शेयरधनी वा निजको प्रतिनिधिले कारवाही भएको मितिले एक वर्ष मतदान गर्न पाउनेछैन ।</p> |
| ५९. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं.५ को उपबुँदा १२ मा संशोधन ।    | (१२) आचरण सम्बन्धी व्यवस्था पालना भए/नभएको जानकारी दिनु पर्ने<br>कर्मचारीले यस निर्देशनमा तोकिएका आचरण अनिवार्य रूपमा पालना गरे नगरेको विवरण आर्थिक वर्ष समाप्त भएको १५ दिनभित्र अनिवार्य रूपमा यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पठाउनु पर्नेछ । कुनै कर्मचारीले उक्त आचरण पालना नगरेमा सो सम्बन्धी विवरण र निजमाथि गरिएको कारवाही बारेको जानकारी यस बैंकका उपर्युक्त विभागमा तुरुन्त पठाउनु पर्नेछ । | (१२) आचरण सम्बन्धी व्यवस्था पालना नभएको जानकारी दिनु पर्ने<br>कुनै कर्मचारीले यस निर्देशनमा तोकिएका आचरण पालना नगरेमा सो सम्बन्धी विवरण र निज माथि गरिएको कारवाही बारेको जानकारी यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा तुरुन्त पठाउनु पर्नेछ ।   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



१९

|   |  |  |
|---|--|--|
| <p>६०. इ.प्रा.निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं. ७ को उप बुँदा १ को खण्ड क मा संशोधन ।</p> | <p>(क) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आफ्नो काम कारवाहीलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्न सञ्चालकको संयोजकत्वमा देहायका समिति वा उप-समिति मात्र गठन गर्नसक्नेछ ।</p>   | <p>(क) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आफ्नो काम कारवाहीलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गर्न सञ्चालकको संयोजकत्वमा देहायका समिति वा उप-समिति मात्र गठन गर्नु पर्नेछ ।</p>   |
| <p>६१. इ.प्रा.निर्देशन नं. ६/०७७ को १४ मा संशोधन ।</p>                                  | <p>(१) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका सञ्चालक, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत वा उच्च व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीले शिक्षा कर्जा, हायर पर्चेज कर्जा, घर कर्जा वा घरायसी प्रयोजनका सामग्री कर्जा बाहेक निजहरूको व्यक्तिगत नाममा अन्य कुनै किसिमका कर्जा लिन पाउने छैनन् ।<br/>तर सरकारी ऋणपत्र, मुद्दती रसिद, सुनचाँदीको धितोमा वा Credit Card कर्जा लिन यस व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।<br/>स्पष्टीकरण: उच्च व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी भन्नाले इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको प्रमुख कार्यकारी अधिकृत भन्दा दुई तह मुनिसम्मको पद धारण गरेको पदाधिकारीलाई जनाउँनेछ ।<br/>(२) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले कुनै पनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका कार्यकारी प्रमुख वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीको बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐनले परिभाषा गरे बमोजिम वित्तीय स्वार्थ रहेको फर्म, कम्पनी वा संस्थामा कुनै पनि किसिमको कर्जा प्रवाह गर्न सक्ने छैनन् । यो निर्देशन जारी हुनुपूर्व प्रवाह भईसकेको कर्जाको हकमा भुक्तानी अवधि समाप्त भई सकेपछि नवीकरण गर्न पाइने छैन ।</p> | <p>(१) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका सञ्चालक, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत वा उच्च व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीले शिक्षा कर्जा, हायर पर्चेज कर्जा, घर कर्जा वा घरायसी प्रयोजनका सामग्री कर्जा बाहेक निजहरूको व्यक्तिगत नाममा अन्य कुनै किसिमका कर्जा लिन पाउने छैनन् ।<br/>तर सरकारी ऋणपत्र, मुद्दती रसिद, सुनचाँदीको धितोमा वा Credit Card कर्जा लिन यस व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।<br/>स्पष्टीकरण: उच्च व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी भन्नाले इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको प्रमुख कार्यकारी अधिकृत भन्दा दुई तह मुनिसम्मको पद धारण गरेको पदाधिकारीलाई जनाउँनेछ ।<br/>(२) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले कुनै पनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाका कार्यकारी प्रमुख वा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारीको बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐनले परिभाषा गरे बमोजिम वित्तीय स्वार्थ रहेको फर्म, कम्पनी वा संस्थामा कुनै पनि किसिमको कर्जा प्रवाह गर्न सक्ने छैनन् ।<br/>(३) सञ्चालक, कार्यकारी प्रमुख तथा व्यवस्थापन तहको पदाधिकारी हुनुपूर्व लिएको कर्जाको हकमा भुक्तानी अवधि वा एक वर्ष मध्ये जुन पहिले हुन्छ सो अवधि भित्र नियमित गरिसक्नुपर्नेछ ।</p> |
| <p>६२. इ.प्रा. निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं. १६ को उप बुँदा ज मा संशोधन ।</p>         | <p>(ज) बैंक तथा वित्तीय संस्थाको २०७७ असार मसान्तमा संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कोषमा बाँकी रहेको सम्पूर्ण रकम २०७७ साउन मसान्तभित्र नेपाल सरकारले स्थापना गरेको कोरोना संक्रमण रोकथाम, नियन्त्रण र उपचार कोषमा जम्मा गर्नु पर्नेछ ।</p>   | <p>हटाइएको ।</p>   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२०

|     |  |  |  |
|-----|--|--|--|
| ६३. | इ.प्रा. निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं. १९ को उप बुँदा ३ मा संशोधन । | ३. यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा कार्यरत प्रमुख कार्यकारी अधिकृत प्रचलित व्यवस्थाको अधीनमा रही पुनर्नियुक्ति पाएको अवस्थामा बाहेक जुनसुकै कारणले आफ्नो सेवाबाट निवृत्त भएपछि कम्तीमा ६ महिनाको अवधि व्यतित नभई कुनैपनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा प्रमुख कार्यकारी अधिकृत हुन पाउने छैन । साथै, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत जुनसुकै कारणबाट हटेमा त्यस्तो व्यक्ति पुनः सोही कार्यकाल वा ६ महिनामध्ये जुन बढी हुन्छ सो अवधि व्यतित नभई सोही संस्थामा संचालक लगायत अन्य कुनै पनि हैसियतमा कार्य गर्न पाउने छैन । त्यसैगरी इजाजतपत्रप्राप्त “क” वर्गका वाणिज्य बैंकमा कार्यरत दोस्रो वरियताको पदाधिकारी सेवाबाट हटेपछि ६ महिनाको अवधि व्यतित नभई इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको समान प्रकृतिको पदमा नियुक्ति हुन पाउने छैन । | ३. यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा कार्यरत प्रमुख कार्यकारी अधिकृत प्रचलित व्यवस्थाको अधीनमा रही पुनर्नियुक्ति पाएको अवस्थामा बाहेक जुनसुकै कारणले आफ्नो सेवाबाट निवृत्त भएपछि कम्तीमा ६ महिनाको अवधि व्यतित नभई कुनैपनि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा प्रमुख कार्यकारी अधिकृत <b>लगायत कुनै पनि हैसियतमा काम गर्न</b> पाउने छैन । साथै, प्रमुख कार्यकारी अधिकृत जुनसुकै कारणबाट हटेमा त्यस्तो व्यक्ति पुनः सोही कार्यकाल वा ६ महिनामध्ये जुन बढी हुन्छ सो अवधि व्यतित नभई सोही संस्थामा संचालक लगायत अन्य कुनै पनि हैसियतमा कार्य गर्न पाउने छैन । त्यसैगरी इजाजतपत्रप्राप्त “क” वर्गका वाणिज्य बैंकमा कार्यरत दोस्रो वरियताको पदाधिकारी सेवाबाट हटेपछि ६ महिनाको अवधि व्यतित नभई इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको समान प्रकृतिको पदमा नियुक्ति हुन पाउने छैन । |
|-----|--|--|--|

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२१

इ.प्रा.निर्देशन नं. ८/०७७

| ६४.     | इ.प्रा. निर्देशन नं. ८/०७७ को बुँदा नं. ४ मा संशोधन ।                     | (४) सहायक कम्पनी सम्बन्धी व्यवस्था<br>यस निर्देशनको अधीनमा रही आफ्नो सहायक कम्पनीको रुपमा “घ” वर्गको लघुवित्त वित्तीय संस्था तथा मर्चेन्ट बैंकिङ्ग सम्बन्धी कार्य गर्ने कम्पनीमा लगानीगर्न सकिनेछ । सहायक कम्पनीमा लगानी सम्बन्धी देहायबमोजिमको नीतिगत व्यवस्था गरिएको छ ।   | (४) सहायक कम्पनी सम्बन्धी व्यवस्था<br>यस निर्देशनको अधीनमा रही इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले देहाय बमोजिम आफ्नो सहायक कम्पनीको रुपमा लगानी गर्न सक्नेछन् : |                   |                       |                       |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
|---------|---|--|---|-------------------|-----------------------|-----------------------|-------------|--------|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|-----|--|--|--|--|--|--|---------|--------------|-------------|-----------|-------------------|-----------------------|---------------------|-------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----|--|--|--|--|--|--|
| ६५.     | इ.प्रा. निर्देशन नं. ८/०७७ को ने.रा. बैंक निर्देशन फा.नं. ८.२ मा संशोधन । | ने.रा. बैंक निर्देशन फा.नं. ८.२ कम्पनीको सेयरपूँजीमा भएको लगानी विवरण (मासिक)<br>२० .....साल .....महिना<br>(रु.हजारमा)<br><table border="1" data-bbox="331 641 1142 828"> <thead> <tr> <th>क्र.सं.</th> <th>कम्पनीको नाम</th> <th>शेयर संख्या</th> <th>परल मूल्य</th> <th>फेयर मूल्य</th> <th>भ्यालू</th> <th>नियमनकारी समायोजन रकम</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td></td> <td>कुल</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table> मिति<br>अधिकृत दस्तखत | क्र.सं.   | कम्पनीको नाम      | शेयर संख्या           | परल मूल्य             | फेयर मूल्य  | भ्यालू | नियमनकारी समायोजन रकम |  |  |  |  |  |  |  |  | कुल |  |  |  |  |  | ने.रा. बैंक निर्देशन फा.नं. ८.२ कम्पनीको सेयरपूँजी तथा सामुहिक लगानी कोषमा भएको लगानी विवरण (मासिक)<br>२० .....साल .....महिना<br>(रु.हजारमा)<br><table border="1" data-bbox="1167 592 1995 795"> <thead> <tr> <th>क्र.सं.</th> <th>कम्पनीको नाम</th> <th>शेयर संख्या</th> <th>परल मूल्य</th> <th>फेयर भ्यालू मूल्य</th> <th>नियमनकारी समायोजन रकम</th> <th>सामुहिक कोषमा लगानी</th> <th>लगानी गरेको</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td></td> <td>कुल</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table> मिति<br>अधिकृत दस्तखत | क्र.सं. | कम्पनीको नाम | शेयर संख्या | परल मूल्य | फेयर भ्यालू मूल्य | नियमनकारी समायोजन रकम | सामुहिक कोषमा लगानी | लगानी गरेको |  |  |  |  |  |  |  |  |  | कुल |  |  |  |  |  |  |
| क्र.सं. | कम्पनीको नाम  | शेयर संख्या  | परल मूल्य   | फेयर मूल्य        | भ्यालू                | नियमनकारी समायोजन रकम |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
|         |   |  |   |                   |                       |                       |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
|         | कुल   |  |   |                   |                       |                       |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
| क्र.सं. | कम्पनीको नाम  | शेयर संख्या  | परल मूल्य   | फेयर भ्यालू मूल्य | नियमनकारी समायोजन रकम | सामुहिक कोषमा लगानी   | लगानी गरेको |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
|         |   |  |   |                   |                       |                       |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |
|         | कुल   |  |   |                   |                       |                       |             |        |                       |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |         |              |             |           |                   |                       |                     |             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |     |  |  |  |  |  |  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२२

इ.प्रा.निर्देशन नं. ९/०७७

|   |   |  |             |  |                                |  |             |                           |
|---|---|--|-------------|--|--------------------------------|--|-------------|---------------------------|
| ६६. इ.प्रा.निर्देशन नं. ९/०७७ को अनुसूची १ मा संशोधन ।                            | ९.१५क   | शाखारहित बैकिङ्ग केन्द्रमा रहेका ग्राहकहरू तथा विद्युतीय कार्डको विवरण               | मासिक       | अर्को महिनाको १५ गते भित्र   | ९.१५क                          | शाखारहित बैकिङ्ग केन्द्रमा रहेका ग्राहकहरू तथा विद्युतीय कार्डको विवरण               | मासिक       | अर्को महिनाको ७ गते भित्र |
|   | ९.१५ख   | E-banking कारोवार सम्बन्धी विवरण   | मासिक       |  | ९.१५ख                          | E-banking कारोवार सम्बन्धी विवरण   | मासिक       |                           |
|   | ९.१६क   | निक्षेप खाता संख्या तथा विद्युतीय कार्डहरूको शाखागत विवरण                            | मासिक       | अर्को महिनाको १५ गते भित्र   | ९.१६क                          | निक्षेप खाता संख्या तथा विद्युतीय कार्डहरूको शाखागत विवरण                            | मासिक       | अर्को महिनाको ७ गते भित्र |
|   | ९.१६ख   | कर्जा र निक्षेप सम्बन्धी शाखागत विवरण  | मासिक       |  | ९.१६ख                          | कर्जा र निक्षेप सम्बन्धी शाखागत विवरण  | मासिक       |                           |
|   | ९.२२  | प्रमुख वित्तीय परिसूचकहरूको विवरण  | मासिक       |  | ९.२२                           | प्रमुख वित्तीय परिसूचकहरूको विवरण  | मासिक       |                           |
|   | ९.११  | ठुला ऋणीहरू र समूह तथा कोषमा आधारित कर्जा र गैह्रकोषमा आधारित सहूलियत सम्बन्धी विवरण | त्रैमासिक   |  | ९.११                           | ठुला ऋणीहरू र समूह तथा कोषमा आधारित कर्जा र गैह्रकोषमा आधारित सहूलियत सम्बन्धी विवरण | त्रैमासिक   |                           |
|   | ९.१४  | त्रैमासिक वित्तीय विवरण  | त्रैमासिक   |  | ९.१४                           | त्रैमासिक वित्तीय विवरण  | त्रैमासिक   |                           |
|   | ९.१९क   | कर्मचारीहरूको विवरण  | अर्धवार्षिक |  | ९.१९क                          | कर्मचारीहरूको विवरण  | अर्धवार्षिक |                           |
|   | ९.१९ख   | संस्थापक सेयरधनीहरूको विवरण  | अर्धवार्षिक |  | ९.१९ख                          | संस्थापक सेयरधनीहरूको विवरण  | अर्धवार्षिक |                           |
|   | ६७. इ.प्रा.निर्देशन नं. ९/०७७ को अनुसूची २ को पाँचौं Column मा संशोधन | पठाउनु पर्ने अवधि: १५ दिन भित्र  |             |  | पठाउनु पर्ने अवधि: ७ दिन भित्र |  |             |                           |
| ६८. इ.प्रा. निर्देशन नं. ९/०७७ को फा.नं. ९.३ को क्र.सं. १४ को १४.५ पछि थप गर्ने । |   |  |             | १४.६ शैक्षिक कर्जा<br>१४.७ व्यक्तिगत आवासिय घर कर्जा (रु.१ करोड ५० लाख सम्म)<br>१४.८ व्यक्तिगत कर्जा (रु.५० लाख सम्म)<br>१४.९ पेशागत कर्जा (व्यक्तिगत) |                                |  |             |                           |
| ६९. इ.प्रा. निर्देशन नं. ९/०७७ को फा.नं. ९.१६ क मा संशोधन ।                       |   |  |             | संलग्न तालिका बमोजिम ।   |                                |  |             |                           |
| ७०. इ.प्रा. निर्देशन नं. ९/०७७ को फा.नं. ९.१९ ख मा संशोधन ।                       |   |  |             | संलग्न तालिका बमोजिम ।   |                                |  |             |                           |
| ७१. इ.प्रा. निर्देशन नं. ९/०७७ को फा.नं.९.२२, मा संशोधन ।                         | नभएको   |  |             | हाल माग गरिने परिसूचक सम्बन्धी विवरणमा Non-Performing Loan शीर्षक थप गर्ने   |                                |  |             |                           |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२३

इ.प्रा.निर्देशन नं. १०/०७७

|     |   |  |   |
|-----|---|--|---|
| ७२. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१०/०७७, को बुँदा नं.२ को उप बुँदा छ मा संशोधन ।                | (छ) बैंक तथा वित्तीय संस्थाका संस्थापक/संस्थापक समूहको सेयर खरिद गर्दा संस्थापक सेयरधनीहरूले तोकिएको ढाँचामा (बैंक/वित्तीय संस्था संस्थापना एवम् वित्तीय कारोबार गर्ने इजाजतपत्र सम्बन्धी नीतिगत एवम् प्रक्रियागत व्यवस्था: २०६३ को संशोधित अनुसूची ३ को बुँदा नं. १६ को विवरण) लगानी हुने रकमको आयस्रोत सम्बन्धी विवरण अनिवार्य रूपमा पेश गर्नु पर्नेछ।   | (छ) बैंक तथा वित्तीय संस्थाका संस्थापक/संस्थापक समूहको सेयर खरिद गर्दा खरिदकर्ताले तोकिएको ढाँचामा (बैंक/वित्तीय संस्था संस्थापना एवम् वित्तीय कारोबार गर्ने इजाजतपत्र सम्बन्धी नीतिगत एवम् प्रक्रियागत व्यवस्था: २०६३ को संशोधित अनुसूची ३ को बुँदा नं. १६ को विवरण) लगानी हुने रकमको आयस्रोत र सोको उपलब्धता सम्बन्धी अद्यावधिक विवरण अनिवार्य रूपमा पेश गर्नु पर्नेछ।  |
| ७३. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१०/०७७, को बुँदा नं.१४ को उप बुँदा ख मा संशोधन ।               | (ख) मृत्यु भई वा प्रचलित कानून बमोजिम पारिवारिक अंशवन्डा हक हस्तान्तरण भएको अवस्थामा बाहेक संस्थापक सेयरधनीले आफ्नो संस्थापक सेयर हस्तान्तरण गर्दा विद्यमान संस्थापक सेयरधनीलाई नै प्राथमिकता दिनु पर्नेछ। विद्यमान संस्थापक सेयरधनीहरूले उक्त सेयर खरिद गर्न नचाहेमा सोको लिखित जानकारी लिई अन्य समूह वा बाह्य व्यक्ति/संस्थालाई बेचबिखन गर्न सकिने छ। सम्पूर्ण संस्थापकहरूको लिखित सहमति लिन सम्भव नभएमा सम्बन्धित बैंक/वित्तीय संस्था मार्फत राष्ट्रियस्तरको पत्रिकामा कम्तीमा ३५ दिनको सार्वजनिक सूचना प्रकाशन गरी जानकारी गराउने र सो अवधिभित्र कसैले खरिद गर्न चाहेको लिखित जानकारी पेश हुन नआएमा मात्र प्रचलित कानूनको अधीनमा रही अन्य व्यक्ति/संस्थालाई विक्री गर्न सकिने छ। | (ख) मृत्यु भई वा प्रचलित कानून बमोजिम पारिवारिक अंशवन्डामा हक हस्तान्तरण भएको अवस्थामा बाहेक संस्थापक सेयरधनीले आफ्नो संस्थापक सेयर हस्तान्तरण गर्दा विद्यमान संस्थापक सेयरधनीलाई नै प्राथमिकता दिनु पर्नेछ। विद्यमान संस्थापक सेयरधनीहरूले उक्त सेयर खरिद गर्न नचाहेमा सोको लिखित जानकारी लिई अन्य समूह वा बाह्य व्यक्ति/संस्थालाई बेचबिखन गर्न सकिने छ। सम्पूर्ण संस्थापकहरूको लिखित सहमति लिन सम्भव नभएमा सम्बन्धित बैंक/वित्तीय संस्था मार्फत राष्ट्रियस्तरको पत्रिकामा कम्तीमा ३५ दिनको सार्वजनिक सूचना प्रकाशन गरी जानकारी गराउने र सो अवधिभित्र विद्यमान संस्थापक सेयरधनीले खरिद गर्न चाहेको लिखित जानकारी पेश हुन नआएमा मात्र प्रचलित कानूनको अधीनमा रही पुनः सार्वजनिक सूचना प्रकाशन गरी अन्य व्यक्ति/संस्थालाई विक्री गर्न सकिने छ। |
| ७४. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१०/०७७, को बुँदा नं.१४ को उप बुँदा ज को खण्ड २ मा संशोधन ।     | (२) प्रचलित कानून तथा विद्यमान निर्देशनमा भएको व्यवस्था बमोजिम यसरी संस्थापक सेयर खरिद गर्ने खरिदकर्ता संस्थापक समूहमा नै पर्ने व्यहोरा समेत जानकारी गराउने। संस्थापक सेयर खरिदकर्ता पहिचान भईसकेपछि चुक्ता पुँजीको २ प्रतिशतभन्दा घटी संस्थापक सेयर धारण गर्ने संस्थापक सेयरधनीको संस्थापक सेयरको हकमा माथि उल्लिखित प्रक्रिया अपनाई सेयर विक्री वा नामसारी गर्नु पर्ने। तर, चुक्ता पुँजीको २ प्रतिशतभन्दा बढी सेयर स्वामित्व धारण गरेको अवस्थामा सेयर विक्री/हस्तान्तरण वा नामसारी सम्बन्धी प्रक्रिया यस बैंकबाट स्वीकृति प्राप्त भएपछि मात्र अधि बढ्ने।   | (२) प्रचलित कानून तथा विद्यमान निर्देशनमा भएको व्यवस्था बमोजिम यसरी संस्थापक सेयर खरिद गर्ने खरिदकर्ता संस्थापक समूहमा नै पर्ने व्यहोरा समेत जानकारी गराउने। संस्थापक सेयर खरिदकर्ता पहिचान भईसकेपछि चुक्ता पुँजीको २ प्रतिशतभन्दा घटी संस्थापक सेयर धारण गर्ने संस्थापक सेयरधनीको संस्थापक सेयरको हकमा माथि उल्लिखित प्रक्रिया अपनाई सेयर विक्री वा नामसारी गर्नु पर्ने। तर, खरिदकर्ता वा बिक्रीकर्ताले चुक्ता पुँजीको २ प्रतिशत वा सो भन्दा बढी सेयर स्वामित्व धारण गरेको वा हुने अवस्थामा सेयर विक्री/हस्तान्तरण वा नामसारी गर्नु पूर्व यस बैंकबाट स्वीकृति लिनु पर्ने।  |
| ७५. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१०/०७७, को बुँदा नं.१५ को उप बुँदा च मा संशोधन ।               | (च) यस व्यवस्था अनुरूप संस्थापक समूहको स्वामित्वमा रहेको सेयर सर्वसाधारण सेयरमा परिणत गर्ने कार्य पुँजीबजार, बैंकिङ लगायत समग्र वित्तीय क्षेत्रमा पर्ने प्रभाव समेतलाई विचार गरी एकपटकमा बढीमा १० प्रतिशत बिन्दुसम्म गर्न सकिनेछ। साथै, यसरी परिणत गर्ने कार्य कम्तीमा २ पटकसम्म गर्नु पर्नेछ।   | (च) यस व्यवस्था अनुरूप संस्थापक समूहको स्वामित्वमा रहेको सेयर सर्वसाधारण सेयरमा परिणत गर्ने कार्य पुँजीबजार, बैंकिङ लगायत समग्र वित्तीय क्षेत्रमा पर्ने प्रभाव समेतलाई विचार गरी एकपटकमा बढीमा १० प्रतिशत बिन्दुसम्म गर्न सकिनेछ।   |
| ७६. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १०/०७७ को बुँदा नं. १६ को उप बुँदा छ मा थप व्यवस्था गरिएको । | नभएको  | (छ) उपबुँदा क, ख, ग, र घ मा उल्लिखित व्यवस्थाहरू नेपाल सरकारको अधिकांश स्वामित्व भएको संस्थाको हकमा लागु हुने छैनन्।  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२४

|  |   |   |
|--|---|---|
| <p>७७. इ.प्रा.निर्देशन नं.१०/०७७, को बुँदा नं.१७ मा संशोधन ।</p> | <p>१७. Cross Holding गरी लगानी गरिरहेको संस्थापक सेयर बिक्री सम्बन्धमा बैंक तथा वित्तीय संस्था सम्बन्धी ऐन, २०७३ को दफा ५० को उपदफा (१)(च) कार्यान्वयन गर्ने/गराउने सिलसिलामा सोही ऐनको दफा ११(३) को प्रयोजनको लागि देहायका शर्तहरूमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले आपसमा Cross-holding हुने गरी लगानी गरेको संस्थापक समूहको सेयर धितोपत्र विनिमय बजार मार्फत खरिद/बिक्री गर्ने सम्बन्धमा देहाय बमोजिम गर्नु पर्नेछ ।</p> <p>(१) यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूले अन्य इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा लगानीमा रहिरहेको संस्थापक/ संस्थापक समूहको सेयर नेपाल धितोपत्र विनिमय बजार मार्फत खरिद/बिक्री गर्न सक्ने गरी छुट प्रदान गरिएको ।</p> <p>(२) संस्थापक सेयर नामसारी वा बिक्री गर्दा विद्यमान संस्थापक सेयरधनीहरूको रूपमा रहिरहेका अन्य सदस्यहरूलाई प्राथमिकता दिनुपर्ने विद्यमान एकीकृत निर्देशन नं. १० को व्यवस्था यस प्रयोजनको लागि लागू नहुने ।</p> <p>(३) नेपाल धितोपत्र विनिमय बजार मार्फत सेयर खरिद गर्ने व्यक्ति/संस्था समेत संस्थापक समूहमा नै कायम रहने ।</p> <p>(४) संस्थापक समूहको सेयर खरिदकर्ता कर्जा सूचना केन्द्र लि. को कालोसूचीमा समावेश नभएको हुनुपर्ने र प्रचलित कानून तथा यस बैंकबाट जारी गरिएका निर्देशन बमोजिम संस्थापक सेयर/संस्थापक समूहको सेयर खरिद गर्न अयोग्य नभएको स्व:घोषणा (Self Declaration) सेयर खरिद गर्दाको अवस्थामा नै पेश गर्नु पर्ने ।</p> <p>(५) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले यस निर्देशन बमोजिम अन्य बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा आफूले लगानी गरेको संस्थापक सेयर यस निर्देशन बमोजिम अनिवार्यरूपमा बेचबिखन गरी सक्नु पर्ने ।</p> <p>(६) सेयर खरिद बिक्री सम्बन्धी अन्य व्यवस्था तथा प्रक्रियाका सम्बन्धमा प्रचलित कानून अनुसार नै हुने ।</p> <p>(७) धितोपत्र विनिमय बजार मार्फत इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले खरिद/बिक्री गरेका संस्थापक सेयरहरू धितोपत्र विनिमय बजार मार्फत पुनः खरिद बिक्री गर्न सकिने । तर यसरी सेयर खरिद गर्ने व्यक्ति/संस्थाहरू सम्बन्धित संस्थापक समूहमै रहने ।</p> <p>(८) यसरी व्यक्ति तथा संस्थाले पुनः सेयर खरिद/बिक्री गर्ने सम्बन्धमा माथि उल्लिखित उपबुँदा नं. ५ मा उल्लेख भएको व्यवस्था बाहेकका अन्य सम्पूर्ण बुँदाका व्यवस्थाहरू आकर्षित हुने ।</p> | <p>१७. Cross Holding सम्बन्धमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले आपसमा Cross-holding हुने गरी लगानी गर्न पाइने छैन ।</p> |
|--|---|---|

नेपाल राष्ट्र बैकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२५

|     |   |   |  |
|-----|---|---|--|
| ७८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १०/०७७ को बुँदा नं. १८ को उप बुँदा २ मा संशोधन । | २. हकप्रद सेयरमा पूर्व लगानी गर्ने सम्बन्धमा<br>इजाजतपत्रप्राप्त बैक तथा वित्तीय संस्थाहरुले पुँजी पर्याप्तता कायम गर्ने प्रयोजनका लागि संस्थापकहरुले हकप्रद सेयर (Right Share) मा पूर्वलगानी गर्न चाहेमा निम्न शर्तहरुको अधीनमा रही गर्न सक्ने छन् । | २. हकप्रद सेयरमा पूर्व लगानी गर्ने सम्बन्धमा<br>इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले पुँजी पर्याप्तता कायम गर्ने प्रयोजनका लागि संस्थापकहरुले हकप्रद सेयर (Right Share) मा पूर्वलगानी गर्न चाहेमा निम्न शर्तहरुको अधीनमा रही गर्न सक्ने छन् ।<br>तर नेपाल सरकारको अधिकांश स्वामित्व भएको संस्थामा नेपाल सरकारले पुँजी थप गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन । |
|-----|---|---|--|

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२६

इ.प्रा.निर्देशन नं. ११/०७७

|     |   |  |  |
|-----|---|--|--|
| ७९. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ११/०७७ को बुँदा नं.३ को उप बुँदा १ मा संशोधन ।  | ३. सह-वित्तीयकरणमा सहभागिताको लागि आवश्यक शर्त<br>(१) यस बैंकबाट वित्तीय कारोबार गर्न इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूले मात्र सह-वित्तीयकरणमा भाग लिन पाउने छन् ।<br>तर कर्मचारी संचय कोष, नागरिक लगानी कोष, जलविद्युत लगानी तथा विकास कम्पनी लिमिटेड र बीमा कम्पनीलाई यस बैंकबाट वित्तीय कारोबार गर्न इजाजतपत्रप्राप्त संस्था अगुवा संस्था हुने गरी गठन हुने सह-वित्तीयकरण समूहमा सहभागी भै कर्जा प्रवाह गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।<br>स्पष्टीकरण- यस निर्देशनको प्रयोजनकोलागि “अगुवा संस्था” भन्नाले सह-वित्तीयकरण समूहले अगुवा संस्था भनी चयन गरेको कुनै इजाजतपत्रप्राप्त संस्था सम्भन्नु पर्छ । | ३. सह-वित्तीयकरणमा सहभागिताको लागि आवश्यक शर्त<br>(१) यस बैंकबाट वित्तीय कारोबार गर्न इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूले मात्र सह-वित्तीयकरणमा भाग लिन पाउने छन् ।<br>तर कर्मचारी संचय कोष, नागरिक लगानी कोष र हाइड्रोइलेक्ट्रिसिटी इन्भेष्टमेन्ट एण्ड डेभलपमेन्ट कम्पनी लिमिटेडलाई यस बैंकबाट वित्तीय कारोबार गर्न इजाजतपत्रप्राप्त संस्था अगुवा संस्था हुने गरी गठन हुने सह-वित्तीयकरण समूहमा सहभागी भै कर्जा प्रवाह गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।<br>स्पष्टीकरण :- यस निर्देशनको प्रयोजनकोलागि “अगुवा संस्था” भन्नाले सह-वित्तीयकरण समूहले अगुवा संस्था भनी चयन गरेको कुनै इजाजतपत्रप्राप्त संस्था सम्भन्नु पर्छ । |
| ८०. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ११/०७७ को बुँदा नं.१० को उप बुँदा त मा संशोधन । | (त) आफ्नो भूमिका निर्वाह गरेबापत ऋणी समेतको सहमतिमा सह-वित्तीयकरण समूहले निर्णय गरे बमोजिम सेवा शुल्क लिन सक्ने,   | (त) आफ्नो भूमिका निर्वाह गरेबापत निर्देशन नं. २० ले तोके बमोजिमको सेवा शुल्क मध्येबाट सह-वित्तीयकरण समूहले निर्णय गरे बमोजिम सेवा शुल्क लिन सक्ने ।  |
| ८१. | इ.प्रा.निर्देशन नं. ११/०७७ को बुँदा नं.१२ को उप बुँदा ज मा संशोधन । | (ज) सह-वित्तीयकरण सम्बन्धी सबै काम कारवाही पारदर्शीरूपमा गरी कर्जा र ऋणीसँग सम्बन्धित कुनै पनि सूचना एक आपसमा आदान-प्रदान गर्ने,   | (ज) सह-वित्तीयकरण सम्बन्धी सबै काम कारवाही पारदर्शीरूपमा गरी कर्जा र ऋणीसँग सम्बन्धित सूचना एक आपसमा आदान-प्रदान गर्ने,  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२७

इ.प्रा.निर्देशन नं. १२/०७७

|     |  |   |  |
|-----|--|---|--|
| ८२. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१२/०७७<br>बुँदा नं.१० को उप बुँदा २<br>को घ मा संशोधन । | तर, इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले इ.प्रा. निर्देशन नं. २१/०७७ बुँदा ८ को उपबुँदा (३) बमोजिम तयार गरेको कार्यविधिको व्यवस्था अन्तर्गत हुनेगरी रु. ५० हजार भन्दा कमको कर्जा अपलेखन गर्दा सम्बन्धित पक्षलाई कालो सूचीमा समावेश नगरी कर्जा अपलेखन गर्न सक्नेछन् । | तर, इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले इ.प्रा. निर्देशन नं. २/०७७ बुँदा नं. १२ को उपबुँदा ( ३) बमोजिम तयार गरेको कार्यविधिको व्यवस्था अन्तर्गत हुनेगरी रु. ५० हजार भन्दा कमको कर्जा अपलेखन गर्दा सम्बन्धित पक्षलाई कालो सूचीमा समावेश नगरी कर्जा अपलेखन गर्न सक्नेछन् । |
|-----|--|---|--|

इ.प्रा.निर्देशन नं. १३/०७७

|     |  |  |   |
|-----|--|--|---|
| ८३. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १३/०७७<br>को बुँदा नं. ३ को द्रष्टव्य २<br>मा संशोधन । | २. वैधानिक तरलता अनुपात विवरण प्रत्येक महिना समाप्त भएको पन्ध्र दिनभित्र पठाउनु पर्नेछ । | २. वैधानिक तरलता अनुपात विवरण प्रत्येक महिना समाप्त भएको ७ दिनभित्र पठाउनु पर्नेछ । |
|-----|--|--|---|

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२८

इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७

|     |  |  |  |
|-----|--|--|--|
| ८४. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. १ मा संशोधन ।                                | १. शाखा/कार्यालय खोल्ने सम्बन्धी व्यवस्था<br>(क) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको पूर्व स्वीकृति लिनुपर्नेछ । तर, महानगरपालिका र उप महानगरपालिका बाहेकका स्थानमा तथा वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभने/गाभने वा प्राप्त प्रक्रियामा संलग्न भई २०७८ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार सञ्चालन गरेमा काठमाडौं उपत्यका बाहेकका महानगरपालिका र उपमहानगरपालिकामा २०७९ असार मसान्तसम्म शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन । साथै, शाखा कार्यालय तथा एक्सटेन्सन काउन्टर खोल्दा कारोबार शुरु गरेकै दिन उक्त शाखा तथा एक्सटेन्सन काउन्टर सम्बन्धी विवरण यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टलमा अद्यावधिक गर्नु पर्नेछ । | १. शाखा/कार्यालय खोल्ने सम्बन्धी व्यवस्था<br>(क) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले महानगरपालिका र उप महानगरपालिकामा शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको पूर्व स्वीकृति लिनुपर्नेछ । शाखा कार्यालय तथा एक्सटेन्सन काउन्टर खोल्दा कारोबार शुरु गरेकै दिन उक्त शाखा तथा एक्सटेन्सन काउन्टर सम्बन्धी विवरण यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टलमा अद्यावधिक गर्नु पर्नेछ । |
| ८५. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. १ को उप बुँदा क को ए मा थप व्यवस्था गरिएको । | नभएको  | (ए) चालु तथा अधिल्लो आर्थिक वर्षमा अनिवार्य नगद मौज्जात बाहेक यस बैंकबाट अन्य कुनै कारवाहीमा नपरेको,   |
| ८६. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं.१ को उप बुँदा ग मा संशोधन ।                   | (ग) शाखा /कार्यालय खोल्ने निर्णय गर्दा वा सञ्चालनको समयमा माथि उल्लिखित शर्त तथा व्यवस्थाहरु पुरा नभएका र व्यवस्थापन सुधारको प्रक्रियामा रहेका संस्थाहरुले विशेष अवस्थामा यस बैंकले तोकिएको शर्तहरुको अधीनमा रही शाखा कार्यालय/अन्य कार्यालय स्थापना गर्न पाउनेछ ।   | (ग) माथि उल्लिखित शर्त तथा व्यवस्थाहरु पुरा नभएको अवस्थामा इजाजतपत्र प्राप्त संस्थालाई विशेष परिस्थितिमा कुनै स्थानमा शाखा स्थापना गर्न अत्यावश्यक देखिएमा यस बैंकले स्वीकृति दिन सक्नेछ ।   |
| ८७. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. १ को उपबुँदा ६ को खण्ड ३ को ड मा संशोधन ।    | (ड) प्रादेशिक कार्यालय सञ्चालनमा आएको १५ दिनभित्र यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग तथा सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागलाई जानकारी गराउनु पर्नेछ ।   | (ड) प्रादेशिक कार्यालय सञ्चालनमा आएको ७ दिनभित्र यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग तथा सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागलाई जानकारी गराउनु पर्नेछ ।  |
| ८८. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. ४ को क मा संशोधन ।                           | ४. एक्सटेन्सन काउण्टर सम्बन्धी व्यवस्था:<br>(क) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले एक्सटेन्सन काउण्टर खोल्न यस बैंकको पूर्व स्वीकृति लिनु पर्नेछ । तर, खण्ड (ख) बमोजिमका शर्तहरु पुरा गरेका इजाजतपत्र प्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले काठमाण्डौं उपत्यका, महानगरपालिका र उपमहानगरपालिका बाहेकका क्षेत्रमा एक्सटेन्सन काउण्टर खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनुपर्ने छैन ।  | ४. एक्सटेन्सन काउण्टर सम्बन्धी व्यवस्था:<br>(क) इजाजतपत्र प्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले काठमाण्डौं उपत्यका र महानगरपालिकामा एक्सटेन्सन काउण्टर खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनुपर्नेछ ।  |
| ८९. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा ख को खण्ड उ थप गरिएको ।        | नभएको ।  | (उ) माथि उल्लिखित शर्त तथा व्यवस्थाहरु पुरा नभएको अवस्थामा इजाजतपत्रप्राप्त संस्थालाई विशेष परिस्थितिमा कुनै स्थानमा एक्सटेन्सन काउण्टर स्थापना गर्न अत्यावश्यक देखिएमा यस बैंकले स्वीकृति दिन सक्नेछ ।  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



२९

|     |  |  |  |
|-----|--|--|--|
| ९०. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. ४ मा उप बुँदा ज थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको ।             | नभएको  | (ज) कुनै सरकारी निकाय मार्फत हुने सरकारी कारोबारलाई लक्षित गरी एक्सटेन्सन काउण्टर स्थापना गर्दा उक्त सरकारी निकाय जुनसुकै तहको पालिकामा अवस्थित भएतापनि यस बैंकको बैंकिङ विभागबाट पूर्व सहमती लिनुपर्ने छ ।  |
| ९१. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. ५ तथा बुँदा नं. ८ मा पुनरावलोकन गरी क्रमसंख्या मिलान गर्ने । | ५. सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय सम्बन्धी व्यवस्था<br>८. “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरूले विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धमा | द. “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरूले विदेशमा शाखा, सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धमा<br>संलग्न बमोजिम  |
| ९२. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. ८ मा थप व्यवस्था गरिएको ।                                    | नभएको ।  | <p>(द) सम्पर्क कार्यालय सम्बन्धमा</p> <p>(क) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले कर्णाली प्रदेश र सुदूर पश्चिम प्रदेशहरूमा सम्पर्क कार्यालय खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन ।</p> <p>(ख) यस व्यवस्था बमोजिम सम्पर्क कार्यालय खोलेको जानकारी १५ दिनभित्र यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा गराउनु पर्नेछ ।</p> <p>(ग) सम्पर्क कार्यालयले निक्षेप र कर्जा सम्बन्धी कुनै कारोबार गर्न पाउने छैन ।</p> <p>(घ) सम्पर्क कार्यालयको मूलभूत उद्देश्य वित्तीय साक्षरता अभिवृद्धि गर्ने र वित्तीय सेवा विस्तारमा टेवा पुऱ्याउने हुनेछ ।</p> |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३०

इ.प्रा.निर्देशन नं. १५/०७७

|   |  |   |
|---|--|---|
| <p>९३. इ.प्रा. निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. १ मा संशोधन ।</p> | <p>१. निक्षेपको ब्याजदर प्रचलित कानून तथा देहायको व्यवस्थाको अधीनमा रही इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले निक्षेपको ब्याजदर तथा गणना विधि आफैँले निर्धारण गर्न सक्नेछन् ।</p> <p>(१) निक्षेपमा दिने ब्याजदर मासिक रुपमा मात्र परिवर्तन गर्न सकिनेछ । आगामी महिनाको लागि निक्षेपमा लागु हुने ब्याजदर सम्बन्धी सुचना नेपाली महिना सुरु हुनु पूर्व प्रकाशित गरिसक्नुपर्ने छ ।</p> <p>तर, बोलकबोल (Bidding) को आधारमा संकलन हुने मुद्दती निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदर तीन महिनासम्म परिवर्तन गर्न पाइने छैन ।</p> <p>(२) कल निक्षेप बाहेकका ब्याज प्रदान गरिने निक्षेप खाताहरुमा दिइने अधिकतम र न्यूनतम ब्याजदर बीचको अन्तर ५ प्रतिशत विन्दु भन्दा बढीले फरक पार्न पाइने छैन । तर, सामाजिक सुरक्षा भत्तावापतको रकम मात्र जम्मा हुने व्यक्तिगत निक्षेप खाता तथा अक्षयकोष वापतको रकम मुद्दती निक्षेपको रुपमा स्वीकार गर्दा बैंक तथा वित्तीय संस्था र ग्राहक बीचको आपसी सहमतिमा माथि उल्लेखित ब्याजदर भन्दा बढी हुने गरी ब्याजदर कायम गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।</p> <p>(३) विभिन्न प्रकारका बचत खाताहरुमा दिइने ब्याजदरको अन्तर २ प्रतिशत विन्दु भन्दा बढीले फरक पार्न पाइने छैन । बचत खाताको ब्याजदर परिवर्तन गर्दा सबै प्रकृतिको बचत खातालाई समान रुपमा लागू हुने गरी ब्याजदर समायोजन गर्नु पर्नेछ ।</p> <p>(४) वैदेशिक रोजगारीमा रहेका नेपालीको बैंकिङ्ग प्रणालीबाट प्राप्त हुने विप्रेषण रकम बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुमा निक्षेप राखेमा न्यूनतम १ प्रतिशत विन्दु थप गरी ब्याजदर प्रदान गर्नु पर्नेछ । यस्तो निक्षेपको ब्याजदर उपबुँदा २ र उपबुँदा ३ मा उल्लेखित ब्याजदर बीचको अन्तर गणना गर्दा छुट प्रदान गरिएको छ ।</p> <p>(५) माग तथा अल्प सूचनामा आधारित निक्षेप (Call Deposit) मा बचत निक्षेपमा प्रदान गरिने न्यूनतम ब्याजदरको पचास प्रतिशत भन्दा बढी ब्याज प्रदान गर्न पाइने छैन । यस्ता खाताहरुमा चेक जारी गर्न पाइने छैन । Call Deposit तथा संस्थागत मुद्दती निक्षेप बाहेक अन्य निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदरमा शून्य दशमलव पाँच प्रतिशत विन्दुसम्म बढाउन सकिनेछ ।</p> <p>तर,</p> <p>(क) अक्षयकोष वापतको रकम मुद्दती निक्षेपको रुपमा स्वीकार गर्दा भने बैंक तथा वित्तीय संस्था र ग्राहक बीचको आपसी सहमतिको आधारमा ब्याजदर कायम गर्न सकिनेछ ।</p> <p>(ख) बोलकबोल (Bidding) को आधारमा संकलन हुने मुद्दती निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदरमा नबढ्ने गरी निक्षेप संकलन गर्नु पर्नेछ ।</p> <p>(६) तीन महिना भन्दा कम समयवाधिको मुद्दती निक्षेप स्वीकार गर्न पाइने छैन । साथै, मुद्दती निक्षेपको समयवाधि समाप्त नहुदै पूर्वनिर्धारित ब्याजदर कायम रहने गरी ग्राहकले चाहेको वखत जहिलेपनि भिक्न पाउने गरी मुद्दती निक्षेप स्वीकार गर्न पाइने छैन ।</p> | <p>१. निक्षेपको ब्याजदर प्रचलित कानून तथा देहायको व्यवस्थाको अधीनमा रही इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले निक्षेपको ब्याजदर तथा गणना विधि आफैँले निर्धारण गर्न सक्नेछन् ।</p> <p>(१) निक्षेपमा दिने ब्याजदर मासिक रुपमा मात्र परिवर्तन गर्न सकिनेछ । आगामी महिनाको लागि निक्षेपमा लागु हुने ब्याजदर सम्बन्धी सुचना नेपाली महिना सुरु हुनु पूर्व प्रकाशित गरिसक्नुपर्ने छ ।</p> <p>तर, बोलकबोल (Bidding) को आधारमा संकलन हुने मुद्दती निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदर तीन महिनासम्म परिवर्तन गर्न पाइने छैन ।</p> <p>(२) कल निक्षेप बाहेकका ब्याज प्रदान गरिने सबै प्रकारका स्वदेशी मुद्राका निक्षेप खाताहरुमा दिइने अधिकतम र न्यूनतम ब्याजदर बीचको अन्तर ५ प्रतिशत विन्दु भन्दा बढीले फरक पार्न पाइने छैन ।</p> <p>तर, सामाजिक सुरक्षा भत्तावापतको रकम मात्र जम्मा हुने व्यक्तिगत निक्षेप खाता तथा अक्षयकोष वापतको रकम मुद्दती निक्षेपको रुपमा स्वीकार गर्दा बैंक तथा वित्तीय संस्था र ग्राहक बीचको आपसी सहमतिमा माथि उल्लेखित ब्याजदर भन्दा बढी हुने गरी ब्याजदर कायम गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।</p> <p>(३) विभिन्न प्रकारका बचत खाताहरुमा दिइने ब्याजदरको अन्तर २ प्रतिशत विन्दु भन्दा बढीले फरक पार्न पाइने छैन । बचत खाताको ब्याजदर बढाउँदा वा नयाँ बचत खाता विकास गर्दा सबै प्रकारका बचत खाताको ब्याजदर बढ्ने र एवं रुपले ब्याजदर घटाउँदा सबै प्रकारका बचत खाताको ब्याजदर घट्ने गरी ब्याजदर समायोजन गर्नु पर्नेछ ।</p> <p>(४) वैदेशिक रोजगारीमा रहेका नेपालीको बैंकिङ्ग प्रणालीबाट प्राप्त हुने विप्रेषण रकम बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुमा निक्षेप राखेमा न्यूनतम १ प्रतिशत विन्दु थप गरी ब्याजदर प्रदान गर्नु पर्नेछ । यस्तो निक्षेपको ब्याजदर उपबुँदा २ र उपबुँदा ३ मा उल्लेखित ब्याजदर बीचको अन्तर गणना गर्दा छुट प्रदान गरिएको छ ।</p> <p>(५) माग तथा अल्प सूचनामा आधारित निक्षेप (Call Deposit) मा बचत निक्षेपमा प्रदान गरिने न्यूनतम ब्याजदरको पचास प्रतिशत भन्दा बढी ब्याज प्रदान गर्न पाइने छैन । यस्ता खाताहरुमा चेक जारी गर्न पाइने छैन ।</p> <p>(६) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले उपबुँदा (२) को सीमा भित्र रही Call Deposit तथा संस्थागत मुद्दती निक्षेप बाहेक अन्य निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदरमा शून्य दशमलव पाँच प्रतिशत विन्दुसम्म बढाउन सकिनेछ ।</p> <p>(७) बोलकबोल (Bidding) को आधारमा संकलन हुने मुद्दती निक्षेपको हकमा प्रकाशित ब्याजदरमा नबढ्ने गरी निक्षेप संकलन गर्नु पर्नेछ ।</p> <p>(८) तीन महिना भन्दा कम समयवाधिको मुद्दती निक्षेप स्वीकार गर्न पाइने छैन । साथै, मुद्दती निक्षेपको समयवाधि समाप्त नहुदै पूर्वनिर्धारित ब्याजदर कायम रहने गरी ग्राहकले चाहेको वखत जहिलेपनि भिक्न पाउने गरी मुद्दती निक्षेप स्वीकार गर्न पाइने छैन ।</p> |
|---|--|---|

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३१

|     |   |   |   |
|-----|---|---|---|
|     |   | (७) ब्याज प्रदान गरिने खाता कुनै पनि कारणले निष्कृत हुन गएमा समेत निक्षेपकर्ताले पाउनुपर्ने ब्याज प्रदान गर्नुपर्नेछ ।  | (९) ब्याज प्रदान गरिने खाता कुनै पनि कारणले निष्कृत हुन गएमा समेत निक्षेपकर्ताले पाउनुपर्ने ब्याज प्रदान गर्नुपर्नेछ ।  |
| ९४. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. २ मा संशोधन ।   | २. आधार दर<br>संलग्न अनुसूची-१५.१ को “आधार दर निर्धारण सम्बन्धी कार्यविधि, २०६९” बमोजिम मासिक रूपले आधार दर गणना गरी निर्देशन फा.नं. १५.१ बमोजिमको ढाँचाको विवरण महिना समाप्त भएको १५ दिनभित्र यस बैंकमा पेश गर्नु पर्नेछ । साथै, उक्त आधार दरलाई आफ्नो वेबसाइटमा समेत प्रकाशित गर्नु पर्नेछ ।  | २. आधार दर<br>संलग्न अनुसूची-१५.१ को “आधार दर निर्धारण सम्बन्धी कार्यविधि, २०६९” बमोजिम मासिक रूपले आधार दर गणना गरी निर्देशन फा.नं. १५.१ बमोजिमको ढाँचाको विवरण महिना समाप्त भएको ७ दिनभित्र यस बैंकमा पेश गर्नु पर्नेछ । साथै, उक्त आधार दरलाई आफ्नो वेबसाइटमा समेत प्रकाशित गर्नु पर्नेछ ।   |
| ९५. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. ३ को उपबुँदा नं. ५ को प्रतिबन्धात्मक वाक्यांशमा संशोधन । | तर, प्रत्यक्ष रूपमा विपन्न वर्गमा प्रवाह गरिने कर्जाको हकमा आधारदरभन्दा कम ब्याजदरमा समेत कर्जा प्रवाह गर्न यस व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन । साथै, यस अघि अप्रत्यक्ष रूपमा विपन्न वर्गमा प्रवाह गरिएको कर्जाको हकमा आधार दरभन्दा कम नहुने गरी २०७८ आषाढ सम्म ब्याजदर नियमित गर्नुपर्नेछ ।  | <b>कुनैपनि कर्जा आधारदर भन्दा कम ब्याजदरमा प्रवाह गर्न पाइने छैन ।</b>  |
| ९६. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा ८ मा संशोधन ।                              | (८) एकपटक प्रिमियम दर निर्धारण गरी ऋणीलाई दिइने कर्जा प्रस्ताव पत्रमा उल्लेख गरी कर्जा प्रवाह गरे पश्चात् प्रिमियम दर वृद्धि गर्न वा कुनै किसिमको डिस्काउन्ट प्रदान गरी पुनः स्वतः वृद्धि हुने जस्ता योजना लागू गर्न पाइने छैन । तर, ऋणीले कर्जाको साँवा तथा ब्याज समयमै भुक्तानी नगरेको, जुन उद्देश्यका लागि कर्जा लिएको हो, सो उद्देश्यमा कर्जा प्रयोग नगरेको, धितो सम्पत्तिमा हानी नोक्सानी पुऱ्याउने कार्य गरेको लगायत कर्जाका अन्य शर्तहरु पालना नगरेको अवस्थामा कर्जा प्रस्ताव पत्रमा तोकिए बमोजिमको हर्जाना दर थप गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन । | (८) एकपटक प्रिमियम दर निर्धारण गरी ऋणीलाई दिइने कर्जा प्रस्ताव पत्रमा उल्लेख गरी कर्जा प्रवाह गरे पश्चात् प्रिमियम दर वृद्धि गर्न वा कुनै किसिमको डिस्काउन्ट प्रदान गरी पुनः स्वतः वृद्धि हुने जस्ता योजना लागू गर्न पाइने छैन । तर, ऋणीले <b>जुन उद्देश्यका लागि कर्जा लिएको हो सो उद्देश्यमा कर्जा प्रयोग नगरेको र धितो सम्पत्तिमा हानी नोक्सानी पुऱ्याउने कार्य गरेको पाइएमा उप बुँदा २ बमोजिमको हर्जाना दर थप गर्न यो व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन ।</b>  |
| ९७. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा १० हटाई क्रमसंख्या मिलान गरिएको ।          | इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले यस अघि प्रवाहित कुनै कर्जाको सन्दर्भमा ऋणीलाई दिएको कर्जा प्रस्ताव पत्र (Offer letter) मा प्रिमियम दर स्पष्ट उल्लेख नगरी सिधै ब्याजदर तोकिएको भएमा त्यस्तो कर्जाहरुको हकमा अफर लेटरमा तोकिएको ब्याजदर र कर्जा प्रवाहको बखत कायम रहेको सम्बन्धित बैंक वा वित्तीय संस्थाको आधार दर बीचको अन्तरलाई नै प्रिमियम दरको रूपमा लिनु पर्नेछ । तर, ऋणीसँग पुनः सम्झौता गरी पुनः प्रिमियम दर कायम गर्न यस व्यवस्थाले बाधा पर्ने छैन ।  | हटाइएको ।   |
| ९८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. ३ को उप बुँदा १२ मा संशोधन ।                             | (१२) कर्जाको ब्याजदर वृद्धि गर्दा आधार दरमा भएको वृद्धिसम्ममात्र वृद्धि गर्न सकिने छ र यस्तो वृद्धि एक त्रयमासमा एकपटक मात्र गर्न सकिनेछ । तर, आधार दर वृद्धि हुँदा ब्याजदर वृद्धि नगर्न, ऋणीसँगको सहमतिमा स्थिर ब्याजदर कायम गर्न तथा जुनसुकै समयमा पनि ब्याजदर घटाउन यस व्यवस्थाले बाधा पर्ने छैन । यसरी त्रैमासिक रूपमा आधारदर (Base Rate) मा परिवर्तन हुँदा ब्याजदरमा परिवर्तन हुने/नहुने सम्बन्धमा   | (१२) कर्जाको ब्याजदर वृद्धि गर्दा <b>त्रयमासीक औसत आधार</b> दरमा भएको वृद्धिसम्ममात्र वृद्धि गर्न सकिने छ र यस्तो वृद्धि एक त्रयमासमा एकपटक मात्र गर्न सकिनेछ । तर, <b>त्रयमासीक औसत</b> आधार दर वृद्धि हुँदा ब्याजदर वृद्धि नगर्न, ऋणीसँगको सहमतिमा स्थिर ब्याजदर कायम गर्न तथा जुनसुकै समयमा पनि ब्याजदर घटाउन यस व्यवस्थाले बाधा पर्ने छैन । यसरी त्रयमासिक रूपमा <b>औसत</b> आधारदरमा परिवर्तन हुँदा ब्याजदरमा परिवर्तन हुने/नहुने सम्बन्धमा ऋणीलाई offer letter मा स्पष्ट रूपमा उल्लेख गरी अनिवार्य जानकारी दिने व्यवस्था गर्नुपर्नेछ । |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३२

|     |  |   |  |
|-----|--|---|--|
|     |  | ऋणीलाई याभच भिततभच मा स्पष्ट रुपमा उल्लेख गरी अनिवार्य जानकारी दिने व्यवस्था गर्नुपर्नेछ ।  | परिवर्तनीय ब्याजदर आधारदरसँग आवद्ध गर्दा इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाको Core Banking System मार्फत त्रयमासीक औसत आधार दरमा भएको परिवर्तन अनुसार स्वतः ब्याजदर परिवर्तन हुने प्रणालीको व्यवस्था गर्नु पर्नेछ ।  |
| ९९. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १५/०७७ को बुँदा नं. ५ को ५ मा संशोधन । | (५) प्रत्येक त्रयमास समाप्त भएको १५ दिनभित्र निक्षेप तथा कर्जाको ब्याजदर सम्बन्धी विवरण यस बैंकमा पठाउनु पर्नेछ । साथै, ब्याजदर संशोधन गरेको ७ दिनभित्र सो सम्बन्धी पूर्ण विवरण समेत उपलब्ध गराउनु पर्नेछ । | (५) प्रत्येक त्रयमास समाप्त भएको ७ दिनभित्र निक्षेप तथा कर्जाको ब्याजदर सम्बन्धी विवरण यस बैंकमा पठाउनु पर्नेछ । साथै, ब्याजदर संशोधन गरेको ७ दिनभित्र सो सम्बन्धी पूर्ण विवरण समेत उपलब्ध गराउनु पर्नेछ । |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३३

इ.प्रा.निर्देशन नं. १६/०७७

|      |   |  |  |
|------|---|--|--|
| १००. | इ.प्रा. निर्देशन नं.१६/०७७ को बुँदा नं. ३ मा उप बुँदा ३ थप गरी क्रमसंख्या मिलाउन गरिएको । | नभएको  | (३) १० वर्ष देखि शुन्य मौज्जात रही कारोबार नभएका खाताहरु इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले सार्वजनिक सूचना प्रकाशन गरी बन्द गर्न सक्नेछन् । यस्तो खाताको विवरण बैंकको वेबसाइटमा उपलब्ध हुनुपर्नेछ ।  |
| १०१. | इ.प्रा. निर्देशन नं.१६/०७७ को बुँदा नं. ५ को उप बुँदा २ मा संशोधन ।                       | (२) डिबेञ्चर/अन्य ऋण उपकरण जारी गर्ने बैंक तथा वित्तीय संस्थाले निष्काशन गरिएको आर्थिक वर्ष र भुक्तानी हुने आर्थिक वर्ष वाहेकका प्रत्येक वर्ष वार्षिक मुनाफाबाट समानुपातिक (Proportionate) आधारमा रकम भुक्तानी कोष (Capital Redemption Reserve) अनिवार्य रुपमा राख्नु पर्नेछ । तर, यस बैंकले तोकेको न्यूनतम चुक्ता पुँजी पुरा गर्ने प्रयोजन वाहेकको अवस्थामा संस्थाले कुनै आर्थिक वर्षमा ५ पूर्ण आर्थिक वर्ष भन्दा बढी भुक्तानी अवधि बाँकी रहेको ऋणपत्र वापत भुक्तानी कोषमा जम्मा गर्नु पर्ने रकम बराबर बोनस सेयर जारी गरेमा सो आर्थिक वर्षमा भुक्तानी कोष (Capital Redemption Reserve) मा रकम जम्मा गर्न अनिवार्य हुने छैन । तर, सो वर्षमा जम्मा गर्नु पर्ने रकम उक्त वर्ष पश्चातका आर्थिक वर्षहरुमा थप गरी समानुपातिक आधारमा अनिवार्य रुपमा उक्त कोषमा जम्मा गर्नु पर्ने छ । | (२) डिबेञ्चर/अन्य ऋण उपकरण जारी गर्ने बैंक तथा वित्तीय संस्थाले निष्काशन गरिएको आर्थिक वर्ष र भुक्तानी हुने आर्थिक वर्ष वाहेकका प्रत्येक वर्ष वार्षिक मुनाफाबाट समानुपातिक (Proportionate) आधारमा रकम भुक्तानी कोष (Capital Redemption Reserve) अनिवार्य रुपमा राख्नु पर्नेछ ।<br>तर,<br>(क) यस बैंकले तोकेको न्यूनतम चुक्ता पुँजी पुरा गर्ने प्रयोजन वाहेकको अवस्थामा संस्थाले कुनै आर्थिक वर्षमा ५ पूर्ण आर्थिक वर्ष भन्दा बढी भुक्तानी अवधि बाँकी रहेको ऋणपत्र वापत भुक्तानी कोषमा जम्मा गर्नु पर्ने रकम बराबर बोनस सेयर जारी गरेमा सो आर्थिक वर्षमा भुक्तानी कोष (Capital Redemption Reserve) मा रकम जम्मा गर्न अनिवार्य हुने छैन । तर, सो वर्षमा जम्मा गर्नु पर्ने रकम उक्त वर्ष पश्चातका आर्थिक वर्षहरुमा थप गरी समानुपातिक आधारमा अनिवार्य रुपमा उक्त कोषमा जम्मा गर्नु पर्ने छ ।<br><br>(ख) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले स्रोत परिचालनमा गणना हुने गरी ऋणपत्र जारी गरेमा भुक्तानी कोष (Capital Redemption Reserve) मा रकम जम्मा गर्न अनिवार्य हुने छैन । |
| १०२. | इ.प्रा. निर्देशन नं.१६/०७७ को बुँदा नं. ५ मा उप बुँदा ३ थप गरी क्रमसंख्या मिलाउन गरिएको । | नभएको ।  | (३) बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले ऋणपत्र जारी गर्दा नै पुँजी कोषको अङ्गको रुपमा रहने वा स्रोत परिचालनमा गणना हुने व्यहोरा स्पष्ट रुपमा खुलाउनु पर्नेछ । यसअघि जारी गरिएका वा यस बैंकबाट स्वीकृत प्राप्त गरी जारी हुने प्रक्रियामा रहेका ऋणपत्रलाई सोही बमोजिम छुट्याउनु पर्नेछ । एकपटक ऋणपत्रको वर्गीकरण गरेपछि पुनःपरिवर्तन गर्न पाइने छैन ।   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३४

|             |  |  |  |
|-------------|--|--|--|
| <p>१०३.</p> | <p>इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. ६ मा संशोधन ।</p>        | <p>(६) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले एक अर्कामा निक्षेप खाता खोल्ने सम्बन्धमा</p> <p>(क) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त अन्य कुनै पनि बैंक तथा वित्तीय संस्था वा कुनै पनि प्रकारको निक्षेप सम्बन्धी कारोबार गर्ने संस्थामा ब्याज प्राप्त हुने गरी कुनै पनि प्रकारको <b>स्वदेशी</b> निक्षेप खाता खोल्न पाइने छैन ।</p> <p>तर, इजाजतपत्रप्राप्त “ख” र “ग” वर्गका वित्तीय संस्थाहरुले अन्य इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुमा मागेको बखत फिर्ता पाउने प्रकारको खाता (Call Deposit) खोल्न सक्नेछन् ।</p> <p>(ख) तर, यो व्यवस्थाले देहाय बमोजिमका रकमहरु ब्याज आर्जन हुने गरी राख्न रोक लगाएको मानिने छैन ।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>कर्मचारी अवकाश कोष वापतको रकम,</li> <li>शुरु सार्वजनिक निष्कासन, पुनः सार्वजनिक निष्कासन र हकप्रद सेयर निष्कासनबाट संकलन भएको रकम जम्मा गरी ब्याज आर्जन हुने अस्थायी प्रकृतिका निक्षेप खाता,</li> <li>विदेशी मुद्राको खाता,</li> </ol> <p>(ग) उपर्युक्त बुँदा नं. (ख) बाहेकका ब्याज आर्जन हुने गरी यस पूर्व खोलिएका मुद्दती निक्षेप खाताहरुका हकमा सो को भुक्तानी अवधि (Maturity Period) समाप्त भए पश्चात नवीकरण गर्न पाइने छैन ।</p> | <p>(६) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले एक अर्कामा निक्षेप खाता खोल्ने सम्बन्धमा</p> <p>(क) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त अन्य कुनै पनि बैंक तथा वित्तीय संस्था वा कुनै पनि प्रकारको निक्षेप सम्बन्धी कारोबार गर्ने संस्थामा ब्याज प्राप्त हुने गरी कुनै पनि प्रकारको निक्षेप खाता खोल्न पाइने छैन ।</p> <p>तर, इजाजतपत्रप्राप्त “ख” र “ग” वर्गका वित्तीय संस्थाहरुले अन्य इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुमा मागेको बखत फिर्ता पाउने प्रकारको खाता (Call Deposit) खोल्न सक्नेछन् ।</p> <p>(ख) तर, यो व्यवस्थाले देहाय बमोजिमका रकमहरु ब्याज आर्जन हुने गरी राख्न रोक लगाएको मानिने छैन ।</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>कर्मचारी अवकाश कोष वापतको रकम,</li> <li>शुरु सार्वजनिक निष्कासन, पुनः सार्वजनिक निष्कासन र हकप्रद सेयर निष्कासनबाट संकलन भएको रकम जम्मा गरी ब्याज आर्जन हुने अस्थायी प्रकृतिका निक्षेप खाता,</li> </ol> <p>(ग) उपर्युक्त बुँदा नं. (ख) बाहेकका ब्याज आर्जन हुने गरी यस पूर्व खोलिएका मुद्दती निक्षेप खाताहरुका हकमा सो को भुक्तानी अवधि (Maturity Period) समाप्त भए पश्चात नवीकरण गर्न पाइने छैन ।</p> |
| <p>१०४.</p> | <p>इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. ७ को शिर्षक संशोधन ।</p> | <p>७. सीमाभन्दा बढी वित्तीय स्रोत संकलन गरेमा सीमाभित्र ल्याउने समयवधि</p>   | <p>(७) सीमाभन्दा बढी वित्तीय स्रोत संकलन गरेमा लगाइने हर्जाना</p>  |
| <p>१०५.</p> | <p>इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. १० मा संशोधन ।</p>       | <p>इ.प्रा.नि. नं. १६/०७७ को बुँदा नं. ६ मा समावेश गरी क्रमसंख्या मिलाउन गर्ने ।</p>  |  |
| <p>१०६.</p> | <p>इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. १२ मा संशोधन ।</p>       | <p>१२. निक्षेप संकलन कार्यलाई आकर्षक बनाउन उपहार सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न नपाइने सम्बन्धमा ।</p> <p>बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले निक्षेप संकलन गर्दा सुन चाँदीका सिक्का लगायत कुनै पनि किसिमका उपहारहरु प्रदान गर्न पाइने छैन ।</p>   | <p>१२. निक्षेप संकलन तथा व्यवसाय विस्तार गर्ने उद्देश्यले वित्तीय ग्राहकलाई उपहार, चिठ्ठा लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न नपाइने सम्बन्धमा ।</p> <p>बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुले निक्षेप संकलन तथा व्यवसाय विस्तार गर्ने उद्देश्यले वित्तीय ग्राहकलाई कुनै पनि किसिमको उपहार/चिठ्ठा/प्रतियोगिता/पुरस्कार लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न पाइने छैन ।</p>   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३५

इ.प्रा.निर्देशन नं. १७/०७७

|      |   |  |  |
|------|---|--|--|
| १०७. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१७/०७७ बुँदा नं.४ मा उप बुँदा घ थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | नभएको ।  | (घ) यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुले “घ” वर्गका लघुवित्त वित्तीय संस्थाद्वारा जारी ऋणपत्रमा गरेको लगानी रकमलाई विपन्न वर्ग कर्जामा गणना गर्न सकिनेछ ।   |
| १०८. | इ.प्रा.निर्देशन नं. १७/०७७ को बुँदा नं. ११ मा संशोधन ।                              | ११.विपन्न वर्गमा प्रवाहित कर्जा सम्बन्धी ने.रा. बैंक निर्देशन फाराम नं. ९.५ अनुसारको त्रैमासिक विवरण यस बैंकको सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा त्रयमास समाप्त भएको मितिले १५ दिनभित्र पेश गर्नु पर्नेछ । | ११. विपन्न वर्गमा प्रवाहित कर्जा सम्बन्धी ने.रा. बैंक निर्देशन फाराम नं. ९.५ अनुसारको त्रैमासिक विवरण यस बैंकको सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा त्रयमास समाप्त भएको मितिले ७ दिनभित्र पेश गर्नु पर्नेछ । |
| १०९. | ने.रा. बैंक निर्देशन फा.नं. १७.१ को ४ मा संशोधन                                     | ४. साना तथा मझौला उद्योग तर्फ<br>४.१ साना उद्योग<br>४.२ मझौला उद्योग   | ४. लघु, घरेलु, साना तथा मझौला उद्योग तर्फ<br>४.१ लघु उद्यम<br>४.२ घरेलु उद्योग<br>४.३ साना उद्योग<br>४.४ मझौला उद्योग<br>४.५ विपन्न वर्ग कर्जा (तोकिएको क्षेत्र)                                       |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३६

इ.प्रा.निर्देशन नं. १८/०७७

|   |   |  |
|---|---|--|
| <p>११०. इ.प्रा. निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा १२ लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग को उप बुँदा ६ थप गरि त्रमसंख्या मिलान गरिएको।</p> | <p>(१२) प्रमुख कार्यकारी अधिकृत पद रिक्त भएको तीन महिनाभित्र अनिवार्य रुपमा पदपूर्ति गरिसक्नु पर्नेछ। त्यसैगरी इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले व्यवस्थापकीय पद भनी तोकेका पदहरु समेत रिक्त भएको तीन महिनाभित्र अनिवार्य रुपमा पदपूर्ति गरिसक्नु पर्नेछ। सम्बन्धित संस्थाले सोही बमोजिमको व्यवस्था आफ्नो कर्मचारी सेवा विनियमावलीमा समेत उल्लेख गर्नुपर्नेछ।</p> <p>तर, एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्तीको प्रक्रियामा रहेका बैंक वा वित्तीय संस्थाहरु बीच गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ती गर्ने सम्बन्धमा यस बैंकबाट सैद्धान्तिक सहमति दिइसकिएको अवस्थामा यस बैंकको स्वीकृति लिई प्रमुख कार्यकारी अधिकृतको नियुक्तिको समयवधी थप गर्न सकिनेछ।</p>  | <p>(६) गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ती गर्ने सम्बन्धमा यस बैंकबाट सैद्धान्तिक सहमति दिइसकिएको अवस्थामा प्रमुख कार्यकारी अधिकृतको पद रिक्त भएको तीन महिनाभित्र अनिवार्य रुपमा पदपूर्ति गरिसक्नु पर्ने व्यवस्थामा छुट प्रदान गर्न सकिनेछ।</p>  |
| <p>१११. इ.प्रा. निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. १ को उप बुँदा क लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग को उप बुँदा ८ थप गरिएको।</p>                      | <p>१. शाखा/कार्यालय खोल्ने सम्बन्धी व्यवस्था</p> <p>(क) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको पूर्व स्वीकृति लिनुपर्नेछ। तर, महानगरपालिका र उप महानगरपालिका बाहेकका स्थानमा तथा वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७८ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार सञ्चालन गरेमा काठमाडौं उपत्यका बाहेकका महानगरपालिका र उपमहानगरपालिकामा २०७९ असार मसान्तसम्म शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन। साथै, शाखा कार्यालय तथा एक्सटेन्सन काउन्टर खोल्दा कारोबार शुरु गरेकै दिन उक्त शाखा तथा एक्सटेन्सन काउन्टर सम्बन्धी विवरण यस बैंकको रिपोर्टिङ पोर्टलमा अद्यावधिक गर्नु पर्नेछ।</p>   | <p>(८) वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७९ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार सञ्चालन गरेमा काठमाडौं उपत्यका बाहेकका महानगरपालिका र उपमहानगरपालिकामा २०८० असार मसान्तसम्म शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन।</p>                    |
| <p>११२. इ.प्रा. निर्देशन नं. १४/०७७ को बुँदा नं. १ को उप बुँदा ड लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग मा उप बुँदा ९ थप गरिएको।</p>                      | <p>(ड) काठमाडौं उपत्यका बाहिर तीन वटा शाखा खोली सञ्चालनमा ल्याए पश्चात मात्र काठमाडौं उपत्यकामा बैंकिङ सेवाको पहुँच कम भएका स्थानलाई पहिलो प्राथमिकता दिने गरी एक शाखा खोल्न स्वीकृति प्रदान गर्न सकिनेछ। काठमाण्डौ उपत्यका बाहिर खोल्ने तीन शाखामध्ये कम्तीमा दुई शाखा नगरपालिका वा गाँउपालिकामा खोलिएको हुनुपर्नेछ।</p> <p>तर, वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७८ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार सञ्चालन गरेमा काठमाडौं उपत्यका बाहिर तीन वटा शाखा खोली सञ्चालनमा ल्याए पश्चात २०७९ असारमसान्तसम्म काठमाडौं उपत्यकामा एक शाखा खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन। साथै, आयात निर्यात व्यापारका लागि प्रमुख भन्सार नाका मानिएका काँकरभिट्टा, विराटनगर, वीरगंज, भैरहवा, नेपालगंज र धनगढीमा एक/एकवटा शाखा कार्यालय स्थापना गर्न उपर्युक्त व्यवस्थाले बाधा पुऱ्याएको मानिने छैन।</p> | <p>(९) वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७९ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार सञ्चालन गरेमा काठमाडौं उपत्यका बाहिर तीन वटा शाखा खोली सञ्चालनमा ल्याए पश्चात २०८० असारमसान्तसम्म काठमाडौं उपत्यकामा एक शाखा खोल्न यस बैंकको स्वीकृति लिनु पर्ने छैन।</p> |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३७

|   |  |   |
|---|--|---|
| <p>११३. इ.प्रा. निर्देशन नं. ६/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा २ लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग मा उप बुँदा १० थप गरिएको।</p>            | <p>(२) ६५ वर्ष नाघेको व्यक्ति बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रमुख कार्यकारी अधिकृत पदमा नियुक्त/पुनः नियुक्त हुन योग्य हुने छैन। साथै, ६९ वर्ष नाघेको व्यक्ति प्रमुख कार्यकारी अधिकृत पदमा बहाल रहन सक्ने छैन। तर, २०७८ असार मसान्त भित्र गाभ्ने/गाभिने तथा प्राप्ति प्रक्रिया सम्पन्न गरी एकीकृत कारोबार गर्ने गरी दुई वा दुईभन्दा बढी वाणिज्य बैंकहरु एकापसमा गाभ्ने/गाभिने तथा प्राप्ति प्रक्रियामा सहभागी भएमा एक पटकका लागि ६५ वर्ष उमेर नाघेको व्यक्ति बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रमुख कार्यकारी अधिकृतमा नियुक्त/पुनः नियुक्त हुन बाधा पर्ने छैन।</p>   | <p>(१०) २०७९ असार मसान्त भित्र गाभ्ने/गाभिने तथा प्राप्ति प्रक्रिया सम्पन्न गरी एकीकृत कारोबार गर्ने गरी दुई वा दुईभन्दा बढी वाणिज्य बैंकहरु एकापसमा गाभ्ने/गाभिने तथा प्राप्ति प्रक्रियामा सहभागी भएमा एक पटकका लागि ६५ वर्ष उमेर नाघेको व्यक्ति बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रमुख कार्यकारी अधिकृतमा नियुक्त/पुनः नियुक्त हुन बाधा पर्ने छैन।</p>  |
| <p>११४. इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. २ को उप बुँदा ख लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग मा उप बुँदा ११ थप गरिएको।</p>           | <p>(ख) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको कुल निक्षेपमा सरकारी संस्था एवम् संस्थानहरु, पब्लिक लिमिटेड कम्पनीहरु, बचत तथा ऋण सहकारी संस्था तथा त्यस्ता संस्था एवम् संस्थान मातहत संचालित कोषहरुको निक्षेपको अंश ५० प्रतिशतभन्दा बढी कायम गर्न पाइने छैन। तर, २०७८ असार मसान्तभित्र गाभ्ने/गाभिने तथा प्राप्ति प्रक्रिया पुरा गरी संयुक्त कारोबार सञ्चालन गर्ने वाणिज्य बैंकले २०७९ असार मसान्तसम्म आफ्नो कुल निक्षेपमा यस्तो निक्षेपको अंश थप १० प्रतिशत विन्दुसम्म कायम गर्न पाउने छन्।</p>   | <p>(११) यस बैंकबाट तोकिएको कुल निक्षेपमा सरकारी संस्था एवम् संस्थानहरु, पब्लिक लिमिटेड कम्पनीहरु, बचत तथा ऋण सहकारी संस्था तथा त्यस्ता संस्था एवम् संस्थान मातहत संचालित कोषहरुको निक्षेपको अंश प्रति संस्था १० प्रतिशत बिन्दुले थप गरिनेछ।</p>   |
| <p>११५. इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. ५ को उप बुँदा ३ लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग मा उप बुँदा १२ थप गरिएको।</p>           | <p>(३) वाणिज्य बैंकहरुले आफ्नो चुक्ता पुँजीको न्यूनतम २५ प्रतिशत बराबर अनिवार्य रुपमा ऋण पत्र जारी गर्नु पर्ने छ। यस्तो ऋणपत्र २०७९ असार मसान्तभित्र जारी नगरेमा देहायबमोजिमको कारवाही हुनेछ।<br/>(क) वाणिज्य बैंकको शाखा कार्यालय नभएका स्थानीय तह बाहेकका स्थानमा शाखा कार्यालय विस्तार गर्न रोक लगाउने र<br/>(ख) भूकम्प पिडितलाई प्रवाह गरिने बाहेकका अन्य पुनरकर्जा सुविधा प्रदान नगर्ने।<br/>तर, वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७७ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार संचालन गरेमा २०७८ असारमसान्त भित्र उक्त ऋणपत्र जारी गरेको अवस्थामा उपरोक्त बमोजिमको कारवाही गरिने छैन।</p> | <p>(१२) वाणिज्य बैंकहरु एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७९ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार संचालन गरेमा यस बैंकबाट तोकिएको न्यूनतम २५ प्रतिशत बराबर ऋणपत्र जारी गर्नु पर्ने समयवाधि २०८० असारमसान्त सम्म थप गरिनेछ।</p>  |
| <p>११६. इ.प्रा. निर्देशन नं. १६/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा ५ को खण्ड ग लाई इ.प्रा.नि. नं. १८/०७७ को बुँदा नं. ग मा उप बुँदा १३ थप गरिएको।</p> | <p>(ग) एकभन्दा बढी प्रदेशमा समेत शाखा कार्यालय खोली सञ्चालनमा रहेका वित्तीय संस्थाहरुले २०७७ असारभित्र उक्त शाखा विक्री, बन्द वा स्थानान्तरण गरी आफ्नो सम्पूर्ण कार्यक्षेत्र एउटै प्रदेशभित्र सीमित गरी सक्नु पर्नेछ। तर, एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७७ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार संचालन गर्ने संस्थाको हकमा यस्तो समयवाधि २०७८ असारमसान्त कायम गरिएकोछ।</p>   | <p>(१३) एक आपसमा गाभ्ने/गाभिने वा प्राप्ति प्रक्रियामा संलग्न भई २०७९ असार मसान्तभित्र एकीकृत कारोबार संचालन गर्ने संस्थाको हकमा एकभन्दा बढी प्रदेशमा समेत शाखा कार्यालय खोली सञ्चालनमा रहेका वित्तीय संस्थाहरुले २०७७ असारभित्र उक्त शाखा विक्री, बन्द वा स्थानान्तरण गरी आफ्नो सम्पूर्ण कार्यक्षेत्र एउटै प्रदेशभित्र सीमित गरी सक्नु पर्ने व्यवस्थाको समयवाधि २०८० असारमसान्त कायम गरिएको छ।</p> |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



३८

इ.प्रा.निर्देशन नं. १९/०७७

|      |   |  |  |
|------|---|--|--|
| ११७. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.११ को उप बुँदा २ तथा ३ मा संशोधन । | २. सम्पत्ति शुद्धीकरण निवारण सम्बन्धी व्यवस्था बमोजिमको संस्थागत तथा क्षेत्रगत जोखिम मुल्यांकन सम्बन्धी प्रतिवेदन पहिलो पटकका लागि २०७६ साल पुस महिना भित्र सम्पन्न गरी सोको प्रतिवेदन सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ ।<br>३. जोखिम मुल्यांकनको आधारमा आवश्यक नीति तथा कार्यविधि तर्जुमा गरी समग्र सम्पत्ति शुद्धीकरण निवारण सम्बन्धी कार्यप्रणाली व्यवस्थित गर्ने, जोखिम सापेक्ष ग्राहक पहिचान/अनुगमन/संकास्पद कारोबार पहिचान प्रणालीको व्यवस्था गर्ने र उक्त ऐनको परिच्छेद ६ख को व्यवस्था प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने कार्य पहिलो पटकका लागि २०७६ साल माघ महिना भित्र सम्पन्न गरी सोको प्रतिवेदन सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ । | २. जोखिम मुल्यांकनको आधारमा आवश्यक नीति तथा कार्यविधि तर्जुमा गरी समग्र सम्पत्ति शुद्धीकरण निवारण सम्बन्धी कार्यप्रणाली व्यवस्थित गर्ने, जोखिम सापेक्ष ग्राहक पहिचान/अनुगमन/संकास्पद कारोबार पहिचान प्रणालीको व्यवस्था गर्ने र उक्त ऐनको परिच्छेद ६ख को व्यवस्था प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने तथा संस्थागत तथा क्षेत्रगत जोखिम मुल्यांकन सम्बन्धी प्रतिवेदन <b>अर्ध वार्षिक रूपमा</b> सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ । |
| ११८. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.१५ को उप बुँदा १ मा संशोधन ।       | १. बैंक तथा वित्तीय संस्थाले कुनै व्यक्ति वा संस्थाले ऐनको दफा १०क. बमोजिम देहायका सीमा (Threshold) भन्दा बढी स्वदेशी वा विदेशी मुद्राको कारोबार गरेमा त्यस्तो कारोबारको विवरण कारोबार भएको मितिले १५ दिनभित्र अनुसूची १९.२ मा तोकिएको ढाँचामा वित्तीय जानकारी इकाईमा उपलब्ध गराउनु पर्नेछ र देहायका कारोबारका लागि छुट्टा छुट्टै TTR (Threshold Transaction Reporting) पेश गर्नु पर्नेछ ।   | १. बैंक तथा वित्तीय संस्थाले कुनै व्यक्ति वा संस्थाले ऐनको दफा १०क. बमोजिम देहायका सीमा (Threshold) भन्दा बढी स्वदेशी वा विदेशी मुद्राको कारोबार गरेमा त्यस्तो कारोबारको विवरण कारोबार भएको मितिले १५ दिनभित्र <b>goAML Software मार्फत</b> वित्तीय जानकारी इकाईमा उपलब्ध गराउनु पर्नेछ र देहायका कारोबारका लागि छुट्टा छुट्टै TTR (Threshold Transaction Reporting) पेश गर्नु पर्नेछ ।  |
| ११९. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.१६ मा संशोधन ।                     | शंकास्पद कारोबार सम्बन्धमा :   | शंकास्पद कारोबार/गतिविधि सम्बन्धमा :   |
| १२०. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.१६ को उप बुँदा २ मा संशोधन ।       | २. ऐनको दफा ७ध. बमोजिमको अवस्थाहरु विद्यमान भएमा शंकास्पद कारोबार यसै निर्देशन को अनुसूची १९.३ मा बमोजिमको ढाँचामा तयार गरी ३ दिनभित्र वित्तीय जानकारी इकाई समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ । सो प्रतिवेदन तयार गर्दा वित्तीय जानकारी इकाईले जारी गरेको मापदण्डहरुलाई आधार मान्नु पर्नेछ ।  | २. ऐनको दफा ७ध. बमोजिमको अवस्थाहरु विद्यमान भएमा शंकास्पद कारोबार/गतिविधि सम्बन्धी प्रतिवेदन <b>goAML Software मार्फत</b> ३ दिनभित्र वित्तीय जानकारी इकाई समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ । सो प्रतिवेदन तयार गर्दा वित्तीय जानकारी इकाईले जारी गरेको मापदण्डहरुलाई आधार मान्नु पर्नेछ ।  |
| १२१. | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.१६ को उप बुँदा ५ मा संशोधन ।       | ५. बैंक तथा वित्तीय संस्थाले ग्राहकद्वारा शंकास्पद कारोबार गर्ने प्रयास र निजको शंकास्पद गतिविधिको समेत पहिचान गर्ने प्रणाली विकास गर्नुपर्नेछ । साथै त्यस्तो शंकास्पद गतिविधि सम्बन्धी प्रतिवेदन (Suspicious Activity Report- SAR) ३ दिनभित्र वित्तीय जानकारी इकाई समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ ।   | ५. बैंक तथा वित्तीय संस्थाले ग्राहकद्वारा शंकास्पद कारोबार गर्ने प्रयास र निजको शंकास्पद गतिविधिको समेत पहिचान गर्ने प्रणाली विकास गर्नुपर्नेछ । साथै <b>ऐनको दफा ७ ध(२) बमोजिम ग्राहकले कुनै कारोबार गर्ने प्रयास मात्र गरेमा समेत</b> त्यस्तो शंकास्पद गतिविधि सम्बन्धी प्रतिवेदन (Suspicious Activity Report- SAR) <b>goAML Software मार्फत</b> ३ दिनभित्र वित्तीय जानकारी इकाई समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ ।                                  |

# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



| १२२.   | इ.प्रा.निर्देशन नं.१९/०७७ बुँदा नं.१८ को उप बुँदा २ मा संशोधन ।     | (२) ऐनको दफा ७त. को उपदफा (३) बमोजिम ऐन, नियमावली र यस निर्देशन बमोजिमको दायित्व निरन्तर रूपमा पूरा गर्न व्यवस्थापन स्तरको कार्यान्वयन अधिकारी नियुक्त गरी निजको नाम, ठेगाना, योग्यता, सम्पर्क नम्बर, इमेल लगायतका विवरण वित्तीय जानकारी इकाई समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ । साथै, कार्यान्वयन अधिकारी परिवर्तन भएमा वा निजको विवरणमा परिवर्तन भएमा सो को समेत जानकारी पठाउनु पर्नेछ ।   | (२) ऐनको दफा ७त. को उपदफा (३) बमोजिम ऐन, नियमावली र यस निर्देशन बमोजिमको दायित्व निरन्तर रूपमा पूरा गर्न व्यवस्थापन स्तरको कार्यान्वयन अधिकारी नियुक्त गरी निजको नाम, ठेगाना, योग्यता, सम्पर्क नम्बर, इमेल लगायतका विवरण वित्तीय जानकारी इकाई तथा सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभाग समक्ष पेश गर्नु पर्नेछ । साथै, कार्यान्वयन अधिकारी परिवर्तन भएमा वा निजको विवरणमा परिवर्तन भएमा सो को समेत जानकारी पठाउनु पर्नेछ । |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
|--------|---|--|--|-------|--------|--------|-----|-----------------------|--|--|-----|---|--|--|-----|--|--|--|--|--------|-------|--------|--------|-----|-----------------------|--|--|-----|---|--|--|-----|--|--|--|
| १२३.   | अनुसूची - १९.१ (क)को ९मा संशोधन ।                                   | (९) आमाबाबु वा आमा वा बाबु मध्ये कुनै एकको पूरा नाम<br>(नोट: परिवारका अन्य सदस्यहरु (जस्तै पति/पत्नि, बाजे, छोरा, छोरी, बुहारी, दाई, भाई, विवाहित महिलाको हकमा ससुरा/सासु)को विवरण बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आवश्यक ठानेको खण्डमा लिन सक्नेछन् ।)  | (९) आमाबाबु वा आमा वा बाबु मध्ये कुनै एकको पूरा नाम (अनाथको हकमा आवश्यक नपर्ने)<br>(नोट: परिवारका अन्य सदस्यहरु (जस्तै पति/पत्नि, बाजे, छोरा, छोरी, बुहारी, दाई, भाई, विवाहित महिलाको हकमा ससुरा/सासु)को विवरण बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आवश्यक ठानेको खण्डमा लिन सक्नेछन् ।)  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| १२४.   | अनुसूची - १९.१ (क) को स्पष्टीकरण (२) हटाई क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | (२)यस निर्देशन बमोजिम बृहत ग्राहक पहिचान पद्धति (ECDD) अपनाउनु पर्ने ग्राहकहरुको हकमा भने एकाघर परिवारका सदस्यहरुको नागरिकता वा राहदानी वा मतदाता परिचय-पत्र वा सवारी चालक अनुमतिपत्रको छविचित्र (नावालकको हकमा परिचयपत्र) लिनु पर्नेछ ।   | हटाइएको ।  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| १२५.   | अनुसूची १९.२  | अनुसूची १९.२   | हटाइएको ।  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| १२६.   | अनुसूची १९.३  | अनुसूची १९.३   | हटाइएको ।  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| १२७.   | अनुसूची-१९.४ मा क्रमसंख्या मिलान गरिएको ।                           | <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 5%;">सि.नं.</th> <th style="width: 45%;">विवरण</th> <th style="width: 10%;">संख्या</th> <th style="width: 40%;">कैफियत</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">(१)</td> <td>जम्मा ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td style="text-align: center;">(२)</td> <td>पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td style="text-align: center;">(४)</td> <td>पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table> | सि.नं.   | विवरण | संख्या | कैफियत | (१) | जम्मा ग्राहकको संख्या |  |  | (२) | पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या |  |  | (४) | पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या |  |  | <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <thead> <tr> <th style="width: 5%;">सि.नं.</th> <th style="width: 45%;">विवरण</th> <th style="width: 10%;">संख्या</th> <th style="width: 40%;">कैफियत</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td style="text-align: center;">(१)</td> <td>जम्मा ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td style="text-align: center;">(२)</td> <td>पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> <tr> <td style="text-align: center;">(३)</td> <td>पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या</td> <td></td> <td></td> </tr> </tbody> </table> | सि.नं. | विवरण | संख्या | कैफियत | (१) | जम्मा ग्राहकको संख्या |  |  | (२) | पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या |  |  | (३) | पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या |  |  |
| सि.नं. | विवरण   | संख्या   | कैफियत   |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (१)    | जम्मा ग्राहकको संख्या   |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (२)    | पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या                         |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (४)    | पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या        |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| सि.नं. | विवरण   | संख्या   | कैफियत   |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (१)    | जम्मा ग्राहकको संख्या   |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (२)    | पहिचान अद्यावधिक हुन नसकेको ग्राहकको संख्या                         |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |
| (३)    | पहिचान पूरा नभएका कारण सम्बन्ध अन्त्य गरिएका ग्राहकको संख्या        |  |  |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |  |        |       |        |        |     |                       |  |  |     |   |  |  |     |  |  |  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४०

इ.प्रा.निर्देशन नं. २०/०७७

|      |   |   |  |
|------|---|---|--|
| १२८. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २०/०७७ को बुँदा नं.१ मा उप बुँदा घ थप गरी क्रमसंख्या मिलाउन गरिएको । | नभएको ।   | (घ) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले आफ्ना इन्टरनेट बैंकिङ तथा मोबाइल एप्लिकेशनमा कर्जा एवम् निक्षेपको ब्याजदर प्रष्ट देखिने व्यवस्था मिलाउनु पर्नेछ ।  |
| १२९. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २०/०७७ को बुँदा नं.१ मा उप बुँदा ड थप गरी क्रमसंख्या मिलाउन गरिएको । | नभएको ।   | (ड) Core banking system मा ग्राहकको कारोबारको विवरण प्रबिष्टि गर्दा सो कारोबारको विवरण स्पष्ट बुझिने गरी narration लेख्नु पर्नेछ । यस प्रयोजनको लागि alpha-numeric code हरूको प्रयोग गर्न पाइने छैन ।  |
| १३०. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७ बुँदा नं. ४ मा संशोधन ।   | (४) ज्येष्ठ नागरिक, फरक ढंगले सक्षम र साक्षर नभएका व्यक्तिलाई विशेष प्राथमिकता दिई सहज रूपले बैंकिङ सुविधा उपलब्ध गराउन बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले त्यस्ता ग्राहकहरूलाई विशेष काउण्टर तोकौ सेवा दिनु पर्नेछ । साथै, बैंक तथा वित्तीय संस्थाले आपसमा समन्वय गरी फरक ढंगले सक्षम व्यक्तिहरूलाई सम्भव भएसम्म सरल हुने किसिमको एटिएम सेवा प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाउनु पर्नेछ ।                    | (४) ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्ग र साक्षर नभएका व्यक्तिलाई विशेष प्राथमिकता दिई सहज रूपले बैंकिङ सुविधा उपलब्ध गराउन बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले त्यस्ता ग्राहकहरूलाई विशेष काउण्टर तोकौ सेवा दिनु पर्नेछ । बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूले अपाङ्गता भएका व्यक्तिलाई एटिम, मोबाइल बैंकिङ, इन्टरनेट बैंकिङ जस्ता वित्तीय सेवाहरू व्यक्ति स्वयंले उक्त सेवा उपयोग गर्न सक्षम रहेको यकिन गरी उपलब्ध गराउनु पर्नेछ । |
| १३१. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २०/०७७ को बुँदा नं. ९ को उप बुँदा घ मा संशोधन ।                      | सूचना सम्बन्धी व्यवस्था<br>घ) इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले ग्राहकको गुनासो सुनुवाईका लागि आफ्नो वेबसाइटमा अनलाइन पोर्टलको समेत व्यवस्था गर्नु पर्नेछ .  | सूचना सम्बन्धी व्यवस्था<br>घ) इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले ग्राहकको गुनासो सुनुवाईका लागि आफ्नो वेबसाइटमा अनलाइन पोर्टलको समेत व्यवस्था गर्नु पर्नेछ र पोर्टलमा कुन तह बाट गुनासो सम्बोधन हुने हो सो को जानकारी समेत उपलब्ध हुनुपर्नेछ ।   |
| १३२. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७ बुँदा नं. ९ को उप बुँदा ड मा संशोधन ।                           | (ड) इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले एक आर्थिक वर्षभरी ग्राहकबाट प्राप्त भएको गुनासो र सुनुवाई भएको गुनासोको संख्यात्मक विवरण आर्थिक वर्ष समाप्त भएको १५ दिनभित्र यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नुका साथै आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदनमा समेत प्रकाशन गर्नु पर्नेछ ।  | (ड) इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले ग्राहकबाट प्राप्त भएको गुनासो र निरुपणको अवस्था अर्धवार्षिक (असार, पुस) रूपमा अवधि समाप्त भएको १५ दिनभित्र यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र सम्बन्धित सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नुका साथै आफ्नो वार्षिक प्रतिवेदनमा समेत प्रकाशन गर्नु पर्नेछ ।   |
| १३३. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७ बुँदा नं. ८ को उप बुँदा चको दोस्रो हरफ मा संशोधन ।              | (उदाहरणको लागि ग्राहकको सम्बन्धमा कर्जा सूचना प्राप्त गर्दा वा कालोसूचीमा सूचीकृत गर्दा वा सो सूचीबाट हटाउँदा लिइने शुल्क कर्जा सूचना केन्द्रले लिने शुल्क भन्दा बढी हुने गरी असुल गर्न पाइने छैन । त्यसैगरी एटीएम प्रयोग वापत लिइने शुल्क, विभिन्न कार्डहरूमा लिइने शुल्क, धितो मूल्यांकन वापत लिइने शुल्क, वीमा शुल्क लगायतका शुल्कहरू सेवा प्रदायकले लिने भन्दा बढी हुने गरी लिन पाइने छैन । ) | (उदाहरणको लागि ग्राहकको सम्बन्धमा कर्जा सूचना प्राप्त गर्दा वा कालोसूचीमा सूचीकृत गर्दा वा सो सूचीबाट हटाउँदा लिइने शुल्क कर्जा सूचना केन्द्रले लिने शुल्क भन्दा बढी हुने गरी असुल गर्न पाइने छैन । त्यसैगरी धितो मूल्यांकन वापत लिइने शुल्क, वीमा शुल्क लगायत तेश्रो पक्षले लिने शुल्कहरू सेवा प्रदायकले लिने भन्दा बढी हुने गरी लिन पाइने छैन । )  |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४९

|      |   |   |  |
|------|---|---|--|
| १३४. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७<br>बुँदा नं. ८ को उप बुँदा छ मा संशोधन ।      | (छ) ग्राहकले आफ्नो स्वीकृत कर्जा सीमाको वार्षिक औसत ६० प्रतिशतभन्दा कम रकम उपयोग गरेमा कम हुने रकममा मात्र निश्चित दरले प्रतिवद्धता शुल्क लिन सक्नेछन् । यस्तो शुल्क अग्रिम रुपमा लिन पाइने छैन । आवधिक कर्जाको हकमा स्वीकृत कर्जा सीमाभन्दा कम उपयोग गरेको अवस्थामा कम उपयोग गरेको रकममा मात्र एकपटकका लागि प्रतिवद्धता शुल्क लिन सकिनेछ । | (छ)ग्राहकले आफ्नो स्वीकृत कर्जा सीमाको वार्षिक औसत ६० प्रतिशतभन्दा कम रकम उपयोग गरेमा कम हुने रकममा मात्र निश्चित दरले प्रतिवद्धता शुल्क लिन सक्नेछन् (जस्तै, औसतमा ३५ प्रतिशत मात्र उपभोग गरेको भए उपभोग नगरेको २५ प्रतिशतमा मात्र प्रतिवद्धता शुल्क लिने) । यस्तो शुल्क अग्रिम रुपमा लिन पाइने छैन । आवधिक कर्जाको हकमा स्वीकृत कर्जा सीमाभन्दा कम उपयोग गरेको अवस्थामा उपयोग नगरेको रकममा मात्र एकपटकका लागि प्रतिवद्धता शुल्क लिन सकिनेछ । |
| १३५. | इ.प्रा. निर्देशन नं.२०/०७७ को बुँदा ८ मा प्रतिबन्धात्मक वाक्यांश थप ।   | ८. सेवा शुल्क सम्बन्धी व्यवस्था<br>बैंक तथा वित्तीय संस्थाले कर्जा प्रवाह गर्दा देहायका व्यवस्थाहरुको अधीनमा रही प्रशासनिक सेवा शुल्क, अग्रिम भुक्तानी शुल्क तथा प्रतिवद्धता शुल्क लिन सक्नेछन् ।   | ८. सेवा शुल्क सम्बन्धी व्यवस्था<br>बैंक तथा वित्तीय संस्थाले कर्जा प्रवाह गर्दा देहायका व्यवस्थाहरुको अधीनमा रही प्रशासनिक सेवा शुल्क, अग्रिम भुक्तानी शुल्क तथा प्रतिवद्धता शुल्क लिन सक्नेछन् ।<br>तर, आफ्नै मुद्दती रसिदको धितोमा कर्जा प्रवाह गर्दा कुनै पनि किसिमको शुल्क लिन पाइने छैन ।   |
| १३६. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७ बुँदा नं. ९ को उप बुँदा क मा संशोधन ।         | (क) सेवाग्राहीलाई पर्ने असुविधा तथा सर्वसाधारणको गुनासो सुनुवाई गर्न इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले “सूचना तथा गुनासो सुनुवाई डेस्क” स्थापना गरी कम्तीमा वरिष्ठ व्यवस्थापक वा सो भन्दा माथिको अधिकारीलाई गुनासो सुन्ने अधिकारी तोक्नु पर्नेछ । त्यस्तो अधिकारी तोकिएको सम्बन्धमा सार्वजनिक जानकारी दिनुपर्नेछ ।                                 | (क) सेवाग्राहीलाई पर्ने असुविधा तथा सर्वसाधारणको गुनासो सुनुवाई गर्न इजाजतपत्र प्राप्त संस्थाले “सूचना तथा गुनासो सुनुवाई डेस्क” स्थापना गरी कम्तीमा वरिष्ठ व्यवस्थापक वा सो भन्दा माथिको अधिकारीलाई गुनासो सुन्ने अधिकारी तोक्नु पर्नेछ । त्यस्तो अधिकारी तोकिएको सम्बन्धमा सार्वजनिक जानकारी दिनुपर्नेछ र इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले उक्त अधिकारीको नाम, पद र मोबाइल नम्बर वेबसाइटमा राख्नुपर्नेछ ।   |
| १३७. | इ.प्रा.निर्देशन नं.२०/०७७ बुँदा नं. १५ थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | नभएको   | (१५) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाले एकतर्फी रुपले ग्राहकको अनुमति विना कुनै पनि प्रकारको वित्तीय सेवा उपलब्ध गराउन पाउने छैनन् । ग्राहकको अनुमति विना उपलब्ध गराइएका त्यस्ता सेवावापत कुनै सेवा शुल्क लिएमा १० प्रतिशत थप गरी ग्राहकको खातामा जम्मा गर्नु पर्नेछ ।   |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४२

इ.प्रा.निर्देशन नं. २१/०७७

|      |   |   |  |
|------|---|---|--|
| १३८. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २१/०७७ को बुँदा नं. ४ को उप बुँदा ३ को खण्ड ग मा संशोधन । | (ग) यस बैंकबाट जारी गरिएका विभिन्न निर्देशनहरु मध्ये श्रोत परिचालनमा स्वदेशी मुद्रामा प्रवाह भएको कर्जा सापटको अनुपात (CCD Ratio) र तोकिएका क्षेत्र एवम् विपन्न वर्गमा प्रवाह गर्नुपर्ने गरी तोकिएको न्यूनतम कर्जा अनुपातमा आवश्यकता तथा औचित्यताको आधारमा अधिकतम २ वर्ष सम्म छुट दिन सकिनेछ ।  | (ग) यस बैंकबाट जारी गरिएका विभिन्न निर्देशनहरु मध्ये <b>कर्जा-निकषेप अनुपात (CD Ratio)</b> र तोकिएका क्षेत्र एवम् विपन्न वर्गमा प्रवाह गर्नुपर्ने गरी तोकिएको न्यूनतम कर्जा अनुपातमा आवश्यकता तथा औचित्यताको आधारमा अधिकतम २ वर्ष सम्म छुट दिन सकिनेछ ।  |
| १३९. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १२ मा थप व्यवस्था ।                    | इ.प्रा.निर्देशन नं. २१/०७७ बुँदा नं. ८ लाई इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १२ मा राख्ने ।  |  |
| १४०. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १३ मा थप व्यवस्था ।                    | इ.प्रा.निर्देशन नं. २१/०७७ बुँदा नं. ९ लाई इ.प्रा.निर्देशन नं. २/०७७ को बुँदा नं. १३ मा राख्ने ।  |  |
| १४१. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २१/०७७ बुँदा नं. १९ को उप बुँदा ६ मा संशोधन ।             | (६) सेफ डिपोजिट भल्ट सञ्चालन गर्नु अगावै सुरक्षाको लागि CCTV जडान हुनुपर्ने साथै अलार्म पद्धति (Fire and Smoke Detection Alarm System) को व्यवस्था गरी सो अलार्म पद्धतिबाट प्रमुख सुरक्षा अधिकृत र सरकारी सुरक्षा निकायसम्म सूचना प्रवाह गर्न सकिने किसिमको व्यवस्था अनिवार्य रूपमा हुनुपर्ने ।   | (६) सेफ डिपोजिट भल्ट सञ्चालन गर्नु अगावै सुरक्षाको लागि CCTV जडान हुनुपर्ने साथै अलार्म पद्धति (Fire and Smoke Detection Alarm System) को व्यवस्था गरी सो अलार्म पद्धतिबाट <b>सम्बन्धित बैंक तथा वित्तीय संस्थाको प्रमुख सुरक्षा अधिकृत सम्म</b> सूचना प्रवाह गर्न सकिने किसिमको व्यवस्था अनिवार्य रूपमा हुनुपर्ने ।   |
| १४२. | इ.प्रा.निर्देशन नं. २०/०७७ बुँदा नं. ३१ मा संशोधन ।                           | (३१) खाता रोक्का/फुकुवा सम्बन्धी सूचना/निर्देशन वेवसाइटबाट हेरी गर्ने/गराउने सम्बन्धमा इजाजतपत्रप्राप्त बैंक/वित्तीय संस्थाहरुमा रहेका व्यक्ति/फर्म/कम्पनी/संघ संस्थाहरुको खाता रोक्का/फुकुवा सम्बन्धी सूचना/निर्देशनलाई यस बैंकको वेभ साइट <a href="http://bfr.nrb.org.np/acstatus">http://bfr.nrb.org.np/acstatus</a> मा राखिने व्यवस्था रहेको छ । उक्त Website मा राखिने सूचना/निर्देशनमा बैंक/वित्तीय संस्थाहरुको पहुँचका लागि User ID र Password बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभागबाट प्रदान गर्ने व्यवस्था भएकोले सम्बन्धित संस्थाले त्यस्तो User ID र Password लिई यस बैंकको वेवसाइटको उक्त ठेगानामा राखिने सूचना/निर्देशनलाई आधिकारिक मानी कार्यवाही गर्नुपर्नेछ । सो सम्बन्धमा फ्याक्स तथा पत्राचार नगरिने र वेवसाइटमा | (३१) <b>खाता रोक्का/फुकुवा सम्बन्धी सूचना/निर्देशन वेवसाइटबाट हेरी गर्ने/गराउने सम्बन्धमा</b><br>(१) इजाजतपत्रप्राप्त बैंक/वित्तीय संस्थाहरुमा रहेका व्यक्ति/फर्म/कम्पनी/संघ संस्थाहरुको खाता रोक्का/फुकुवा सम्बन्धी सूचना/निर्देशनलाई यस बैंकको वेभ साइट <a href="http://bfr.nrb.org.np/acstatus">http://bfr.nrb.org.np/acstatus</a> मा राखिने व्यवस्था रहेको छ । उक्त Website मा राखिने सूचना/निर्देशनमा बैंक/वित्तीय संस्थाहरुको पहुँचका लागि User ID र Password बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभागबाट प्रदान गर्ने व्यवस्था भएकोले सम्बन्धित संस्थाले त्यस्तो User ID र Password लिई यस बैंकको वेवसाइटको उक्त ठेगानामा राखिने सूचना/निर्देशनलाई आधिकारिक मानी |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४३

|      |  |  |  |
|------|--|--|--|
|      |  | भएको सूचना अनुसारको कामकारवाही नभएमा सम्बन्धित बैंक/वित्तीय संस्था नै जिम्मेवार रहने छन् ।   | वेवसाइटमा राखिएको दिन कार्यान्वयन गर्नुपर्नेछ । सो सम्बन्धमा प्याक्स तथा पत्राचार नगरिने र वेवसाइटमा भएको सूचना अनुसारको कामकारवाही सोही दिन सम्पादन नभएमा सम्बन्धित बैंक/वित्तीय संस्था तथा जिम्मेवार अधिकारी जवाफदेही हुने छन् ।<br>साथै, खाता रोक्का/फुकुवा सम्बन्धी कार्य सम्पन्न भए पछि सोको तथ्याङ्क/जानकारी SIS को NRB31- Account Blocked and Released Details बमोजिमको ढाँचामा सोको तथ्याङ्क/जानकारी SIS मार्फत पठाउनु पर्ने छ ।   |
| १४३. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २१/०७७ को बुँदा ३६ थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | नभएको  | ३६. इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले नेपाल राष्ट्र बैंक जाली नोट तथा खोटो सिक्का सम्बन्धी विनियमावली, २०७७ को पालना गरी सोहिबमोजिम गर्नु/गराउनु पर्नेछ ।  |
| १४४. | इ.प्रा. निर्देशन नं. २१/०७७ को बुँदा ४६ थप गरी क्रमसंख्या मिलान गरिएको । | ४६. बैंक वा वित्तीय संस्थाले प्राकृतिक व्यक्तिको नाममा स्वदेशी मुद्रामा एउटै प्रकृतिको एक भन्दा बढी खाता खोल्न पाइने छैन । यसैगरी एकजना व्यक्तिलाई एउटै प्रकारको एक भन्दा बढी कार्ड (डेबिट/क्रेडिट) जारी गर्न पाइने छैन । तर, मुद्दती खाता तथा सामाजिक सुरक्षा वापतको रकम वितरण, राष्ट्रिय पुनरनिर्माण प्राधिकरणबाट अनुदान वितरण, पेन्सन वितरण प्रयोजनका लागि खोलिएका बचत खाता एवम् नाबालकको खाता तथा एक कार्ड मात्र जारी हुने गरी खोलिएका संयुक्त खाताका हकमा भने यो व्यवस्था लागू हुने छैन । | ४६. बैंक वा वित्तीय संस्थाले प्राकृतिक व्यक्तिको नाममा स्वदेशी मुद्रामा एउटै प्रकृतिको एक भन्दा बढी खाता खोल्न पाइने छैन । यसैगरी एकजना व्यक्तिलाई एउटै प्रकारको एक भन्दा बढी कार्ड (डेबिट/क्रेडिट) जारी गर्न पाइने छैन । तर, मुद्दती खाता तथा सामाजिक सुरक्षा वापतको रकम वितरण, राष्ट्रिय पुनरनिर्माण प्राधिकरणबाट अनुदान वितरण, पेन्सन वितरण प्रयोजनका लागि खोलिएका बचत खाता, विप्रेषण वापतको रकममा थप १ प्रतिशत प्रदान गर्ने गरी खोलिएको खाता एवम् नाबालकको खाता तथा एक कार्ड मात्र जारी हुने गरी खोलिएका संयुक्त खाताका हकमा भने यो व्यवस्था लागू हुने छैन । |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४४

विद्यमान व्यवस्था

**FORM NO. 1A CAPITAL ADEQUACY TABLE**

(Rs.In ....)

| 1. 1 Risk Weighted Exposures  |   | Current Period | Previous Period |
|---|---|----------------|-----------------|
| a   | Risk Weighted Exposure for Credit Risk  |                |                 |
| b   | Risk Weighted Exposure for Operational Risk   |                |                 |
| c   | Risk Weighted Exposure for Market Risk  |                |                 |
| <i>Adjustments under Pillar II</i>                                    |   |                |                 |
|   | Add: 3% of the total RWE due to non compliance to Disclosure Requirement (6.4 a 10) |                |                 |
|   | Add: ....% of the total deposit due to insufficient Liquid Assets(6.4 a 6)          |                |                 |
| Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II) |   |                |                 |
| 1.2 CAPITAL   |   | Current Period | Previous Period |
| Tier 1 Capital (Core Capital) (CET1 +AT1)                             |   | 0              | 0               |
| Common Equity Tier 1 (CET 1)  |   | 0              | 0               |
| a   | Paid up Equity Share Capital  |                |                 |
| b   | Equity Share Premium  |                |                 |
| c   | Proposed Bonus Equity Shares  |                |                 |
| d   | Statutory General Reserves  |                |                 |
| e   | Retained Earnings   |                |                 |
| f   | Un-audited current year cumulative profit/(Loss)                                    |                |                 |
| g   | Capital Redemption Reserve  |                |                 |
| h   | Capital Adjustment Reserve  |                |                 |
| i   | Dividend Equalization Reserves  |                |                 |
| j   | Bargain purchase gain   |                |                 |
| k   | Other Free Reserve  |                |                 |
| l   | Less: Goodwill  |                |                 |
| m   | Less: Intangible Assets   |                |                 |
| n   | Less: Deferred Tax Assets   |                |                 |
| o   | Less: Fictitious Assets   |                |                 |
| p   | Less: Investment in equity in licensed Financial Institutions                       |                |                 |
| q   | Less: Investment in equity of institutions with financial interests                 |                |                 |
| r   | Less: Investment in equity of institutions in excess of limits                      |                |                 |
| s   | Less: Investments arising out of underwriting commitments                           |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४५

|   |   |                |                 |
|---|---|----------------|-----------------|
| t   | Less: Reciprocal crossholdings  |                |                 |
| u   | Less: Purchase of land & building in excess of limit & unutilized                       |                |                 |
| v   | Less: Cash Flow Hedge   |                |                 |
| w   | Less: Defined Benefit Pension Assets  |                |                 |
| x   | Less: Un recognized Defined Benefit Pension Liabilities                                 |                |                 |
| y   | Less: Negative balance of reserve accounts  |                |                 |
| z   | Less: Other Deductions  |                |                 |
| <i>Adjustments under Pillar II</i>  |   |                |                 |
|   | Less: Shortfall in Provision (6.4 a 1)  |                |                 |
|   | Less: Loans and Facilities extended to Related Parties and Restricted lending (6.4 a 2) |                |                 |
| Additional Tier 1 (AT1)   |   |                |                 |
| a   | Perpetual Non Cumulative Preference Share Capital                                       |                |                 |
| b   | Perpetual Debt Instruments  |                |                 |
| c   | Stock Premium   |                |                 |
| Supplementary Capital (Tier II)   |   | 0              | 0               |
| a   | Cumulative and/or Redeemable Preference Share   |                |                 |
| b   | Subordinated Term Debt  |                |                 |
| c   | Hybrid Capital Instruments  |                |                 |
| d   | Stock Premium   |                |                 |
| e   | General loan loss provision   |                |                 |
| f   | Exchange Equalization Reserve   |                |                 |
| g   | Investment Adjustment Reserve   |                |                 |
| h   | Assets Revaluation Reserve  |                |                 |
| i   | Other Reserves  |                |                 |
| Total Capital Fund (Tier I and Tier II)   |   | 0              | 0               |
| 1.3 CAPITAL ADEQUACY RATIOS   |   | Current Period | Previous Period |
| Common Equity Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II) |   |                |                 |
| Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)               |   |                |                 |
| Tier 1 and Tier 2 Capital to Total Risk Weighted Exposures(After Bank's adjustments of Pillar II)     |   |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४६

संशोधित व्यवस्था

FORM NO. 1A CAPITAL ADEQUACY TABLE

(Rs.In .....)

| 1. 1 Risk Weighted Exposures  |   | Current Period | Previous Period |
|---|---|----------------|-----------------|
| a   | Risk Weighted Exposure for Credit Risk                              |                |                 |
| b   | Risk Weighted Exposure for Operational Risk                         |                |                 |
| c   | Risk Weighted Exposure for Market Risk                              |                |                 |
| <i>Adjustments under Pillar II</i>                                    |   |                |                 |
|   | <b>Adjustment as per SRP 6.4a (5)</b>                               |                |                 |
|   | <b>Adjustment as per SRP 6.4a (6)</b>                               |                |                 |
|   | <b>Adjustment as per SRP 6.4a (7)</b>                               |                |                 |
|   | <b>Adjustment as per SRP 6.4a (9)</b>                               |                |                 |
|   | <b>Adjustment as per SRP 6.4a (10)</b>                              |                |                 |
| Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II) |   |                |                 |
| 1.2 CAPITAL   |   | Current Period | Previous Period |
| Tier 1 Capital (Core Capital) (CET1 +AT1)                             |   | 0              | 0               |
| Common Equity Tier 1 (CET 1)  |   | 0              | 0               |
| a   | Paid up Equity Share Capital  |                |                 |
| b   | Equity Share Premium  |                |                 |
| c   | Proposed Bonus Equity Shares  |                |                 |
| d   | Statutory General Reserves  |                |                 |
| e   | Retained Earnings   |                |                 |
| f   | Un-audited current year cumulative profit/(Loss)                    |                |                 |
| g   | Capital Redemption Reserve  |                |                 |
| h   | Capital Adjustment Reserve  |                |                 |
| i   | <b>Debenture Redemption Reserve</b>                                 |                |                 |
| j   | Dividend Equalization Reserves                                      |                |                 |
| k   | Bargain purchase gain   |                |                 |
| l   | Other Free Reserve  |                |                 |
| m   | Less: Goodwill  |                |                 |
| n   | Less: Intangible Assets   |                |                 |
| o   | Less: Deferred Tax Assets   |                |                 |
| p   | Less: Fictitious Assets   |                |                 |
| q   | Less: Investment in equity in licensed Financial Institutions       |                |                 |
| r   | Less: Investment in equity of institutions with financial interests |                |                 |
| s   | Less: Investment in equity of institutions in excess of limits      |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४७

|   |   |                |                 |
|---|---|----------------|-----------------|
| t   | Less: Investments arising out of underwriting commitments                     |                |                 |
| u   | Less: Reciprocal crossholdings  |                |                 |
| v   | Less: Purchase of land & building in excess of limit & unutilized             |                |                 |
| w   | Less: Cash Flow Hedge   |                |                 |
| x   | Less: Defined Benefit Pension Assets  |                |                 |
| y   | Less: Un recognized Defined Benefit Pension Liabilities                       |                |                 |
| z   | Less: Negative balance of reserve accounts                                    |                |                 |
| a1  | Less: Other Deductions  |                |                 |
| <i>Adjustments under Pillar II</i>  |   |                |                 |
|   | Less: Shortfall in Provision (6.4 a 1)  |                |                 |
|   | Less: Loans and Facilities extended to Related Parties and Restricted lending |                |                 |
| Additional Tier 1 (AT1)   |   |                |                 |
| a   | Perpetual Non-Cumulative Preference Share Capital                             |                |                 |
| b   | Perpetual Debt Instruments  |                |                 |
| c   | Stock Premium   |                |                 |
| Supplementary Capital (Tier II)   |   | 0              | 0               |
| a   | Cumulative and/or Redeemable Preference Share                                 |                |                 |
| b   | Subordinated Term Debt  |                |                 |
| c   | Hybrid Capital Instruments  |                |                 |
| d   | Stock Premium   |                |                 |
| e   | General loan loss provision   |                |                 |
| f   | Exchange Equalization Reserve   |                |                 |
| g   | Investment Adjustment Reserve   |                |                 |
| h   | Assets Revaluation Reserve  |                |                 |
| i   | Other Reserves  |                |                 |
| Total Capital Fund (Tier I and Tier II)   |   | 0              | 0               |
| 1.3 CAPITAL ADEQUACY RATIOS   |   | Current Period | Previous Period |
| Common Equity Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II) |   |                |                 |
| Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)               |   |                |                 |
| Tier 1 and Tier 2 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)    |   |                |                 |

\*The balance of employee training and capacity development fund, Corporate Social Responsibility Fund, Regulatory Reserve and other funds that are restricted for distribution and Fair Value Reserve, Actuarial Loss (positive figure from OCI) should not be included in Other Free Reserve

\*कर्मचारी दक्षता अभिवृद्धि कोष, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कोष, नियामकीय जगेडा जस्ता निषेधित जगेडा तथा Fair Value Reserve, Actuarial Loss को घनात्मक रकम जस्ता OCI बाट सिर्जित जगेडा पुँजीकोषमा समावेश गर्न पाइने छैन ।

**Note: this table should be based on the figures as reported in financial statements, as per applicable reporting standards.**

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४८

विद्यमान व्यवस्था

FORM NO. 1 CAPITAL ADEQUACY TABLE

(Rs.In ....)

| 1. 1 Risk Weighted Exposures   |   | Current Period | Previous Period |
|--|---|----------------|-----------------|
| a  | Risk Weighted Exposure for Credit Risk  |                |                 |
| b  | Risk Weighted Exposure for Operational Risk   |                |                 |
| c  | Risk Weighted Exposure for Market Risk  |                |                 |
| <b>Adjustments under Pillar II</b>   |   |                |                 |
|  | Add: 3% of the total RWE due to non compliance to Disclosure Requirement (6.4 a 10) |                |                 |
|  | Add: ....% of the total deposit due to insufficient Liquid Assets(6.4 a 6)          |                |                 |
| <b>Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)</b> |   |                |                 |
| 1.2 CAPITAL  |   | Current Period | Previous Period |
| <b>Core Capital (Tier 1)</b>   |   |                |                 |
| a  | Paid up Equity Share Capital  |                |                 |
| b  | Irredeemable Non-cumulative preference shares                                       |                |                 |
| c  | Share Premium   |                |                 |
| d  | Proposed Bonus Equity Shares  |                |                 |
| e  | Statutory General Reserves  |                |                 |
| f  | Retained Earnings   |                |                 |
| g  | Un-audited current year cumulative profit/(Loss)                                    |                |                 |
| h  | Capital Redemption Reserve  |                |                 |
| i  | Capital Adjustment Reserve  |                |                 |
| j  | Dividend Equalization Reserves  |                |                 |
| l  | Other Free Reserve  |                |                 |
| m  | Less: Goodwill  |                |                 |
| n  | Less: Deferred Tax Assets   |                |                 |
| o  | Less: Fictitious Assets   |                |                 |
| p  | Less: Investment in equity in licensed Financial Institutions                       |                |                 |
| q  | Less: Investment in equity of institutions with financial interests                 |                |                 |
| r  | Less: Investment in equity of institutions in excess of limits                      |                |                 |
| s  | Less: Investments arising out of underwriting commitments                           |                |                 |
| t  | Less: Reciprocal crossholdings  |                |                 |
| u  | Less: Purchase of land & building in excess of limit & unutilized                   |                |                 |
| v  | Less: Other Deductions  |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



४९

|  |   |  |                |                 |
|--|---|--|----------------|-----------------|
| <b>Adjustments under Pillar II</b>   |   |  |                |                 |
|  | Less: Shortfall in Provision (6.4 a 1)  |  |                |                 |
|  | Less: Loans and Facilities extended to Related Parties and Restricted lending (6.4 a 2) |  |                |                 |
| <b>Supplementary Capital (Tier II)</b>   |   |  | <b>0</b>       | <b>0</b>        |
| a  | Cumulative and/or Redeemable Preference Share   |  |                |                 |
| b  | Subordinated Term Debt  |  |                |                 |
| c  | Hybrid Capital Instruments  |  |                |                 |
| d  | General Loan Loss Provision   |  |                |                 |
| e  | Exchange Equalization Reserve   |  |                |                 |
| f  | Investment Adjustment Reserve   |  |                |                 |
| g  | Assets Revaluation Reserve  |  |                |                 |
| h  | Other Reserves  |  |                |                 |
| <b>Total Capital Fund (Tier I and Tier II)</b>   |   |  | <b>0</b>       | <b>0</b>        |
| <b>1.3 CAPITAL ADEQUACY RATIOS</b>   |   |  | <b>Current</b> | <b>Previous</b> |
|  |   |  | <b>Period</b>  | <b>Period</b>   |
| Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)            |   |  |                |                 |
| Tier 1 and Tier 2 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II) |   |  |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५०

संशोधित व्यवस्था  
FORM NO. 1 CAPITAL ADEQUACY TABLE

(Rs.In .....)

| 1. 1 Risk Weighted Exposures   |   | Current Period | Previous Period |
|--|---|----------------|-----------------|
| a  | Risk Weighted Exposure for Credit Risk  |                |                 |
| b  | Risk Weighted Exposure for Operational Risk   |                |                 |
| c  | Risk Weighted Exposure for Market Risk  |                |                 |
| <b>Adjustments under Pillar II</b>   |   |                |                 |
|  | Add: 3% of the total RWE due to non compliance to Disclosure Requirement (6.4 a 10) |                |                 |
|  | Add: ...% of the total deposit due to insufficient Liquid Assets(6.4 a 6)           |                |                 |
| <b>Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)</b> |   |                |                 |
| 1.2 CAPITAL  |   | Current Period | Previous Period |
| <b>Core Capital (Tier 1)</b>   |   |                |                 |
| a  | Paid up Equity Share Capital  |                |                 |
| b  | Irredeemable Non-cumulative preference shares                                       |                |                 |
| c  | Share Premium   |                |                 |
| d  | Proposed Bonus Equity Shares  |                |                 |
| e  | Statutory General Reserves  |                |                 |
| f  | Retained Earnings   |                |                 |
| g  | Un-audited current year cumulative profit/(Loss)                                    |                |                 |
| h  | Capital Redemption Reserve  |                |                 |
| i  | Capital Adjustment Reserve  |                |                 |
| <b>j</b>   | <b>Debenture Redemption Reserves</b>  |                |                 |
| l  | Dividend Equalization Reserves  |                |                 |
| m  | Other Free Reserve  |                |                 |
| n  | Less: Goodwill  |                |                 |
| o  | Less: Deferred Tax Assets   |                |                 |
| p  | Less: Fictitious Assets   |                |                 |
| q  | Less: Investment in equity in licensed Financial Institutions                       |                |                 |
| r  | Less: Investment in equity of institutions with financial interests                 |                |                 |
| s  | Less: Investment in equity of institutions in excess of limits                      |                |                 |
| t  | Less: Investments arising out of underwriting commitments                           |                |                 |
| u  | Less: Reciprocal crossholdings  |                |                 |
| v  | <b>Less: Purchase of land &amp; building in excess of limit &amp; unutilized</b>    |                |                 |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५९

|   |   |                       |                        |
|---|---|-----------------------|------------------------|
| w   | Less: Other Deductions  |                       |                        |
| <b><u>Adjustments under Pillar II</u></b>   |   |                       |                        |
|   | Less: Shortfall in Provision (6.4 a 1)  |                       |                        |
|   | Less: Loans and Facilities extended to Related Parties and Restricted lending (6.4 a 2) |                       |                        |
| <b>Supplementary Capital (Tier II)</b>  |   | <b>0</b>              | <b>0</b>               |
| a   | Cumulative and/or Redeemable Preference Share   |                       |                        |
| b   | Subordinated Term Debt  |                       |                        |
| c   | Hybrid Capital Instruments  |                       |                        |
| d   | General Loan Loss Provision   |                       |                        |
| e   | Exchange Equalization Reserve   |                       |                        |
| f   | Investment Adjustment Reserve   |                       |                        |
| g   | Assets Revaluation Reserve  |                       |                        |
| h   | Other Reserves  |                       |                        |
| <b>Total Capital Fund (Tier I and Tier II)</b>  |   | <b>0</b>              | <b>0</b>               |
| <b>1.3 CAPITAL ADEQUACY RATIOS</b>  |   | <b>Current Period</b> | <b>Previous Period</b> |
| Tier 1 Capital to Total Risk Weighted Exposures (After Bank's adjustments of Pillar II)           |   |                       |                        |
| Tier 1 and Tier 2 Capital to Total Risk Weighted Exposures(After Bank's adjustments of Pillar II) |   |                       |                        |

\*\*The balance of employee training and capacity development fund, Corporate Social Responsibility Fund, Regulatory Reserve and other funds that are restricted for distribution and Fair Value Reserve, Actuarial Loss (positive figure from OCI) should not be included in Other Free Reserve

\*कर्मचारी दक्षता अभिवृद्धि कोष, संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कोष, नियामकीय जगेडा जस्ता निषेधित जगेडा तथा Fair Value Reserve, Actuarial Loss को धनात्मक रकम जस्ता OCIबाट सिर्जित जगेडा पुँजीकोषमा समावेश गर्न पाइने छैन ।

**Note: this table should be based on the figures as reported in financial statements, as per applicable reporting standards.**

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५२

विद्यमान व्यवस्था

FORM NO.5 OTHER ASSETS

| S.No. | Assets                                  | Gross Amount | Specific Provision & Valuation Adjustment | Net Balance |
|-------|---|--------------|---|-------------|
| 1     | Fixed Assets                            |              |   | 0           |
| 2     | Interest Receivable on Other Investment |              |   | 0           |
| 3     | Interest Receivable on Loan             |              |   | 0           |
| 4     | Non Banking Assets                      |              |   | 0           |
| 5     | Reconciliation Account                  |              |   | 0           |
| 6     | Draft Paid Without Notice               |              |   | 0           |
| 7     | Sundry Debtors                          |              |   | 0           |
| 8     | Advance payment and Deposits            |              |   | 0           |
| 9     | Staff Loan and Advance                  |              |   | 0           |
| 10    | Stationery                              |              |   | 0           |
| 11    | Other                                   |              |   | 0           |
| TOTAL |   | 0            | 0   | 0           |

नेपाल राष्ट्र बैकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५३

संशोधित व्यवस्था  
FORM NO.5 OTHER ASSETS

| S.No. | Assets                        | Gross Amount | Specific Provision & Valuation Adjustment | Net Balance |
|-------|-------------------------------|--------------|---|-------------|
| 1     | Current tax assets            |              |   | 0           |
| 2     | Investment property           |              |   | 0           |
| 3     | Property and equipment        |              |   | 0           |
| 4     | Assets held for sale          |              |   | 0           |
| 5     | Other non-banking assets      |              |   | 0           |
| 6     | Bills receivable              |              |   | 0           |
| 7     | Accounts receivable           |              |   | 0           |
| 8     | Accrued income                |              |   | 0           |
| 9     | Prepayment and deposits       |              |   | 0           |
| 10    | Income tax deposits           |              |   | 0           |
| 11    | Deferred employee expenditure |              |   |             |
| 12    | Others                        |              |   | 0           |
| TOTAL |                               | 0            | 0   | 0           |

# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५४

## विद्यमान व्यवस्था

ने.रा. बैंक निर्देशन फा.नं.२.२

ग्राहक पिच्छे वर्गीकरण गरिएको कर्जाहरू तथा सोको नोक्सानी व्यवस्था सम्बन्धी विवरण

.....साल .....मसान्त

| शाखा         | शाखा कोड (ने.रा. बैंक अनुसार) | समुह को नाम | ऋणी को नाम | परियोजना स्थलको ठेगाना |        |            | लगानी/ कारोबार मिति | क्षेत्रगत कर्जाको कोड | प्रयोजन अनुसारको कर्जाको कोड | कोषमा आधारित कर्जा |                   |                  |                  |                        | भुक्तानी मिति | गैर कोषमा आधारित सुविधा (रु) |                  | कर्जा व्यवस्था |               | विपन्न वर्ग रकम रु. | साना तथा मझौला उद्यम कर्जा रु. | कैफिय त |
|--------------|-------------------------------|-------------|------------|------------------------|--------|------------|---------------------|-----------------------|------------------------------|--------------------|-------------------|------------------|------------------|------------------------|---------------|------------------------------|------------------|----------------|---------------|---------------------|--------------------------------|---------|
|              |                               |             |            | प्रदेश                 | जिल्ला | स्थानीय तह |                     |                       |                              | कर्जा प्रकार       | स्वीकृत सीमा (रु) | बाँकी साँवा (रु) | बाँकी ब्याज (रु) | भाखा नाघेको साँवा (रु) |               | स्वीकृत सीमा (रु)            | बाँकी साँवा (रु) | गिंकरण         | व्यवस्था (रु) |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
|              |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |
| कुल जम्मा :- |                               |             |            |                        |        |            |                     |                       |                              |                    |                   |                  |                  |                        |               |                              |                  |                |               |                     |                                |         |

मिति

अधिकृतको नाम दस्तखत

- द्रष्टव्य :-**
- १) किस्ताबन्दीमा प्रदान गरिएका आवधिक कर्जाहरू(Term Loan)को हकमा पहिलो किस्ताले भाखा नाघेको मिति नै भुक्तानी मिति हुनेछ। यदि कुनै कर्जाको भुक्तानी मिति नै नभएमा कोषमा आधारित कर्जा सुविधामा परिणत भएको मिति (Booking date)लाई नै भुक्तानी मिति मान्नु पर्नेछ। (जस्तै:- ग्यारेण्टी भुक्तानी, Forced L/C, चालु खाता बिना लिमिट ओभरड्रन भएमा आदि)।
  - २) भुक्तानी मिति दिन/महिना/साल (day/month/year)अनुसार राख्नु पर्नेछ।
  - ३) यदि कर्जाहरूलाई भुक्तानी मिति भन्दा भिन्न आधारमा वर्गीकरण गरिएमा, वर्गीकरण गरिएको कारण कैफियत महलमा उल्लेख गर्नु पर्नेछ। (उदाहरणको लागि: ऋणी कालोसूचीमा समावेश भएमा, व्यवसाय सञ्चालन नभएमा, कर्जा दुरुपयोग भएमा आदि)।
  - ४) विपन्न वर्ग कर्जा सम्बन्धि विवरणहरू छुट्टै विवरणको रूपमा कुल रकम सहित देखाउनु पर्नेछ।
  - ५) यो कर्जा विवरणमा एकै समूहका ऋणीहरूको विवरण छुट्टिने गरी पेश गर्नु पर्नेछ।
  - ६) कर्जा वर्गीकरणमा असल, सुक्ष्म निगरानी, पुनरतालिकीकरण/पुनरसंरचना, कमसल, शंकास्पद तथा खराबलाई क्रमशः १, १.१, २, ३, ४ र ५ उल्लेख गर्नु पर्दछ।
  - ७) यो विवरणको इ-कपी मात्र पठाउनु पर्नेछ। हार्डकपी पठाउनुपर्नेछैन।



नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५६

विद्यमान व्यवस्था

Reserves

4.27

|   | Group        |               | Bank         |               |
|---|--------------|---------------|--------------|---------------|
|   | Current Year | Previous Year | Current Year | Previous Year |
| Statutory general reserve               |              |               |              |               |
| Exchange equalization reserve           |              |               |              |               |
| Corporate social responsibility reserve |              |               |              |               |
| Capital redemption reserve              |              |               |              |               |
| Regulatory reserve                      |              |               |              |               |
| Investment adjustment reserve           |              |               |              |               |
| Capital reserve                         |              |               |              |               |
| Assets revaluation reserve              |              |               |              |               |
| Fair value reserve                      |              |               |              |               |
| Dividend equalization reserve           |              |               |              |               |
| Actuarial gain                          |              |               |              |               |
| Special reserve                         |              |               |              |               |
| Other reserve                           |              |               |              |               |
| <b>Total</b>                            |              |               |              |               |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५७

संशोधित व्यवस्था

Reserves

4.27

|   | Group        |               | Bank         |               |
|---|--------------|---------------|--------------|---------------|
|   | Current Year | Previous Year | Current Year | Previous Year |
| Statutory general reserve               |              |               |              |               |
| Exchange equalization reserve           |              |               |              |               |
| Corporate social responsibility reserve |              |               |              |               |
| Capital redemption reserve              |              |               |              |               |
| Regulatory reserve                      |              |               |              |               |
| Investment adjustment reserve           |              |               |              |               |
| Capital reserve                         |              |               |              |               |
| Assets revaluation reserve              |              |               |              |               |
| Fair value reserve                      |              |               |              |               |
| Dividend equalization reserve           |              |               |              |               |
| <b>Debenture redemption reserve</b>     |              |               |              |               |
| Actuarial gain                          |              |               |              |               |
| Special reserve                         |              |               |              |               |
| Other reserve                           |              |               |              |               |
| <b>Total</b>                            |              |               |              |               |

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



५८

थप व्यवस्था (बुँदा नं. ५५ संग सम्बन्धित)

**7. Concentration of Borrowings and Deposits**

**A. Concentration of Borrowings**

| Particulars  | Current Year | Previous Year |
|--|--------------|---------------|
| Total Deposit from ten largest depositors                          |              |               |
| Percentage of Deposit from ten largest lenders to total depositors |              |               |

**B. Concentration of Credit exposures**

| Particulars   | Current Year | Previous Year |
|---|--------------|---------------|
| Total exposures to twenty largest borrowers                                     |              |               |
| a. As per group (related party)   |              |               |
| b. As per individual customer   |              |               |
| Percentage of exposures to twenty largest borrowers to Total Loans and Advances |              |               |
| a. As per group (related party)   |              |               |
| b. As per individual customer   |              |               |

**C. Concentration of Deposits**

| Particulars   | Current Year | Previous Year |
|---|--------------|---------------|
| Total deposits from twenty largest depositors                           |              |               |
| a. Group-wise   |              |               |
| b. As per individual customer   |              |               |
| Percentage of deposits from twenty largest depositors to Total Deposits |              |               |
| a. Group-wise   |              |               |
| b. As per individual customer   |              |               |



नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



६०

संशोधित व्यवस्था

ने.रा.बैंक निर्देशन फा.नं.९.१६क

..... लिमिटेड

निक्षेप र कर्जाको शाखागत विवरण (मासिक)

२० ..... साल ..... महिनाको विवरण

| SN | Branch Code | Branch Name | Loans & Advances |           |                           |             |   |             |                 |             |                 | Deposit |        |       |               |                        |        |        |
|----|-------------|-------------|------------------|-----------|---------------------------|-------------|---|-------------|-----------------|-------------|-----------------|---------|--------|-------|---------------|------------------------|--------|--------|
|    |             |             | Term Loan        | Overdraft | Trust Receipt/Import Loan | Demand Loan | Other Working Capital Loan (Short Term; Cash Credit Etc.) | Margin Loan | Bills Purchased | Credit Card | Funded - Others | Current | Saving | Fixed | Money at Call | Certificate Of Deposit | Margin | Others |
| 1  |             |             |                  |           |                           |             |   |             |                 |             |                 |         |        |       |               |                        |        |        |
| 2  |             |             |                  |           |                           |             |   |             |                 |             |                 |         |        |       |               |                        |        |        |
| :  |             |             |                  |           |                           |             |   |             |                 |             |                 |         |        |       |               |                        |        |        |
| :  |             |             |                  |           |                           |             |   |             |                 |             |                 |         |        |       |               |                        |        |        |





# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



## द. “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरुले विदेशमा शाखा कार्यालय, सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धमा

(क) “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरुले विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धमा

इजाजतपत्रप्राप्त “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरुले निम्नानुसारका शर्त तथा मापदण्डहरुको अधीनमा रही विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धमा देहायको नीतिगत तथा प्रक्रियागत व्यवस्था कायम गरिएको छ ।

(१) देहायका अवस्था पुरा गरेका “क” वर्गका बैंकहरुले यस बैंकको स्वीकृति लिई विदेशमा शाखा कार्यालय खोल्न सक्ने छन्:-

(क) “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरुले विदेशमा शाखा खोल्न आवेदन पेश गर्दा यस बैंकबाट तोकिएको न्यूनतम चुक्ता पुँजी पुगेको ।

(ख) विगत पाँच वर्ष देखि नियमित रूपमा यस बैंकले तोकेको पुँजीकोष कायम गरेको ।

(ग) विगत पाँच वर्षदेखि निष्क्रिय कर्जा अनुपात ५ प्रतिशतभन्दा कम रहेको ।

(घ) विगत ३ वर्षदेखि संस्था र संस्थाका सञ्चालकअनिवार्य नगद मौज्जात बाहेकअन्य कुनै कार्वाहीमा नपरेको ।

(ङ) कर्जा नोक्सानी व्यवस्था पुर्ण रूपले अनुपालना गरेको ।

(च) शुपरीवेक्षकीय पुनरावलोकन अन्तर्गत समग्र जोखिम व्यवस्थापनमा २ प्रतिशत भन्दा बढी कुल जोखिम भारित सम्पत्तिको (Risk Weighted Exposure) वापत Capital Charge नलागेको ।

(२) उपबुँदा १ मा उल्लिखित योग्यता पुगेका इच्छुक बैंकले सर्वप्रथम No Objection Letter को लागि यस बैंक समक्ष देहायको कागजात सहित आवेदन पेश गर्नु पर्नेछ ।

(क) प्रस्तावित शाखा कार्यालयबाट बैंकलाई हुने फाइदा/जोखिम/लागत आदिको विस्तृत विवरण सहितको सञ्चालक समितिबाट भएको निर्णय ।

(ख) शाखा विस्तार गर्नका लागि प्रस्तावित स्थान वित्तीयरूपले सम्भाव्य रहेको स्थलगत अध्ययन प्रतिवेदन (Feasibility Study Report) प्रस्तावित व्यवसायको योजना, तुलनात्मक लागत-लाभ विश्लेषण (Comparative Cost-benefit Analysis), व्यावसायिक रणनीति तथा सञ्चालन गर्ने कारोबारको किसिम, आन्तरिक नियन्त्रण, जोखिम व्यवस्थापन र Host Country सँग नेपालको द्विपक्षीय सम्बन्धको विवरण ।

(३) उपर्युक्त बमोजिम पेश हुन आएको कागजात अध्ययन गरी शाखा कार्यालय खोल्न यस बैंकबाट No Objection Letter प्रदान गर्न सकिनेछ ।

(४) विदेशमा शाखा खोल्न चाहने बैंकले सम्बन्धित Host Country ले तोकेका मापदण्ड अनुरूप No Objection Letter प्राप्त भए पश्चात यस बैंक समक्ष अन्तिम स्वीकृतिको लागि आवेदन गर्नुपर्नेछ । अन्तिम स्वीकृतिको लागि निवेदन पेश गर्दा देहाय बमोजिमको कागजात पेश गर्नुपर्नेछ :

(क) विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना/सञ्चालन गर्ने सम्बन्धमा सञ्चालक समितिबाट भएको निर्णय ।

(ख) जुन देशमा शाखा कार्यालय स्थापना गरिने हो, सो देश (Host Country)को नियामक निकायले तोकेको पुँजी (Assigned Capital) पुरा गर्नु पर्नेछ ।



# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था

६४

- (ग) विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना गर्ने “क” वर्गको इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले यस प्रयोजनको लागि आवेदन दिँदा तोकिएको ढाँचामा फाराम भरी दर्ता शुल्क बापत रु. दुई लाख (फिर्ता नहुने) को ने.रा.बैं. ना.नो.आ.हिसाबमा जम्मा गरेको भौचरको अर्धकट्टी समेत पेश गरी आवेदन दिनु पर्नेछ ।
- (घ) सम्बन्धित देशको नियामक निकायको नीतिगत व्यवस्था र सोको पालना गर्न सक्ने सम्बन्धमा बैंकको तर्फबाट गरिएको स्वघोषणा ।
- (ङ) जुन देशमा शाखा कार्यालय स्थापना गरिने हो, उक्त देशबाट लाभांश (Dividend)/मुनाफाको रूपमा विदेशी मुद्रामा नेपाल भित्र्याउन एवम् कथमूकदाचित विदेशस्थित शाखा कार्यालय बन्द गर्नु पर्ने अवस्था आएमा तोकिएको पुँजी (Assigned Capital) जुन विदेशी मुद्रामा लिएको हो, सोही विदेशी मुद्रामा वा परिवर्त्य विदेशी मुद्रामा अनिवार्य रूपमा स्वदेशमा फिर्ता गर्नु पर्ने हुँदा सो समेतका विषयमा Host Countryको ऐन तथा नीतिगत व्यवस्थाले नरोक्ने व्यहोरा प्रमाणित हुने कागजात ।
- (५) उपर्युक्त बमोजिम शाखा कार्यालय खोल्ने अन्तिम स्वीकृतिको लागि आवेदन पेश हुन आएमा बैंकले आवश्यक जाँचबुझ गरी देहायका शर्त तथा अन्य आवश्यक थप शर्त समेत तोकिएको अन्तिम स्वीकृति प्रदान गर्ने छ ।

## शर्त तथा मापदण्डहरु

- (क) अन्तिम स्वीकृति प्राप्त गरेको ६ महिनाभित्र त्यस्तो शाखा कार्यालय खोली कार्यालय सञ्चालन गरिसक्नु पर्नेछ र सोको जानकारी यस बैंकलाई दिनु पर्नेछ । उक्त तोकिएको अवधिभित्र शाखा कार्यालय सञ्चालन गर्न नसके/नभएमा स्वीकृति स्वतः रद्द हुनेछ र पुनः स्थापना गर्ने स्वीकृतिको लागि नयाँ प्रक्रियाबाट निवेदन पेश गर्नु पर्नेछ ।
- (ख) शाखा कार्यालय कार्यालय सञ्चालनको लागि हुने विदेशी मुद्रा खर्चको लागि यस बैंकको विदेशी विनिमय व्यवस्थापन विभागबाट स्वीकृति लिनु पर्नेछ ।
- (ग) विदेशस्थित शाखाले गरेको व्यावसायिक काम कारवाहीको सम्पूर्ण दायित्व पुरा गर्न आवश्यक हुने रकम तथा अन्य कुनै पनि दायित्व राष्ट्र बैंकले माग गरेको बखत उपलब्ध गराउने छौं भनी नेपालमा रहेको मुख्य कम्पनी (Parent Company) को सञ्चालक समितिले गरेको लिखित प्रतिबद्धता यस बैंकमा पेश गर्नु पर्नेछ ।
- (घ) विदेशमा रहेको शाखा कार्यालय सूचना आदान प्रदान गर्नको लागि सूचना प्रणालीमा तत्काल आवद्ध हुन सक्ने व्यवस्था गरेको हुनु पर्नेछ ।
- (ङ) यस बैंकको बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग र बैंक सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्ने प्रचलित व्यवस्था बमोजिम वित्तीय विवरणहरुमा विदेशमा संचालित शाखा कार्यालयको वित्तीय विवरण एकीकृत (Consolidated) तथा छुट्टै (Separate) समेत पेश गर्नु पर्नेछ ।
- (च) विदेशमा शाखा कार्यालय स्थापना गर्ने “क” वर्गको इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले यस बैंकको पूर्व स्वीकृति बिना उक्त शाखा कार्यालयको ठेगाना परिवर्तन गर्न, बन्द गर्न वा गाभ्न पाउने छैनन् ।
- (छ) विदेशमा शाखा कार्यालय खोल्न चाहने बैंकले सम्बन्धित Host Country को नियामक संस्थाको निर्देशन र यस बैंकले तोके बमोजिमको पुँजीको विवरण र पुँजी पर्याप्तता सदैव पुरा गरेको हुनु पर्नेछ ।
- (ज) विदेशस्थित शाखाको प्रयोजनको लागि तोकिएको पुँजी (Assigned Capital) बाहेकको कुनै पनि रकम (निक्षेप परिचालन समेत) वा परिवर्त्य विदेशी मुद्रा विदेश लैजान पाइने छैन ।



# नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरूलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था

६५

- (भ्र) विदेशस्थित शाखाको सम्पूर्ण कारोबारहरूको नियमन र सुपरिवेक्षण गर्ने अधिकार नेपाल राष्ट्र बैंक र Host Countryको नियामक र सुपरिवेक्षकमा अन्तर्निहित रहनेछ। प्रचलित व्यवस्था बमोजिम त्यस्ता शाखाहरूको आवधिक रूपमा गैर स्थलगत (Off-site) तथा स्थलगत (On-site) सुपरिवेक्षण कार्य नियमित रूपमा गरिनेछ। सो सुपरिवेक्षणको कार्यको लागि सम्बन्धित बैंकले संस्थागत ढंगले नै सुपरिवेक्षकलाई सहयोग गर्नुपर्नेछ।
- (ज) नेपाल राष्ट्र बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई जारी गरिएको निर्देशन, परिपत्र, मार्गदर्शन इत्यादि (अन्यथा उल्लेख गरिएको अवस्थामा बाहेक) विदेशस्थित शाखाको हकमा समेत लागू हुनेछ। त्यस्ता शाखाहरूको लागि कुनै विशेष व्यवस्था गर्नु परेमा वा निकाशा दिनु परेमा नेपाल राष्ट्र बैंकले आवश्यकतानुसार गर्न सक्नेछ।
- (ट) नीतिगत निर्देशन तथा कानूनको पालना नगरेमा प्रचलित राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रचलन अनुसार कारवाही र दण्ड जरिवाना गरिने छ।
- (ठ) विदेशमा शाखा कार्यालय सञ्चालन गर्दा अपनाइने बैकिङ्ग कार्यविधि, कर्जा निर्देशिका लगायतका कागजात यथासमय यस बैंकमा पेश गर्नु पर्नेछ। Host Country को नियामक वा सुपरिवेक्षकले लगाएको दण्ड, जरिवाना तथा सुशासन सम्बन्धी कारवाहीको जानकारी १५ दिनभित्र यस बैंकको नियमन विभाग र सुपरिवेक्षण विभागमा पेश गर्नु पर्नेछ।
- (ड) विदेशमा शाखा कार्यालय सञ्चालन गर्दा सम्पत्ति शुद्धिकरण निवारण ऐनको पूर्ण परिपालना गर्नु/गराउनु पर्नेछ।
- (ख) “क” वर्गका वाणिज्य बैंकहरूले विदेशमा सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय स्थापना गर्ने सम्बन्धी व्यवस्था
- (१) देहायका अवस्था पुरा गरेका “क” वर्गका बैंकहरूले यस बैंकको स्वीकृति लिई विदेशमा सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय खोल्न सक्ने छन्:-
- (क) यस बैंकले तोकेको न्यूनतम चुक्ता पुँजी पुरा गरेको।
- (ख) विगत तीन वर्ष देखि नियमित रूपमा यस बैंकले तोकेको पुँजीकोष कायम गरेको।
- (ग) विगत पाँच वर्षदेखि निष्क्रिय कर्जा अनुपात ५ प्रतिशतभन्दा कम रहेको।
- (घ) विगत ३ वर्षदेखि संस्था र संस्थाका सञ्चालक अनिवार्य नगद मौज्जात बाहेक अन्य कुनै कार्वाहीमा नपरेको।
- (ड) कर्जा नोक्सानी व्यवस्था पूर्ण रूपले अनुपालना गरेको।
- (च) शुपरीवेक्षकीय पुनरावलोकन अन्तर्गत समग्र जोखिम व्यवस्थापनमा २ प्रतिशत भन्दा बढी कुल जोखिम भारित सम्पत्तिको (Risk Weighted Exposure) वापत Capital Charge नलागेको।
- (२) उपबुँदा १ मा उल्लिखित योग्यता पुगेका इच्छुक बैंकले सर्वप्रथम No Objection Letter को लागि यस बैंक समक्ष देहायको कागजात सहित आवेदन पेश गर्नु पर्नेछ।
- (क) सञ्चालक समितिको निर्णय।
- (ख) सम्बन्धित देशको नियामक निकायको नीतिगत व्यवस्था र सोको पालना गर्न सक्ने सम्बन्धमा बैंकको तर्फबाट गरिएको स्वघोषणा।

नेपाल राष्ट्र बैंकबाट “क”, “ख” र “ग” वर्गका इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०७७ मा संशोधन/परिमार्जन थप व्यवस्था



६६

- (ग) संभाव्यता अध्ययन प्रतिवेदन ।  
(घ) विगत ३ वर्षको वार्षिक वित्तीय विवरण ।
- (३) उपर्युक्त बमोजिम पेश हुन आएको कागजात अध्ययन गरी सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय स्थापना गर्न यस बैंकबाट No Objection Letter प्रदान गर्न सकिनेछ ।
- (४) विदेशमा सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय खोल्न चाहने बैंकले सम्बन्धित HostCountry ले तोकेका मापदण्ड अनुरूप No Objection Letter प्राप्त भए पश्चात यस बैंक समक्ष अन्तिम स्वीकृतिको लागि आवेदन गर्नुपर्नेछ ।
- (५) अन्तिम स्वीकृतिको लागि आवेदन पेश हुन आएमा बैंकले आवश्यक जाँचबुझ गरी देहायका शर्त तथा अन्य आवश्यक थप शर्त समेत तोकी अन्तिम स्वीकृति प्रदान गर्ने छ ।
- (क) अन्तिम स्वीकृति प्राप्त गरेको ६ महिनाभित्र त्यस्तो सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय खोली कार्यालय सञ्चालन गरिसक्नु पर्नेछ, र सोको जानकारी यस बैंकलाई दिनु पर्नेछ ।
- (ख) सम्पर्क/प्रतिनिधि कार्यालय सञ्चालनको लागि हुने विदेशी मुद्रा खर्चको लागि यस बैंकको विदेशी विनिमय व्यवस्थापन विभागबाट स्वीकृति लिनु पर्नेछ ।